



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24] नई दिल्ली, शनिवार, जून 14, 1980 (ज्येष्ठ 24, 1902)

No. 24] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 14, 1980 (JYAISTHA 24, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 मई, 1980

सं० ए० 35014/1/79-प्रशा० —संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के निम्नलिखित दो स्थायी अनुभाग अधिकारियों को सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 5-5-1980 से 4-8-1980 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट पदों पर तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

1. श्री योगिन्दर नाथ—अनु० अधिकारी (विशेष-परीक्षा)
2. श्री डी० आर० मदान—अनु० अधिकारी (विशेष-सेवा)

2. अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप सर्वश्री योगिन्दर नाथ और डी० आर० मदान का वेतन वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के समय-समय पर यथासंशोधित का० जा० सं० एफ० 10(24)/ई० III/60, दिनांक 4-5-1961 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

दिनांक, 14 मई 1980

सं० ए० 35014/1/79-प्रशा० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के० स० से० 1—106 GI/80

संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री जी० पी० सक्सेना को 13-5-80 से 12-8-80 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष गोपनीय) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. अनुभाग अधिकारी (विशेष गोपनीय) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप श्री जी० पी० सक्सेना का वेतन वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के समय समय पर यथासंशोधित का० जा० सं० एफ० 10(24)-ई० III/60, दिनांक 4-5-1961 की शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

एम० बालचन्द्रन, अव्वर सचिव,
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 मार्च 1980

सं० पी०/1837—भाग II-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में इस समय उप सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय में रीडर डा० बी० एस० मिश्र के गोरखपुर विश्वविद्यालय में

शिक्षा के प्रोफेसर के पद पर नियुक्ति हेतु चयन हो जाने के परिणामस्वरूप 20 मार्च, 1980 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से उन्हें कार्यभार मुक्त किया गया है।

दिनांक 1 मई 1980

सं० ए० 32014/3/79-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थानापन्न वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख) श्री जोगिन्दर सिंह को, राष्ट्रपति द्वारा 26-4-1980 से 25-6-1980 तक दो मास की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में अस्थायी और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

निजी सचिव (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड क) के पद पर उनकी नियुक्ति हो जाने पर श्री जोगिन्दर सिंह मूल नियम 22-ग के अधीन रु० 775-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में 26-4-1980 से रु० 1040/- प्र० मा० की दर से वेतन प्राप्त करने के हकदार होंगे।

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1980

सं० 10 आर० सी० टी० 4—केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद्वारा श्री के० आर० जुग, सहायक अभियन्ता (सिविल) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, को केन्द्रीय सतर्कता आयोग में दिनांक 2-5-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल भल्लोत्रा,
अवर सचिव,
कृते केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

का० एवं प्र० सु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1980

सं० ए-19021/2/80-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी० सी० डोगरा, भारतीय पुलिस सेवा (1964-पंजाब) को दिनांक 27 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति के आधार पर पुलिस अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 23 मई 1980

सं० ए०-19035/3/80-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, अपने प्रसाद से श्री टी० सुदर्शना राव, अपराध सहायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 19 मई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रीवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001-दिनांक 23 मई 1980

सं० ओ० दो० 1100/78-स्थापना—इस महानिदेशालय की अधिसूचना दिनांक 5-11-79 के सन्दर्भ में, [महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) मंगला राजन को दिनांक 18-10-79 के पूर्वाह्न से 16-1-80 (पूर्वाह्न) तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

के० आर० के० प्रसाद,
सहायक निदेशक। (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 19 मई 1980

सं० ई-38013(3)/21/79-कामिक—विशाखापटनम से स्थानांतरित होने पर श्री एस० एन० पी० मिन्हा ने 17 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट एच० ई० सी० रांची के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/24/79—कामिक—भिलाई से स्थानांतरित होने पर श्री सी० रामास्वामी ने 29 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारो के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-16013(2)/1/80-कामिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरित होने पर श्री एस० आई० जफरअली, आई० पी० एस० (टी० एन० : एम० पी० एस०) ने 28 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट एम० पी० टी० मद्रास के कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ह० (अपठनीय)
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 मई 1980

सं० 11/102/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति, हिमाचल प्रदेश, शिमला में जनगणना कार्य निदेशालय में, सहायक निदेशक

जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एस० एल० बहल को हरियाणा, चण्डीगढ़ जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 24 अप्रैल, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री बहल का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री बहल को उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए किसी भी समय रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत डा० के० एस० डे० को उसी कार्यालय में तारीख 31 मार्च, 1980 के पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर, उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. डा० डे का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति डा० डे को उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को सक्षम-प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए किसी भी समय रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एम० के० ब्राह्मजा को उसी कार्यालय में तारीख 2 मई, 1980 के पूर्वाह्न से, एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री ब्राह्मजा का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री ब्राह्मजा को उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को सक्षम-प्राधिकारी के

विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए किसी भी समय रद्द किया जा सकता है।

सं० 11/102/79-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, कर्णाटक, बंगलूर में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री वाई० जी० कृष्णमूर्ति को आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 28 अप्रैल, 1980 के अपराह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री कृष्णमूर्ति का मुख्यालय हैदराबाद में होगा।

3. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति श्री कृष्णमूर्ति को उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर नियमित नियुक्ति के लिए कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ तौर पर उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिए नहीं गिनी जाएगी। उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्ति को सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताए र, किया जा सकता है।

सं० 11/29/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, उड़ीसा सिविल सेवा के अधिकारी श्री बालुकेश्वर साहू को उड़ीसा, कटक में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 7 मई, 1980 के पूर्वाह्न से भगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री साहू का मुख्यालय कटक में होगा।

दिनांक 24 मई] 1980

सं० 11/32/80-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, तमिलनाडु सिविल सेवा के अधिकारी श्री एम० सत्यमूर्ति को तमिलनाडु, मद्रास में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 9 मई, 1980 के पूर्वाह्न से भगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री सत्यमूर्ति का मुख्यालय तिरुनलवेली में होगा।

सं० 5/3/76-स० पं० (प्रशा० I)—इस कार्यालय की तारीख 23 जनवरी, 1979 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में निम्नलिखित दो अधिकारियों की उनके समक्ष दशित पदों पर तदर्थ नियुक्ति की अवधि को नई दिल्ली में मुख्यालय सहित और आगे सहर्ष बढ़ाते हैं:

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	पद नाम	तदर्थ नियुक्ति को बढ़ाए जाने की अवधि
1	2	3	4
1.	डा० आर० आर० त्रिपाठी	मानचित्र अधिकारी	1-7-79 से 24-9-79 तक

1	2	3	4
2	श्री एस० डी० त्यागी	अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र)	1-7-79 से 11-7-79 तक

दिनांक 27 मई 1980

सं० 11/125/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति, राजस्थान सिविल सेवा के अधिकारी श्री एन० के० भार्गव को राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 15 मई, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री भार्गव का मुख्यालय जयपुर में होगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापञ्जीकार

सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 26 मई 1980

सं० 15015/77-स्थापना—केन्द्र में अपनी प्रतिनियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर श्री एस० कृष्णमूर्ति, भा० पु० से० (कर्नाटक 1967) ने दिनांक 22-5-80 के अपराह्न से सरदार बल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद के सहायक निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

बी० के० राय,
निदेशक

अम मंत्रालय

(अम म्युरो)

विमला-171004, दिनांक 7 जून 1980

सं० 23/3/80 सी० पी० आई०—अप्रैल, 1980 में औद्योगिक अमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) मार्च, 1980 के स्तर से 2 अंक बढ़ कर 375 (तीन सौ पचहत्तर) रहा है। अप्रैल 1980 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 456 (चार सौ छप्पन) आता है।

आनन्द स्वरूप भारद्वाज,
संयुक्त निदेशक

विस्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बीमा प्रभाग

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1980

सं० 304-आई० पी० (1)/48—चूंकि मैं, आर० के० महाजन, बीमा नियंत्रक पूर्ण रूप से संतुष्ट हूं कि एन्कर प्रावीडेंट इंशोरंस कम्पनी लिमिटेड नामक समिति के कार्यों का पूर्णतः परिसमापन हो गया है।

इसलिए अब मैं इस अधिसूचना द्वारा बीमा अधिनियम 1938 (1938 का 4) की धारा 93 की उपधारा (5)

के उपबंधों के अनुसार उपर्युक्त समिति के भंग होने की घोषणा करता हूं।

सं० 132-आई० डी० (1)/50—चूंकि मैं, आर० के० महाजन, बीमा नियंत्रक पूर्ण रूप से संतुष्ट हूं कि बेकरगंज इंशोरंस (प्राविडेंट) लिमिटेड नामक समिति के कार्यों का पूर्णतः परिसमापन हो गया है।

इसलिए, अब मैं इस अधिसूचना द्वारा बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 93 की उपधारा (5) के उपबंधों के अनुसार उपर्युक्त समिति के भंग होने की घोषणा करता हूं।

आर० के० महाजन,
बीमा नियंत्रक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा

वाणिज्य, निर्माण कार्य तथा विविध

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 मई 1980

सं० प्रशासन 1/33—इस संगठन के अस्थाई लेखापरीक्षा अधिकारी श्री एस० नरायणन् को 1-3-1980 से लेखा-परीक्षा अधिकारी को स्थाई रूप में नियुक्त किया जाता है।

महिन्दर सिंह सरना,
निदेशक लेखापरीक्षा

महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक

बेंगलूर, दिनांक 8 मई 1980

सं० स्था०-I/ए० 4/80-81/37—महालेखाकार कार्यालय, कर्नाटक, बेंगलूर, के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के रूप में, उनके नाम के सामने जो दिनांक बताया गया है, उस दिन से, इसी कार्यालय में स्थायी रूप में लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नत करते हैं।

क्रमांक	अधिकारी के नाम	दिनांक जब से कन्फर्म हुआ
सर्वश्री		
1.	आर० श्रीनिवासन् (1)	1-1-1979
2.	एन० चक्रवर्ती	1-4-1979
3.	के० एन० नरसिंहमूर्ति	12-5-1979
4.	के० जगन्नाथन्	1-11-1979
5.	एम० आर० वेंकटरामन्	1-11-1979
6.	एस० अनन्त राव	1-12-1979
7.	बि० हनुमन्ताचार	1-12-1979
8.	एच० एस० रामचन्द्र (1)	1-1-1980
9.	एच० एस० विश्वनाथ	1-2-1980
10.	बी० के० नंजुण्डय्या	1-2-1980
11.	के० एस० वरदराज	1-2-1980

यह आदेश भारत के सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका न० 4367 के अंतिम नतीजों के अधीन रहते हैं।

सं० स्था०-I/ए०-4/80-81/148—महालेखाकार, इस कार्य-लय के निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को उसके

वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले अगले आदेश जारी होने तक, लेखा अधिकारी पद में उम पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से केवल अस्थायी रूप में पदोन्नत करते हैं।

1. श्री सी० नारायणमूर्ति
2. श्री एस० नरसिंहन् (2)

ये पदोन्नत सर्वोच्च न्यायालय के लेख याचिका नं० 4367 के अंतिम नतीजों के अधीन रहते हैं।

एम० ए० सौन्दरराजन्,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार द्वितीय, पश्चिम बंगाल

स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग

कलकत्ता-1, दिनांक 21 अप्रैल 1980

सं० एल० ए०/प्रशासन 9—महालेखाकार द्वितीय, पं० बंगाल एक स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री निखिल चन्द्र सेनगुप्त को तदर्थ तथा अनन्तिम रूप से सहायक परीक्षक, स्थायीय लेखा, पं० बंगाल के पूर्णतया स्थानापन्न पद पर 18-4-80 के पूर्वानु से अगले आदेश तक नियुक्त करते हैं।

यह साफ़तौर पर समझ लेनी चाहिए कि यह प्रोन्नति कलकत्ता उच्चन्यायालय के एक मुकदमे में विनिर्णय की समाप्ति होने तक पूर्णतया अस्थायी रूप से है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के विरुद्ध दायर किए गए 1979 के सी० आर० केस नं० 14818 (डब्ल्यू०) के अंतिम फैसले के अधीन है।

बी० एन० दत्तचौधरी,
परीक्षक, स्थानीय लेखा,
पं० बंगाल

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 15 मई 1980

सं० 18421/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा से श्री कंवल मंजीत अंगूराला का त्याग पत्र 11 फरवरी 1980 (पूर्वानु) से सहर्ष स्वीकार करते हैं।

के० पी० राव,
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

आर्डेनैन्स फैक्टरी बोर्ड

भारतीय आर्डेनैन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 15 मई 1980

सं० 22/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय, निम्नलिखित अधिकारियों को, स्थानापन्न उप-प्रबन्धक। डी० ए० टी० जी० ओ० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री के० पी० पण्डा, सहायक प्रबन्धक—31 जनवरी 1980 (परखावधि)
- (2) श्री राजेश कुमार जैन, सहायक प्रबन्धक 1 सी मार्च, 1980 (परखावधि)
- (3) श्री ए० के० चट्टोपाध्याय, सहायक प्रबन्धक—1 सी मार्च, 1980 (परखावधि)

सं० 23/जी०/80—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक/डी० एस० ओ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री जे० एन० वर्मा, स्थानापन्न स्टोर होल्डर—पहली जनवरी, 1980।
- (2) श्री पी० एस० बेण्कटेश्वरन्, फोरमैन—28 जनवरी, 1980।

सं० 24/जी०/80—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अफसर को स्थानापन्न अपर महानिदेशक, आर्डेनैन्स फैक्टरियां/सवस्य उनके सामने दर्शाई गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

श्री एम० पी० बैशा, स्थानापन्न जी० एम० (सेलेक्शन ग्रेड) स्तर-I—31 मार्च, 1980

दिनांक 19 मई 1980

सं० 27/80/जी०—राष्ट्रपति, श्री रामस्वामी रमेश को सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) के पद पर दिनांक 29-11-79 से नियुक्त करते हैं।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक, आर्डेनैन्स फैक्टरियां

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1980
आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 1/2/80-प्रशा० (राज०)/3155—राष्ट्रपति, श्री एम० एम० हलदर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग

अधिकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी और नियंत्रक, आयात-निर्यात को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय, नई दिल्ली में 18-2-1980 (बोपहर पूर्व) से तीन माह की अवधि के लिए, उसी सेवा के वर्ग "1" में और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग "1" में और उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में श्री एम० एम० हलदर की उपर्युक्त नियुक्ति श्री एस० एस० शर्मा एव अन्य बनाम भारत सघ द्वारा उच्चतम न्यायालय में प्रस्तुत की गई 1979 की रिट याचिका न० 626-630 के अंतिम निर्णय के अधीन है।

सी० वेक्टरामन,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

(वस्तु विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1980

सं० ए०-32013/1/80-व्यवस्था II—राष्ट्रपति श्री डी० बालासुब्रामनियन, उप निदेशक (बुनाई) को 3 अप्रैल, 80 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, वाराणसी में निदेशक (बुनाई) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

डा० एन० पी० शोपात्री,
अयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 7 मई 1980

सं० जूट (ए)/147/65—पटसन आयुक्त एतद्वारा श्री के० के० बनर्जी, प्रशासनिक अधिकारी, ग्रुप "बी" को इस कार्यालय में 5-5-80 (पूर्वाह्न) से 4-11-80 (अपराह्न) अथवा स्थायी तौर पर रिक्त पद की पूर्ति जो भी पहले हो तक कार्यकारी अधिकारी, ग्रुप "ए" तदर्थ स्थानापन्न हसियत में रु० 700-40-900-६० रो०-40-1100-50-1300/- की वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 9 मई 1980

सं० जूट (ए)/147/65—पटसन आयुक्त एतद्वारा श्री जी० बी० दास, स्थायी अधीक्षक को श्री के० के० बनर्जी के कार्यकारी अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के फल-स्वरूप दिनांक 5 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से पुनः आदेश न होने तक इस कार्यालय में तदर्थ स्थानापन्न हसियत में प्रशासनिक अधिकारी, ग्रुप "बी" राजपत्रित के तौर पर रु०

650-30-740-35-880 रु० रो०-40-960/- की वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

आर० एन० चक्रवर्ती
पटसन उपायुक्त

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1980

सं० प्र० 1/1(1156)80—पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री टी० वी० पोते की अधीक्षक (स्तर II) के पद पर अवनति होने पर उन्होंने दिनांक 1-5-80 के पूर्वाह्न से अपना पदभार छोड़ दिया।

दिनांक 26 मई 1980

सं० प्र-1/2(360) राष्ट्रपति—श्री आर० टी० पट्टाभिरामन जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में 13-6-79 से तदर्थ आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे थे को दिनांक 3-4-80 से उसी निदेशालय नई दिल्ली में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड 1 में) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री आर० वी० पट्टाभिरामन को पूर्ति निदेशक के रूप में नियमित पदोन्नति पर दिनांक 3-4-80 से 2 वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रखा गया है।

सं० प्र०-1/1(360)—राष्ट्रपति, श्री ओ० पी० श्रीवास्तव जो पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में 14-6-79 से तदर्थ आधार पर निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड 1) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे थे को दिनांक 3-4-80 से उसी निदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड 1 में) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री ओ० पी० श्रीवास्तव को पूर्ति निदेशक के रूप में नियमित पदोन्नति पर दिनांक 3-4-80 से 2 वर्ष के लिए परिवीक्षाधीन रखा गया है।

सं० ए०-15/28 (626)/77—राष्ट्रपति केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड 1 के अधिकारी श्री आर० एन० सरकार की विशेष कार्याधिकारी (प्रशिक्षण) के रूप में प्रतिनियुक्ति की अवधि 30-7-80 से 30-1-81 तक छः माह के लिए बढ़ाते हैं।

कृष्ण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

दिनांक 23 मई 1980

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1980

सं० प्र० 6/247 (332)/74—राष्ट्रपति, जमशेदपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री बी० श्रीनिवासुलू को दिनांक 10-4-1980 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों के जारी होने तक सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) (भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए, धातु शाखा के ग्रेड-III) के रूप में उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री श्रीनिवासुलू ने सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) का पदभार छोड़ दिया और 10-4-80 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण निदेशक (धातु), जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का पद भार संभाल लिया।

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 20 मई 1980

सं० 3636 एन०/ए०-32013(ए० ए०)-78-80/19ए— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अधीक्षकों को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रों-35-880-40-1000-द० रों-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति-तिथि
1.	श्री बी० के० चटर्जी	26-3-1980 (पूर्वाह्न)
2.	श्री जे० के० शर्मा	26-3-1980 (पूर्वाह्न)
3.	श्री आर० पलानीस्वामी	27-3-1980 (पूर्वाह्न)

सं० 3830 बी० ए०-32014 (1-सहायक भूवैज्ञानिक)/78-19 ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री डी० पी० शर्मा, जो अब नागालैण्ड सरकार में प्रतिनियुक्ति पर हैं, को सहायक भूवैज्ञानिक पद के लिए प्रोफर्मा पदोन्नति उसी विभाग में 650-30-740-35-810-द० रों-35-880-40-1000-द० रों-40-1200 रु० के वेतनमान में, आगामी आदेश होने तक, अगले निचले नियमों के अंतर्गत स्वीकृत की जाती है।

सं० 3947 बी०-19012 (1-आर० बी० जी० एन०)/79-19 ए०—इस कार्यालय की निम्नलिखित अधिसूचनाओं के आंशिक संशोधन में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नोक्त सहायक भूवैज्ञानिकों का वेतन, बजाए न्यूनतम वेतनमान पर रखने के जैसा अधिसूचनाओं में उल्लिखित किया गया था, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रों-35-880-40-1000-द० रों-40-1200 रु० के वेतनमान में निर्धारित किया जायेगा :—

नाम	अधिसूचना सं०	दिनांक
1. श्री शशांक भटनागर	7616 बी०/2222 10/11-10-1978 (एस० बी०)/19 ए०	
2. श्री अवध नारायण मिह	7695/2222 10/11-10-78 (ए० एन० एम)/19 ए०	
3. श्री प्रणय कुमार विश्वास	7590 बी०/2222 10/11-10-78 (पी० के० एस०)/19 ए०	
4. श्री रघुन्द्र नाथ घोष	8470 बी०/2222 1-12-78 (आर० एन० जी०)/19 ए०	
5. श्री आर० वेनुगोपालन नायर	8490 बी०/2222 1-12-78 (आर० बी० एन०)/19 ए०	
6. श्री बी० बी० श्री-निवासन	8737 बी०/2222 6-12-78 (बी० बी० एम)/19 ए०	
7. श्री मुहं० कमाल काजिम	8749 बी०/2222 6-12-78 (एम० के० के०)/19 ए०	

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1980

सं० ए० 19-2/75-प्रशासन-1—जवाहर लाल स्नात-कोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांजिचेरी में जैव-भौतिक विज्ञान के सहायक प्रोफेसर का पद समाप्त हो जाने के फलस्वरूप श्री बी० कृष्णन ने 31 मार्च, 1978 अपराल्न को जैव भौतिक विज्ञान के सहायक प्रोफेसर के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा उन्होंने उसी दिन तथा उसी संस्थान में भौतिक विज्ञान के लेक्चरर के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं० ए० 12025/11/79- (अ० भा० वि० तथा ज० स्वा० सं०)/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री ए० के०

चक्रवर्ती को 17 अप्रैल, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान तथा जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में सहायक अनुसंधान अधिकारी (मनश्चिकित्सक) के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 21 मई 1980

सं० ए० 32014/2/79-(ने० आई० पी०)/प्रशासन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में जूनियर आकूपेशनल थेरापिस्ट श्री एस० के० कुलकर्णी को 17 अप्रैल, 1980 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी संस्थान में सीनियर आकूपेशनल थेरापिस्ट के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

शामलाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन।

नई दिल्ली, दिनांक 24 मई 1980

सं० ए० 19012/11/79-स्टार-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक को यह घोषित करते हुए खेद है कि सरकारी चिकित्सा सामग्री भंडार, बम्बई के सहायक डिपो मैनेजर श्री एस० जी० कुलकर्णी का 30 मार्च, 1980 को निधन हो गया है।

शिव दयाल
उप निदेशक प्रशासन।

कृषि मंत्रालय

कृषि और सहकारिता विभाग
विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1980

सं० 3-48/79-स्था० (1)—अधीक्षक (कोटि प्रथम) के पदों पर सर्वश्री एस० एल० धीरे०, के० आर० विज और ओ० पी० भसीन की तदर्थ नियुक्ति 1-5-80 से आगे 31-8-80 तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो, बनी रहें।

बद्रीनाथ चड्ढा
निदेशक प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना

नरौरा, दिनांक 14 मई 1980

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1 (132)/80-एस०/5979—नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके सामने दी गई तिथियों से अग्रिम आदेशों तक के लिए नरौरा परमाणु विद्युत् परियोजना में स्थापनापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम (श्री)	वर्तमान पद	किस पद पर स्थायी/अर्द्धस्थायी है	चार्ज लेने की तिथि
1	एम० ए० रशीद	वै० सं० "सी०"	अर्द्धस्थायी वै० सं० "बी"	1-2-80
2	भूपीन्द्र सिंह	नक्शानवीस "सी"	नक्शानवीस "ए"	1-2-80
3	जे० एम० दत्ता	फोरमैन	अर्द्धस्थायी सहा० फोरमैन	1-2-80
4	बी० एच० नरूला	वै० सं० "सी"	—	1-2-80
5	के० पी० अग्रवाल	वै० सं० "सी"	—	1-2-80

प्रकाष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना

देहरादून, दिनांक 21 मई 1980

सं० 6-177/75-प्र० नि० प्र० के०—श्री अनन्त राम ढबालिया, एम० पी० एफ० एस०-II, जो कि प्रकाष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र में प्रकाष्ठ निष्कासन अनुदेशक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर थे, की सेवाएं दिनांक 1-5-80 की पूर्वाह्न से हिमाचल प्रदेश सरकार को पुनः सौंप दी गई।

हरि कान् ,
मुख्य कार्यपालक अधिकारी।

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 24 मई 1980

सं० ए० 19025/41/79-प्र० तृ०—खाद्य विभाग में कनिष्ठ निरीक्षण अधिकारी (फल तथा सब्जी परिरक्षण) के पद में नियुक्त होने पर श्री विशम्भर दयाल बजाज, सहायक विपणन अधिकारी ने इस निदेशालय के आधीन नई दिल्ली में दिनांक 1 मई 1980 से अपने पद का कार्यभार सौंपा।

सं० ए० 19025/21/80 प्र० तृ०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्कृतियों के आधार पर श्री कुंवर पाल सिंह को उस निदेशालय के आधीन अहमदाबाद में दिनांक 9 मई 1980 (अप्रराह्न) से अगले आदेशों तक सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

दिनांक, 26 मई 1980

कं० ए० 19025/32/79 प्र० तृ०—विभागीय पदोन्नति समिति की संस्कृतियों के अनुसार, श्री के० सम्पत कुमार को इस निदेशालय के आधीन गन्तूर में दिनांक 12-5-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक स्थापनापन्न सहायक विपणन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार
प्रशासन निदेशक

दिनांक, 17 मई 1980

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/1 (92)/80 एस०/6085—
श्री एस० कृष्णन, स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी तथा
इस परियोजना में स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-II के
स्थानान्तरण तारापुर परमाणु विद्युत् स्टेशन का हो जाने
पर, उन्होंने दिनांक 3 मई 1980 के अपराह्न में उपरोक्त
प्रशासन अधिकारी-II के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

ए० डी० भाटिया
प्रशासन अधिकारी।

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 19 मई 1980

सं० नाईस/पी० ए० आर०/0705/2636—नाभिकीय
ईंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने सहायक लेखाधिकारी
श्री बी० वेंकटेश्वर राव को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में
दिनांक 9/5/1980 से दिनांक 16-6-1980 पर्यन्त स्था-
नापन्न लेखाधिकारी II के पद पर तदर्थ आधार पर एक
अवकाश जन्य रिक्त स्थान पर नियुक्त किया है।

सं० नाईस/पी० ए० आर०/0705/2637—नाभिकीय ईंधन
सम्मिश्र के मुख्य कार्यपालक ने लेखासहायक श्री सी० आर०
प्रभाकरन को नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में दिनांक 2-5-
1980 से 16-6-1980 पर्यन्त स्थानापन्न सहायक लेखा-
धिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर एक अवकाश जन्य
रिक्त स्थान पर नियुक्त किया है।

यू० वासुदेवा राव
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी।

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 27 मई 1980

सं० प ख प्र० 8 (6)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के
परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज
प्रभाग के हिन्दी अनुवादक श्री सोमनाथ सच्चदेव को उसी प्रभाग में
श्री मुकुन्द सिंह, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें छुट्टी
प्रदान की गई है, के स्थान पर 12-5-1980 के पूर्वार्द्ध
से लेकर 13-6-1980 तक पूर्णतया अस्थायी तौर पर सहायक
लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी।

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कन्याकम, दिनांक 16 मई 1980

सं० ए० 32023/1/77/आर०/6156—रिएक्टर अनुसंधान
केन्द्र के परियोजना निदेशक ने भाभा परमाणु अनुसंधान
केन्द्र के स्थायी आशुनिपिक और इस केन्द्र के स्थानापन्न
लिपिक ग्रेड III श्री मृत्थ्या कृष्णमूर्ति को एतद्द्वारा
12-5-80 से 13-6-80 तक की अवधि के लिए तदर्थ
आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी
2—106 GI/80

नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री आर० नारायणन, सहायक
प्रशासन अधिकारी के स्थान पर की गई है, जो छुट्टी पर
गाए हैं।

एस० पद्मनाभन,
प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

शार केन्द्र

श्रीहरिकोटा-524124 दिनांक 9 मई, 1980

श्रीहरिकोटा सामान्य सुविधाएं/कार्मिक और सामान्य प्रशासन/
स्थापना / 1.72—अन्तरिक्ष विभाग द्वारा जारी की गई
कार्यालय ज्ञापन संख्या 2/2(19)/77-1, तारीख 13 दिसम्बर,
1979 के अनुसार और शार केन्द्र के निम्नांकित सहायक
प्रशासन अधिकारियों के पसंद के जरिए उनके वेतनमान
1 अप्रैल, 1980 से रु० 550-25-750-द०-रो०-30-900 के
बदले रु० 650-740-35-880-द० रो०-40-960/- में रखा
जाता है।

(1) श्री एन० सुन्दरराजन, सहायक प्रशासन अधिकारी।

(2) श्री टी० सी० कुरियन, सहायक प्रशासन अधिकारी।

रा० गोपालरत्नम

प्रधान, कार्मिक और सामान्य
प्रशासन प्रभाग।

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

तिरुवनंतपुरम-695 022, दिनांक 15 मई, 1980

स्थापना अनुभाग

सं० वी० एस० एस० सी०/स्थापना/एफ०/1(17)—नियंत्रक,
वी० एस० एस० सी०, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई
अन्तरिक्ष केन्द्र में श्री ओ० एस० नारायण कुरूप को सहायक
प्रशासन अधिकारी के पद पर रु० 650-30-740-35-880-
द० रो०-40-960 के ग्रेड में 19 अप्रैल 1980 पूर्वार्द्ध से
स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

पी० ए० कुरियन,
प्रशासन अधिकारी-II स्थापना।
कूने नियंत्रक, वी० एस० एस० सी०

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1980

सं० ए० 35018/4/79-ई०-I—प्रतिनियुक्ति की अवधि
समाप्त होते पर श्री पी० आर० लरोइया को अपने मूल
कार्यालय में परावर्तित किए जाने पर, उन्होंने दिनांक 1 मई,
1980 (पूर्वार्द्ध) को नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली के
कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार त्याग दिया
है।

चितरंजन कुमार बत्स
सहायक निदेशक प्रशासन।

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1980

सं० ए०-32014/2/80-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को प्रत्येक के नाम

के सामने दी गई तारीख से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है।—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
सर्वश्री				
1.	पी० जे० वर्गीज	वै० सं० स्टेशन, हैदराबाद	वै० सं० स्टेशन, हैदराबाद	28-4-80 (पूर्वाह्न)
2.	टी० एम० जी० मैनन	—वही—	—वही—	28-4-80 "
3.	सी० माधवन	वै० सं० स्टेशन, राजकोट	वै० सं० स्टेशन, अहमदाबाद	26-4-80 "
4.	एम० डी० कतीरा	वै० सं० स्टेशन बम्बई	वै० सं० स्टेशन, अहमदाबाद	29-4-80 "
5.	टी० एन० राय चौधरी	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	10-4-80 "
6.	एन० एन० डे० सरकार	—वही—	—वही—	11-4-80 "
7.	एम० बागियर	—वही—	—वही—	11-4-80 "
8.	एच० पी० मन्दी	—वही—	—वही—	11-4-80 "
9.	एस० एन० सैन	—वही—	—वही—	14-4-80 "
10.	ए० के० बैमर्जी	वै० सं० स्टेशन, गोहाटी	वै० सं० स्टेशन, गोहाटी	27-4-80 "

दिनांक 24 मई, 1980

सं० 31011/1/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 1-4-80 की अधिसूचना संख्या ए० 31011/1/77-ई० सी० की क्रम संख्या 2 और 16 को प्रतिस्थापित करते हुए निम्न प्रकार से पढ़ा जाए :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1	2	3
2.	श्री वी० के० खंडेलवाल	नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, कलकत्ता एयरपोर्ट दमदम कलकत्ता।

1	2	3
10.	श्री ए० जगदीशन	नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण, हैदराबाद।

सं० ए० 32014/3/79-ई० सी० (पार्ट-III)—इस विभाग की दिनांक 14-5-80 की अधिसूचना सं० ए० 32014/3/79-ई० सी० (पार्ट-III) में क्रम संख्या 9 को प्रतिस्थापित करने हुए निम्न प्रकार से पढ़ा जाए :—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
9.	श्री डी० कृष्णामूर्ति	वै० संचार स्टेशन, बम्बई	वै० संचार स्टेशन, बम्बई	19-4-80 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32014/3/79-ई० सी० (पार्ट-III)—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो तकनीकी सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से, सहायक तकनीकी

अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। और उन्हें उनके नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री एस० के० गुहा	वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता	वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता	16-4-80 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एस० आर० डी० बर्मन	वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता	वै० संचार स्टेशन, कलकत्ता	17-4-80 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32014/2/80-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित दो संचार सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड

में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है :—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री एस० वी० चोपकर	वै० संचार स्टेशन, भोपाल	वै० संचार स्टेशन, अहमदाबाद	30-4-80 (पूर्वाह्न)
2.	श्री एस० डी० सिलवा	वै० संचार स्टेशन, बंगलौर	वै० संचार स्टेशन, हैदराबाद	6-5-80 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 38013/1/80-ई० सी०—वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित दो अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर दिनांक 30-4-80 (अपराह्न) से, अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

रोध पर 5 मार्च, 1980 के अपराह्न को विदेश संचार सेवा से मुक्त कर दिया गया।

पा० कि० गोविन्द नायर,
निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

क्रम सं०	नाम व पदनाम	स्टेशन
1.	श्री आर० के० सचदेव, सहायक तकनीकी अधिकारी।	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली।
2.	श्री ओ० पी० तिवारी, सहायक तकनीकी अधिकारी।	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली।

(इस विभाग की दिनांक 13-5-80 की अधिसूचना सं० ए० 38013/1/80-ई० सी० रह की जाती है।)

आर एन० दास
सहायक निदेशक, प्रशासन।

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक मई, 1980

सं० 2/455/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा देहरादून के तकनीकी सहायक, श्री एस० डी० गर्ग को अल्पकालिक खाली जगह पर 8-5-78 से 1-7-78 तक की अवधि के लिए एकदम तदर्थ आधार पर उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक, 21 मई, 1980

सं० 1/95/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री जे० जी० होनाकाम्बले को 15 फरवरी, 1980 अल्पकालिक के पूर्वाह्न से और आगामी आवेशों तक स्विकन समूह, बम्बई में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

2. अपने मूल विभाग (बम्बई टेलीफोन्स) में लौट जाने पर श्री होनाकाम्बले को उनके स्वयं के लिखित अनु-

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 27 मई, 1980

सं० 16/203/71-स्थापना-I—श्री मनोहर लाल मेहरा, अनुसंधान अधिकारी के दिए गए तीन महीने के नोटिस की अवधि की समाप्ति पर, अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून ने उन्हें दिनांक 8-4-80 के अपराह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छिक निवृत्ति की अनुमति दे दी है।

रविन्द्र नाथ महान्ती,
कुल सचिव,
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलय

इन्दौर, दिनांक 20 मई, 1980

सं० 7/80—संघ लोक सेवा आयोग की अनुशंसा पर उनके प० सं० एफ० 1/12/79/आर० जी० दिनांक 15-9-1979 तथा हमारे स्थापना आदेश सं० 3/80 [प० सं० II (31) 6-गोप/79 दिनांक 19-1-1980] के अनुसार श्री ए० आर० भोम ने दिनांक 21-4-1980 के पूर्वाह्न में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय कार्यालय इन्दौर में अधीक्षक (यांत्रिक अभियांत्रिकी) के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

एस० के० धर
समाहर्ता

निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1980

सं० 11/80—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित किए जाने पर, श्री धरम् गुरनानी को, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा

निदेशालय के (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रुप 'ख' (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने दिनांक 11-4-80 (पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 12/80—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित किए जाने पर, श्री अंजनी कुमार कौशल को, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ग्रुप 'ख' (विशेषज्ञ, खनिज-तेल प्रौद्योगिकी) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने दिनांक 15-4-80 (पूर्वाह्न) से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 13/80—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित किए जाने पर, श्री सत्य प्रकाश पालीवाल को निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, ग्रुप 'ख' (विशेषज्ञ, मैकेनिकल इंजीनियरिंग) के पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने दिनांक 22-4-1980 के (पूर्वाह्न) से अपने पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 14/80—श्री एच० के० रंगास्वामी ने, जो पहले सांख्यिकी एवं आसूचना निदेशालय (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) नई दिल्ली में कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर कार्य कर रहे थे, निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली के दिनांक 20-2-80 के आदेश सी० सं० 1041/41/79 द्वारा स्थानान्तरित होने पर निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के, हैदराबाद स्थित, केन्द्रीय प्रादेशिक यूनिट में दिनांक 1-5-1980 के (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप 'ख' का कार्यभार संभाल लिया।

कृष्ण लाल रेखी,
निरीक्षण निदेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1980

सं० 12/7/74-ई० सी०-9(भाग-2)—राष्ट्रपति, सहर्ष के० लो० नि० वि० के निम्नलिखित अधिकारियों की वरिष्ठ वास्तु विदों के ग्रेड में उनके नामों के आगे लिखित तिथियों से तत्काल पुष्टिकरण करते हैं—

1. श्री ए० ए० घारे, . . . 20-3-1976

2. श्री एम० के० ऋषि . . . 13-6-1976
3. श्री जोगिन्द्र बहादुर . . . 1-11-1976

सं० 33/11/78-ई० सी०-9—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री सतपाल को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रुपए 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में रुपए 700/- प्रतिमाह वेतन (तथा सामान्य भत्ते) पर सामान्य शर्तों पर 29-4-80 (पूर्वाह्न) से उपवास्तुविद् के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए) नियुक्त करते हैं। उनका वेतन शीघ्र ही नियमानुसार निर्धारित किया जाएगा।

2. श्री सतपाल 29-4-80 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की अवधि के लिए परीबीआ पर रखे जाते हैं।

के० ए० अनंथनारायणन्,
प्रशासन उपनिदेशक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

मैसर्स प्रिंटर्स कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत नोटिस।

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1980

क्र० सं० 5371—4739—माननीय उच्च न्यायालय दिल्ली के दिनांक 27-4-1978 के आदेश से मैसर्स प्रिंटर्स कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्त होना, आदेशित हुआ है।

सु० पा० वशिष्ठ,
सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार,
दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और "ए० के० वी० चिट फंड एण्ड फैनान्स प्राइवेट लिमिटेड" के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 29 अप्रैल 1980

सं० 85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि "ए० के० वी० चिट फंड एण्ड फैनान्स प्राइवेट लिमिटेड" का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
पांडिचेरी

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चनतेरा
योलकठिरिक एण्ड योनजिनरि कम्पनी प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 24 मई 1980

सं० 1097/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर चनतेरा योलकठिरिक एण्ड योनजिनरि कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पानटवपूरा
चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 24 मई 1980

सं० 2815/560/80—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पानटवपूरा चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ईकान्न होटल
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 24 मई 1980

सं० (1210) 560/80-81/1862—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ईकान्न होटल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० के० चटर्जी,
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स ब्राम्बेर
होटल्स एण्ड रेस्टोरेन्ट प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में

जयपुर, दिनांक 22 मई 1980

सं० सांख्यिकी/1493—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स ब्राम्बेर होटल्स एण्ड रेस्टोरेन्ट प्राइवेट लिमिटेड का

नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी०सी० गुप्ता,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स दी
पायोनियर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 26 मई 1980

सं० 994/याधव/2144—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अन्तर्गत, एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि मैसर्स दी पायोनियर कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, रायगढ़ का नाम इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक तीन माह के अन्दर यदि उसके विरुद्ध कोई कारण न दर्शाया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कथित कम्पनी समाप्त हो जायेगी।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना,
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक, 23 अप्रैल 1980

आयकर

फा० सं० जुरि-दिल्ली/1/80-81/3279—इस विषय पर पहले जारी किए गए समस्त आदेशों का अधीक्षण करते हुए तथा आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वां) की धारा 124 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली निदेश देते हैं कि नीचे दी गई अनुसूची के कालम-2 में निर्दिष्ट आयकर अधिकारी उसी अनुसूची के कालम-3 में उल्लिखित व्यक्तियों या व्यक्तियों के वर्गों, आय या आय के वर्गों, मामलों या मामलों के वर्गों के बारे में अपने कार्य करेंगे। किन्तु इनमें उन व्यक्तियों के मामले शामिल नहीं होंगे जो आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत किसी अन्य आयकर अधिकारी को सौंपे गए हों या इसके बाद सौंपे जाएं।

यह अधिसूचना 1-5-80 से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम सं०	आयकर अधिकारी का पद नाम	अधिकार-क्षेत्र
1	2	3
1.	आयकर अधिकारी, सभी विश्वविद्यालयों तथा शिक्षा-प्राइवेट सेलरी सकिन्, दिल्ली	संस्थाओं के सभी भारतीय कर्मचारी किन्तु इनमें दिल्ली नगर निगम और

1	2	3	1	2	3
		नई दिल्ली नगरपालिका द्वारा चलाई जा रही शिक्षा संस्थाओं के कर्मचारी शामिल नहीं होंगे। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले।		सर्किल-4 नई दिल्ली	“सी” और “डी” अक्षर से आरम्भ होते हों, के सभी भारतीय कर्मचारी। आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले।
2. आयकर अधिकारी, प्राइवेट सेलरी सर्किल-1, नई दिल्ली	निम्नलिखित नियोक्ताओं के सभी भारतीय कर्मचारी :— 1. एयर कॉर्पोरेशन तथा एयर कंपनियां। 2. संयुक्त राष्ट्र तथा सहायक एजेंसियां विदेश डिप्लोमेटिक मिशन वाणिज्यदूत तथा व्यापार आयुक्त तथा विदेशी सरकार और संस्थाओं के अन्य सभी कर्मचारी। 3. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान। 4. लैडी हार्डिंग मेडिकल कालिज तथा सुचेता कृपलानी अस्पताल। 5. सरकारी अस्पतालों को छोड़कर अन्य सभी अस्पताल आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके पश्चात् सौंपे जाने वाले सभी मामले।		6. आयकर अधिकारी, प्राइवेट सेलरी सर्किल-5, नई दिल्ली	निम्नलिखित को छोड़कर, भारत सरकार के उपक्रमों स्वायत्त निकायों के सभी भारतीय कर्मचारी :— 1. इजीनियर्स इण्डिया लिमिटेड 2. भारतीय जीवन बीमा निगम 3. भारतीय खाद्य निगम 4. भारतीय पर्यटन विकास निगम 5. दिल्ली परिवहन निगम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले।	
3. आयकर अधिकारी, प्राइवेट सेलरी सर्किल-2 नई दिल्ली	निम्नलिखित संस्थाओं के सभी भारतीय कर्मचारी :— 1. भारतीय रिजर्व बैंक। 2. भारतीय स्टेट बैंक तथा इसके सहायक बैंकों को छोड़कर अन्य भारतीय तथा विदेशी सभी बैंक आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले।		7. आयकर अधिकारी प्राइवेट सेलरी सर्किल-6 नई दिल्ली	निम्नलिखित नियोक्ताओं के सभी भारतीय कर्मचारी :— 1. सभी तेल कंपनियों और निगम 2. हिन्दुस्तान लीयर्स लिमिटेड 3. प्रकाशित होने वाले संबंधित अखबारों, जर्नलों तथा मगजीनों के कर्मचारी। 4. समाचार एजेंसियों (भारतीय तथा विदेशी दोनों) के कर्मचारी। 5. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग 6. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद। 7. गैर-सरकारी नियोक्ताओं, जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के “एल” तथा “एम” अक्षर से आरम्भ होते हों, के सभी कर्मचारी। आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले।	
4. आयकर अधिकारी, प्राइवेट सेलरी सर्किल-3, नई दिल्ली	गैर-सरकारी नियोक्ताओं, जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के “पी से जेड” तक (दोनों को शामिल करके) से आरम्भ होते हों, के सभी भारतीय कर्मचारी। आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले।		8. आयकर अधिकारी प्राइवेट सेलरी सर्किल-7 नई दिल्ली	निम्नलिखित नियोक्ताओं के सभी भारतीय कर्मचारी :— 1. दिल्ली क्लाय एण्ड जनरल मिल्स ग्रुप। 2. भारतीय जीवन बीमा निगम 3. भारतीय पर्यटन विकास निगम 4. गैर-सरकारी नियोक्ताओं जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के “इ” एफ” तथा “जी” अक्षर से आरम्भ होते हों, के सभी कर्मचारी आयकर अधिनियम 1961 की धारा 127	
5. आयकर अधिकारी, प्राइवेट सेलरी	गैर-सरकारी नियोक्ताओं, जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के “ए” “बी”				

1	2	3	1	2	3
		के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले ।			
9. आयकर अधिकारी, प्राइवेट सेलरी सर्फिस-8 नई दिल्ली	निम्नलिखित नियोक्ताओं के सभी भारतीय कर्मचारी :—	<ol style="list-style-type: none"> 1. दिल्ली नगर निगम 2. नई दिल्ली नगर पालिका 3. दिल्ली नगर निगम तथा नई दिल्ली नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे सभी स्कूल, अस्पताल तथा अन्य संस्थाएं । 4. दिल्ली विद्युत् प्रदाय संस्थान 5. दिल्ली परिवहन निगम 6. एस्कार्ट्स लिमिटेड 	सर्फिस-10 नई दिल्ली	नई	“जे” तथा “के” अक्षर से आरंभ होते हों, केरा भी भारतीय कर्मचारी । भारतीय स्टेट बैंक तथा इसके सहायक बैंक ।
	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले ।				आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले ।
10. आयकर अधिकारी प्राइवेट सेलरी सर्फिस-9 नई दिल्ली	दिल्ली में सभी नियोक्ताओं के सभी विदेशी कर्मचारी :—	आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले ।	12. आयकर अधिकारी प्राइवेट सेलरी सर्फिस-11 नई दिल्ली	नई	गैर-सरकारी नियोक्ताओं, जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के “एन” तथा “ओ” अक्षर से आरंभ होते हों, के सभी भारतीय कर्मचारी
	निम्नलिखित के सभी भारतीय कर्मचारी :—				निम्नलिखित के सभी भारतीय कर्मचारी :—
					<ol style="list-style-type: none"> 1. इंजिनियर्स इण्डिया लिमिटेड 2. भारतीय खाद्य निगम 3. दिल्ली विकास प्राधिकरण
11. आयकर अधिकारी प्राइवेट सेलरी	गैर-सरकारी नियोक्ताओं, जिनके नाम अंग्रेजी की वर्णमाला के “एच” “आई”				आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 127 के अन्तर्गत सौंपे गए या इसके बाद सौंपे जाने वाले सभी मामले ।

एम० डब्ल्यू० ए० खान,
आयकर आयुक्त, दिल्ली-1, नई दिल्ली

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०III/एम० आर०-II/

9-79/2839--अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिगकी सं जे०-5/101बी है तथा जो राजौरी गार्डन नई देहली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री नर्स अधिनियम के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमति गुनावती विधवा दीना नाथ खुरु निवासी जे०-5/101-बी राजौरी गार्डन नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्रीमति जनक रामी सुर धर्म पति श्री प्रेम नाथ सुरी और श्री अश्वनी सुरी पुत्र श्री प्रेम नाथ सुरी निवासी 16/103 गली नं० 4 जोशी रोड करोल बाग नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विवाद जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 70-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनभूतो

मकान नं० जे०-5/101-बी, राजौरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 160 वर्ग गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

दिनांक 26 मई, 1980

मोहर:

प्राकृत आर्द्ध टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आर्द्ध ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II/9-79/2826—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 41 बीघा, 6 बिस्वा है तथा जो ग्राम हमीरपुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3-106 GI/80

1. श्री श्याम दास पुत्र श्री धीरुराम निवासी-8808 मिट्टिपुरा दिल्ली और जनरल अटोरीनी श्री प्रसोत्तम दास पुत्र श्री हीरा नन्द (अन्तरक)

2. श्री दया नन्द (2) धर्मपाल (3) श्री कृष्ण, पुत्र श्री सुबोसिंह निवासी डब्ल्यू० जेड-37 नांगलोई जलाशय, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 41 बीघा 6 बिस्वा जो कि खमरा नं 9/15, 9/16, 9/20, 9/21, 9/22 गांव हमीरपुरा दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 26-5-80

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II/9-79/2831---अतः मुझे आर बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सख्या 37 बीघा, 6 विश्वा कृषि योग्य भूमि हमीदपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनु-सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1808 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री ग्राम दास, पुत्र श्री धौलू राम निवासी-8808, मिथिपुरा दिल्ली और जनरल अटारनी श्री प्रोमोत्तम दास पुत्र श्री हीरा नन्द । (अन्तरक)

2 श्रीमति भगवानी देवी विधवा श्री सुबीमिह निवासी उम्मेद-जैड-37 नागलोई जलावा, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयाय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 37 बीघा 6 विश्वा जो कि खमरा नं० 29/11, 39/20, 29/21, गांव हमीदपुरा दिल्ली में स्थित ।

आर बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

तारीख : 26-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-1/9-79/5751—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिनकी सं० 5215, 6216, 5267 और 5240 प्लॉट नं० 12 ब्लाक एन वार्ड नं० XII कमला नगर दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिरव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम किशन दास, पुत्र लाला कांशी राम निवासी-5216 कोल्हापुर रोड कमला नगर दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री सुमती प्रकाश जैन पुत्र श्री पैरी लाल जैन निवासी 89 जैन कालोनी ध्वीर नगर) जी टी० रोड दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदादा नं० 5515, 6216, 5217 और 5240 प्लॉट नं० 12, ब्लाक एन वार्ड नं० XII कमला नगर दिल्ली में स्थित है जिनका क्षेत्रफल 216 वर्ग गज है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तारीख : 26 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एम० आर०-I/
9-79/5810—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० डब्ल्यू जेड 3 है तथा जो अशोका पार्क एक्सटेंशन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित किया है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. श्री करतार चन्द शर्मा, पुत्र श्री हरनाम दास शर्मा और श्रीमति लीपति कुमारी शर्मा, धर्म पत्नि श्री करतार चन्द शर्मा निवासी डब्ल्यू जेड-3, अशोका पार्क एक्सटेंशन नई दिल्ली । (अन्तरक)

2. श्री आनन्दपुर ट्रस्ट, श्री आनन्दपुर तहसील अशोक नगर जिला गौना मध्य प्रदेश । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० डब्ल्यू जेड-3, अशोका पार्क स्टेशन, इलाके के ग्राम बसई धारापुर दिल्ली में स्थित है ।

आर बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II नई दिल्ली ।

तारीख : 26 मई, 1980 ।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-1/9-79/5776—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जमकी सं० जी/50 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपात्त:—

1. श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री प्रेम सिंह निवासी, एच/31, बाली नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमति गुरमीत गुलाटी धर्म पत्नी श्री एन० एस० गुलाटी निवासी-8/30, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसका प्लॉट नं० जी/50, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज बाली नगर इलाके के भिलेज बमई धारापुर दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

तारीख 26 मई, 1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एम० आर०-1/
9-79/5799—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या ए-2/80 है, तथा जो राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन मितम्बर 1979।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लाजवती देवी, विधवा श्री भगतराम बम्बा
ए-2/80 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री इन्द्रजीत ओवराई और मरीता ओवराई 17/1
एव 17/2 मुभाषनगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संख्या नं० ए०-2/80 राजौरी गार्डन नई दिल्ली
में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली।

तारीख 26-5-1980।
मोहर :

प्रस्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एम० आर०-II/
9-79/2818—प्रतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
दुकान जो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या डबल्यू० जेड-214 (एफ-71) है
तथा जो शिव नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप में वर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन मितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के निम्न प्रतिफल को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी बन् या अन्य धास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

I, वेद दत्त विधुवा, श्री प्रसाद भगत दत्त निवासी
21, अमर आलोनी, नई दिल्ली (अन्तरक)
2, प्रमवीर कोर मचदेवा धर्म पत्नीश्री उपदीशासिंह सचदेवा
जे-II 124, रजोरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 60 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० डबल्यू० जेड-214 (एफ 71) शिव नगर
नई दिल्ली ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 26-5-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/ए० आर०-I/9-79/5758—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या XII/8068 है तथा जो मोहल्ला खरीयान रोशन आरा रोड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1 श्री एम० आर० कोहली XII/8068 मोहल्ला खरीयान रोशन आरा रोड, दिल्ली। (अन्तरक)

2 श्रीमति किशन कुमार एंड श्रीमति नीलावती डी-13 सी०सी० कालीनी, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० XII/8068 मोहल्ला खरीयान रोशन आरा रोड दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 26-5-1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एम० आर०-II/9-79/2824—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या 3 बीघा है तथा जो खसरा नं० 83/10 गांव पालम नई दिल्ली 45 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मिनम्बर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-106 GI/80

1, बिमल बायला नर्मपत्नी श्री एम एल बाबला
1 कृ जे-33 माउथ एंक्लमेटेशन पार्ट नं० 1 नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री एच० सरकार पुत्र श्री विपन बिहारी सरकार
(2) श्री मन्दीप दत्ता श्री बी० के० दत्ता (3) श्री ए० के० चकरावती पुत्र श्री अनुकूल चंद्रा चकरावती (4) श्रीमति चंद्रागोस्वामी पति श्री पी० के० गोस्वामी (5) श्रीमति सनता राय पति श्री रोबिन चंद्रा राय (6) श्री मनिका विश्वास पति श्री एम० के० विश्वास (7) श्री मलीय मार सरकार पुत्र श्री एच० सरकार (7) श्रीमति प्रीति मंडन पति श्री एम० पी० मंडन (9) श्री अशोक माजी और (10) श्री निरमलाया माजी दो पुत्र एम माजी (11) श्री नरेश चंद्रा ठाकुरता स्वर्गीय श्री अरुण चंद्रा ठाकुरता (12) श्रीमति परीतमा माजी धर्मपति श्री एच० मो० माजी निवास सैक्टर 4/597, आर० के० पुरम नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 बीघा खसरा नं० 83/10 गांव पालम, नई दिल्ली में स्थित है।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

तारीख 26-5-1980।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 80-81/
1552—अतः, मुझे, विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो बालाघाट
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बालाघाट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 28-9-1979.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय कीबाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
छपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोवर्धन दास पुत्र श्री छगन मल चितरका
(अग्रवाल) निवासी वार्ड नं० 19, बाला घाट। (अन्तरक)
2. श्री हरी राम पुत्र श्री गेही मल बाधवानी, निवासी
वार्ड नं० 7, बालाघाट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट पर स्थित मकान का भाग, खसरा नं० 351/10-बी
का भाग, वार्ड नं० 19 स्टेशन रोड, बालाघाट।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

तारीख : 7-5-1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं आई० ऐ० सी०/एक्सी०/भोपाल-80-81/
1553—अतः मुझे, विजय माथुर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो बालाघाट में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बालाघाट
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 27 सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
निम्नलिखित रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ग) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गोवर्धन दास पुत्र श्री छगनलाल चिरतका
(अग्रवाल) निवासी वार्ड नं० 19, बालाघाट (अन्तरक)
2. श्री कन्हैया लाल पुत्र श्री गेहीमल बाधवानी निवासी
वार्ड नं० 7, बालाघाट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त अन्तरि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट पर स्थित मकान का भाग खसरा नं० 351/10
की का भाग वार्ड नं० 19, स्टेशन रोड, बालाघाट।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख: 7-5-1980
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 80-81/1554—

अतः, मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खुली भूमि है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-12-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोगन्दर सिंह व श्री तिलोत्तन सिंह चावला, द्वारा मैसर्स पापूलर इंडस्ट्रीज, छोला रोड, भोपाल। (अन्तरक)

2. (1) श्री ओम प्रकाश सिंहल (2) श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल (3) श्री राकेश कुमार सिंह सभी पुत्र श्री सांवल दास जी सिंहल (4) श्रीमति रम्भा देवी परनी स्व० श्री सांवल दास जी सिंहल सभी निवासी 59, लखेरा पुरा, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रबोद्धकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 23,436 वर्गफुट स्थित चिकलोद रोड, जिन्सी, जहांगीराबाद, भोपाल।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 7-5-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एकवी०/भोपाल 80—81/
1555—अतः, मुझे, विजय माधुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सज्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 12-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती राम किशोरी टंडन पत्नि स्व० श्री गौरी-
शंकर टंडन पड़ाव, लक्ष्मण पुरा ग्वालियर वर्तमान निवासी
24/6 तिलसा कोठी, माल रोड, कानपुर (2) सुशीला देवी
महरोत्रा पत्नि श्री जगत नारायण जी महरोत्रा, निवासी
107/234, नेहरू नगर, कानपुर । (अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मण दास अग्रवाल पुत्र श्री फूलचन्द अग्रवाल,
निवासी शितील साहब का बाड़ा, जयेंद्र गंज, लखर, ग्वालियर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्घातकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 16/816 पड़ाव लक्ष्मणपुरा, ग्वालियर ।

विजय माधुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II भोपाल

तारीख : 7-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्वी०/भोपाल 80—81/

1556—अतः मुझे विजय माथुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औरपूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-7-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री प्रकाश चन्द (2) श्री विमल चन्द्र व (3) श्री सुभाष चन्द्र सभी निवासी, देवास रोड, उज्जैन (अन्तरक)

2. श्री गोरधन दास व श्री कमलकिशोर द्वारा मेसर्स अजवासी एंड को० देवास गट, उज्जैन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवगोहस्ताक्षरी के पास लिखित नें किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 79/1, यूनिवर्सिटी रोड, उज्जैन।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज भोपाल,

तारीख 7-5-1980।
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/80-81/1557—

अतः, मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन नग्न प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-9-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

1 श्रीमती जसवंत कौर, पति श्री जसवंत सिंह निवासी नमक मण्डी, उज्जैन ।

(अन्तरक)

2 (1) श्री मोह० हुसैन पुत्र श्री कीका भाई
(2) इनायत हुसैन
(3) मोहासेन अली
(4) जकीउद्दीन
(5) सफदर हुसैन

सभी पुत्र श्री मोह० हुसैन भाई,
निवासी खारा कुंआ, बहादुर पुरा, बाखल,
उज्जैन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मनाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-पक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोषितकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

बराबरीकरण — हमें प्रयुक्त पक्षों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 1/173 का भाग स्थित इन्दौर देवास दूध तलाई, स्टेशन रोड, उज्जैन ।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7 मई, 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81/1558—

अतः, मुझे, विजय माथुर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उज्जैन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जसवंत कौर पत्नि श्री जगवंत सिंह निवासी नमक मण्डो, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्री अनी हुसैन पुत्र श्री हाजी हुसैन भाई निवासी मोहल्ला खारा कुंआ, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोद्देशावहारी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/173, का भाग हंदीर, देवाम, दूध तलाई, स्टेशन रोड, उज्जैन।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7 मई, 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 80-81/1559—

अतः, मुझे, विजय माथुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो बुरहानपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-11-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से स्थित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी क्षाय या किसी क्षय या क्षय आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
क्षय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अर्थों पर आती :—

5-106GI/80

सर्व श्री :

1. (1) बाल कृष्ण राव शंकर राव
(2) प्रदीप कुमार बाल कृष्ण राव
(3) प्रकाश बाल कृष्ण राव
सभी निवासी मकान नं० 145, बार्ड नं० 6,
शाह बाजार, बुरहानपुर ।

(अन्तरक)

2. (1) खेम चन्द पुत्र श्री बुली चन्द भगत व
(2) श्री नरेन्द्र कुमार (अवयस्क) पुत्र श्री बुलीचन्द
निवासी मकान नं० 1, बार्ड नं० 4, प्रतापपुरा,
बुरहानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 145, बार्ड नं० 6, शाह बाजार, बुरहानपुर ।

विजय माथुर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-5-1980

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/80-81/1560—

अतः, मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-10-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

सर्वश्री :

- 1 (1) श्याम लाल पुत्र जगलमल
 - (2) हुकमचन्द पुत्र श्री कीमत मल
 - (3) कीमत मल व
 - (4) श्रीमती मैना बाई परिन श्री जगलमल
- सभी निवासी 141/2, बैराठी कालोनी, नं० 2, इन्दौर ।

(अन्तरक)

- 2 श्री विल नागराय, पुत्र श्री प्रीतम लाल
- निवासी 3 ए, आदर्श नगर, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3 ए, का भाग स्थित आदर्श नगर, इन्दौर ।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 13 मई, 1980
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/80-81/1561—

अतः, मुझे, सतीश चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-11-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावतः—

सर्वश्री :

1. (1) श्यामलाल पुत्र श्री जगलमल
(2) कीमत मल पुत्र श्री हजारी मल
(3) हुकुम चन्द पुत्र श्री श्री कीमत मल व
(4) श्रीमती मैना बाई पत्नि श्री जगलमल
सभी निवासी 141/2, बैराठी कालोनी, नं० 2, इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र श्री प्रीतमलाल जी
निवासी 3-ए, आदर्श नगर, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोद्देशाशरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों छ, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3ए, का भाग स्थित आदर्श नगर, इन्दौर ।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13 मई 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी० भोपाल/80-81/1562—

अतः मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्र अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री हर्न प्राधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (प्रकारों) और प्रसारित (प्रसारितियों) के बीच ऐव प्रसारण के लिए तब तक प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

सर्वश्री :

1. (1) श्याम लाल पुत्र श्री जगलमल
 - (2) कीमत मल पुत्र श्री हजारी मल
 - (3) हुकुम चन्द पुत्र श्री कीमत मल व
 - (4) श्रीमती मैना बाई पत्नि श्री जगल मल
- सभी निवासी 141/2, बैराठी कालोनी, नं० 2 इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री सोमनाथ पुत्र श्री प्रीतमल जी,
- निवासी 3-ए, आदर्श नगर, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3ए, का भाग स्थित आदर्श नगर, इन्दौर ।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख 13 मई, 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980 .

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/80 भोपाल-81/1652—

अतः मुझे सतीश चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मयान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-10-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

सर्वश्री :

1. (1) श्याम लाल पुत्र श्री जगल मल
(2) कीमत मल पुत्र श्री हजारी मल
(3) हुकम चन्द पुत्र श्री कीमत मल व
(4) श्रीमती मैना बाई, पत्नि श्री जगलमल
सभी निवासी 141/2, बैराठी कालोनी, नं० 2,
इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री जय किशन पुत्र श्री प्रीतमलाल
निवासी 3ए, आदर्श नगर, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3ए, का भाग स्थित आदर्श नगर, इन्दौर ।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13 मई 1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफवी०/भोपाल 80-81/1564—

अतः, मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो सागर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-11-1979 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री शम्भू प्रसाद व
(2) श्री विश्वनाथ दोनों पुत्र श्री परमानन्द पटेलिया निवासी कटहरा बाजार, सागर ।

(अन्तरक)

2. श्री हुकम चन्द पुत्र श्री मगनमल सिन्धी निवासी सिविल लाइन, सागर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 83 का भाग स्थित मैन रोड, कटहरा बाजार, सागर ।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13 मई 1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 80-81/1565

—प्रतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रश्न मञ्जम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-10-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मान कुंवर बाई पति श्री राम निवास जी भाया निवासी 2/5, एम० जी० रोड, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीचन्द पुत्र श्री नारायण दास निवासी 161, पालसी कट, कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूतल की छुकान क्रमांक 1 म्युनिसिपल मकान नं० 2/5, एम० जी० रोड, (कोठारी बाजार के पास), इन्दौर।

सतीश चन्द्र
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 13 मई, 1980
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए०बी०भोपाल/80-81/
1566—अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग है, तथा जो जबलपुर में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-10-79 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. डा० जयश्री चौबे, पुत्री श्री महेश चन्द्र चौबे,
निवासी गोल बाजार, जबलपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुधा चौबे पति श्री राजीव रतन चौबे
निवासी गोल बाजार, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला बिल्डिंग कारपोरेशन नं० 287, 287/1 से
287/3 स्थित विक्टोरिया रोड, साउथ सिविल लाइन्स,
जबलपुर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13 मई, 1980

सोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/80-81/1567—यतः
मुझे सतीश चन्द्र

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बजने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

106GJ/80

संबन्धी :

1. (1) महादेव पुत्र श्री बैजू लाल व
(2) श्री सत्यनारायण पुत्र श्री महादेव
निवासी 46, बाम्बे बाजार, मूड़ा
(अन्तरक)
2. (1) श्री बाबूलाल पुत्र श्री मुरलीधर
(2) श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री बाबूलाल
(3) श्री राधे प्रियाम पुत्र श्री बाबूलाल
सभी निवासी 62, मौलाना आजाद मार्ग,
(लोहार पथ), इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घोषितकारी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मीन मंजिला मकान, विद्यार्थि नं० 42, मौलाना आजाद मार्ग
इन्दौर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 13 मई 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/80-81/1568—यतः
मझे सतीश चन्द्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-9-1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अश्वरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैमर्स विवेकानन्द गृह निर्माण सहकारी संस्थ
मर्यादित । 3, नन्दन व कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

2. प्रदीप कुमार, कृष्ण राव हवलदार,
द्वारा बैंक आफ इंडिया, गौतमपुरा ब्रांच, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान बियरिंग नं० 41, नन्दन वन, कालोनी,
इन्दौर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 13 मई 1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/80-81/1570—

अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-9-79

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. प्रियाम सुन्दर पुत्र श्री किशन लाल गोयल
निवासी 13, नार्थ हाथी पाला, इन्दौर।

(अन्तरक)

2 (1) श्रीमती नर्वदा बाई पति श्री किशोरी लाल गोयल
(2) श्रीमती सावित्री बाई पति श्री बनवारी लाल व
(3) श्रीमती कुसुमलता, पति श्री धन्ना लाल गोयल
सभी निवासी 49, जानकीनगर, कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 36, स्थित स्नेह नगर, इन्दौर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13 मई, 1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्यू०/भोपाल/80-81-/1570—

अतः मुझे, सतीश चन्द्र.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-घ के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धस्तर्तित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और धस्तर्क (धस्तर्कों) और अन्तरिती (धस्तर्तियों) के बीच ऐसे धस्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धस्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) धस्तर्ण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धस्तर्क के बाविल्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किंवा जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. श्री भगवान काम पुत्र श्री गोकुल जी नागर
निवासी बाम्बे, आगरा रोड, पलासिया, इन्दौर।
(अन्तरक)
2. श्री सुरेश कुमार व श्री नरेन्द्र कुमार दोनों पुत्र श्री
किशन दास अग्रवाल, निवासी 3, हनुमन्त चन्द मार्ग,
इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाओप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला दिन ग्रीड, मकान स्थित 19-20/2, ग्रहिल्या
पुरा, इन्दौर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 13 मई, 1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 14 मई, 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एकवी०/भोपाल-80-81/

1571--अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० गोदाम है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाहाद अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या घट्ट घास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 श्री भारती पब्लिकेशन लि० द्वारा डायरेक्टर श्री निखिलेश पुत्र श्री सुरेन्द्र नाथ शास्त्री 151/10 ईमली बाजार, पीरगली, इन्दौर। (अन्तरक)

2 श्री प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री छोटेलाल पोखरना निवासी 19, बड़ा सराफा, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला गोदाम नं० 151/11 स्थित ईमली बाजार, पीरगली, इन्दौर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपालतारीख: 14-5-1980
मोहर :

प्रकप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ऐ० सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81/
1572—अतः मुझे, सतीश चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 13-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 डा० राम कृष्ण पुत्र श्री शंकर लाल शुक्ला निवासी
ग्राम पथराड खुर्द तह० महेश्वर जिला खगान। (अन्तरक)

2 श्रीमती सुमित्रा कौर पत्नी श्री वरान सिंह सलूजा
निवासी ग्राम मानपुर तह० महु। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति में पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 47, बिहनुपुरी, कालोनी,
इन्दौर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई, 1980

निदेश सं० आहै० ए० सी०/एक्वि०/भोपाल/80-81/

1573—अतः मझे, सतीश चड्ढा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती अमृत कोर पति गुरश्रवन सिंह निवासी 46/4, नयापुरा, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती रुकमनी वाई पति श्री मदन लाल सिंहल, 436, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3 स्थित रामनाथ गली नम्बर 2, इन्दौर।

सतीश चड्ढा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई, 1980

निदेश सं० आई० ऐ० सी०/एक्सी०/भोपाल/80-81/

1574—अतः मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो मीरार, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर, 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 वि रोमन कैथोलिक द्वारा डायरेक्टर आफ आर० जी० ई० केनेट निवासी भगवान कालोनी, ठातीपुर, मुरार। (अन्तरक)

2 श्री सोवन सिंह पुत्र श्री उजागर सिंह निवासी ग्राम भाई जिला आगर (वर्तमान निवासी भगवान कालोनी, ठातीपुर, मुरार)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान स्थित भगवान कालोनी, ठातीपुर, मुरार, ग्वालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० आई० ऐ० सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81/1575—अतः मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-9-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

7-106GI/80

1 श्रीमती कपूरी देवी पत्नी स्व० श्री नारायण प्रसाद सिंहल निवासी हींग की मण्डी, आगरा। (अन्तरक)

2 श्री रमेश चन्द्र व श्री विश्वू कुमार दोनों पुत्र श्री जमुनादास रेनवाल, निवासी सराफा बाजार, लम्कर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान स्थित 7, तानसेन रोड, (गौसपुरा), ग्वालियर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 14-5-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफि०/ भोपाल/80-81/1576—अतः मुझे, सतीश चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन वशम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो लखर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स्थालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन, तारीख 28-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री शरद राव पुत्र श्री भास्कर राव मुन्शी राजा निवासी चावडी बाजार, लखर। (अन्तरक)

2 श्री मोम प्रकाश पुत्र श्री श्यामा लाल कुकरेजा, पिछाड़ी देवडी, लखर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

दो मंजिले मकान का भाग स्थित 693/9, चावडी बाजार, लखर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-5-1980
मोहर।

प्रत्यक्ष आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एच०/भोपाल/80-81/

1577—अतः नृप, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो लखनऊ में स्थित है
(और इससे उपाययुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 28-9-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
जसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1 श्री अरुण रव पुत्र श्री भास्कर राव मुन्शीराजा
1-निवासी चावड़ी बाजार लखनऊ। (अन्तरिती)

2 श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री प्रियम लाल कुबेरजा
निवासी पिछाड़ी देवड़ी, लखनऊ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे,

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजिले मकान का भाग स्थित 639/6, चावड़ी
बाजार, लखनऊ।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-5-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एउ०—

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के प्रयोजन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/80-81/
1578—अतः, मुक्त, सतीश चन्द्र,
मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो खालियर में स्थित
है (और हमने उसका अनुपूर्वों में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय, खालियर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-9-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए नष्ट पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित
उद्देश्य के अन्तर्गत् लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मे, मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री शरद राव पुत्र श्री भास्कर राव मुन्शी राजा
विनायक देवड़ी बजार, लखनऊ। (अन्तरक)

2. श्री प्रमोद कुमार पुत्र श्री राम लाल कुहरेजा
विनायक देवड़ी बजार, लखनऊ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विपक्ष किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखती के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित है वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुखी

मकान न० 693/6 का भाग स्थित चवड़ी बाजार,
लखनऊ।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-5-1980
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० रे० सी०/एक्स०/भोपाल/80-81/1579—अतः, मुझे, सतीश चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो लखनऊ में स्थित है (और इससे उगावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय, खालियर में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरांतयो) के बीच एक अन्तरण के लिए, यह तय पाया गया प्रतिफल निर्माणांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निर्माणांकित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री ब्रज राम सिंह हुगन हू अफिस इन्चार्ज बसंत विहार गृह निर्माण सहकारी संस्था भवविस्तार, खालियर। (अन्तरक)

2. श्रीमती विमला देवी जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त पन्ध्र के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के पन्ध्र में कोई भी छाने :-

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समव्ययी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जो अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबंद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्देश्यकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 15 बी, स्थित सिन्धिया कन्या विद्यालय, लखनऊ।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, भोपाल

तारीख : 14-5-1980

मोहर :

प्रथम भाग टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन, रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एलिव०/भोपाल/80-81/1580—प्रतः मुझे, सतीश चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिनको सं० प्लॉट है, तथा जो लक्कर में स्थित है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किन्ती भाग को बाबा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

1. श्री ब. व. र. म. सिंह कुशवाह आफिस इन्चार्ज, वसंत विहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, ग्वालियर। (अन्तरक)

2. श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री महावीर प्रसाद गुप्ता निवासी नया बाजार, लक्कर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करावा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहकतापक्षी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में व्यापारिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 3997 वर्गफुट स्थित सिन्धिया कम्पा विद्यालय, लक्कर।

सतीश चन्द्र
सशम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 14-5-1980

मोहोर:

प्रकाश भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सचिव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मार्जिन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एच०/भोपाल/80-81-1581—प्रतः, मुझे, सतीश चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो लखनऊ में स्थित है (और इससे उपायय प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के निरूपण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच देव अन्तरण के निरूपण का प्रतिकर निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत :-

1. श्री बाबू राम सिंह कुशवाह आफिस इन्चार्ज बसन्त विहार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, ग्वालियर। (अन्तरक)

2. श्री राम कुमार पुत्र श्री महावीर प्रसाद गुप्ता निवासी नमन बाजार, लखनऊ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के निरूपण को जारी रखने के लिए कहता हूँ।

उक्त उपायय के धर्जन के उद्देश्य में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के दृश्यमान प्रतिफल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथापूर्वोक्त के फायदे लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्तरण :- इसमें अन्तरण और पत्रों का, अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्पण होगा जो उस प्रमाण में किया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3897 बंगकूट स्थित सिन्धिया बम्पा विद्यालय, लखनऊ

सतीश चन्द्र
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मार्जिन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-5-1980
महेश्वर :

प्रकट आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के प्रथम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई. ई. सी. /एच.टी./भोपाल 80-81/1582

—धतः मुझे, सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रथम तत्त्व प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो लखर खालियर में स्थित है और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-9-1979

की पूर्वी: उपाखण्ड के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिम का न है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, उसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अर्थ से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के प्रथम कर देने के अन्तर्गत के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स शम्भू गृह निर्माण सहकारी संस्था, लखर।

(अन्तरक)

(2) श्री केवल राम पुत्र श्री खेमचन्द सिन्धी निवासी लखर कालोनी, लखर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वास्तविकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पञ्चाङ्ग-आधार के पास निम्न में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 52 माप 2658 वर्गफुट स्थित सिन्धी बिहार कालोनी, जय विजय पलेस, लखर, खालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक: 14-5-1980

मोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्वी०/भोपाल— 80-81/

1583—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो लखर, ग्वालियर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 4-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—106 GI/80

(1) मेसर्स शम्भू गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा
श्री धन श्यामदास (सैकटरी) लखर।

(अन्तरक)

(2) श्री दिगम्बर पुत्र श्री सखवंत राम जैसवानी
निवासी सराफा बाजार, लखर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 51 माप 2658 वर्गफुट स्थित सिन्धू
विहार कालोनी जय विलास पैलेस, लखर, ग्वालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1584

—अतः मुझे, सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो लखर ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपग्रह आनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विधान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा श्री घनश्याम दास (सैकटरी) लखर।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलीप कुमार पुत्र श्री ठाकुर दाम मिश्री निवासी नाला नाई का बाजार, लखर।

(अन्तरितों)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संघ में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अन्तरितों के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 49 माप 2658 वर्गफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी, जय विलास पैलेस, लखर ग्वालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एम्बो/भोपाल 80-81/1585

—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो लखर, ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) भैरव शंकर गृह निर्माण—सहकारी संस्था द्वारा श्री वनश्याम दास (सैक्टर), लखर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द उर्फ प्रीतम दास पुत्र श्री गुलाब राय जय सिवांनी निवासी, आगरे का बाजार, लखर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट न० 28 माप 1924 वर्गफुट स्थित सिन्धु विहार कालोनी, जय विलास पैलेस, लखर ग्वालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एम्बी/भोपाल 80-81/1586

—प्रतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित बातों में, अर्थात् :—

- (1) मेसर्स शक्कर गृह निर्माण-सहकारी संस्था द्वारा श्री चन्ध्याम दास (सैक्रेटरी), लखर।
(अन्तरक)
- (2) श्री नानक राम पुत्र श्री भोरमल सिन्धी, निवासी नया बाजार, लखर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 47 माप 2658 वर्गफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी, जय विलास पैलेस, लखर, ग्वालियर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 4-5-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी/भोपाल 80-81/1587

—अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, ग्वालियर
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
4-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छद्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
के (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्स शंकर गृह निर्माण—सहकारी संस्था द्वारा
श्री धनश्याम (सैफ्टरी), लखर।

(अन्तरक)

(2) श्री नानक राम व श्याम दास दोनों पुत्र श्री बाल
चन्द सिन्धी निवासी—भिटानेस की गाठ, लखर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट न० 50 माप 2658 वर्गफुट स्थित सिन्धू
बिहार कालीनो, जय विलास—पैलेस लखर, ग्वालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए०सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1588

—अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा श्री घनश्याम दास (सैटकरी), लखर।

(अन्तरक)

(2) श्री हीरा लाल पुत्र श्री मेलूमल सिन्धी निवासी माऊ का बाजार, लखर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 54 माप 2590 वर्गफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी, जय विलास पैसेस, लखर, ग्वालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

(1) मेरुसं प्रबन्धन गृह निर्माण रहबारी रक्षा द्वारा श्री घनश्याम दाम (सैकटरी), लखर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अर्जुन दाम पुत्र श्री चमन दाम विनवासी केथवाली गली, लखर।

(अन्तरिपी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्सी/भोपाल 80-81/1589

—अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि श्यामर वसति जिहाज उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, जो जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-9-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट सं० 45 माप 3776 वर्गफुट स्थित सिन्धू विहार कालोनी जय विलास पैलेस, लखर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० ए०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्सी/भोपाल 80-81/1580

—अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मेमर्स गवर्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा श्री घनश्याम दाम (सैफेटरी) लश्कर।

(अन्तरक)

(2) श्री किशन दाम पुत्र श्री भोरमल मकरानी निवासी नया बाजार, लश्कर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 46 माप 2848 वर्गफुट स्थित सिन्ध विहार कालोनी, जय विन्वास-पैलेस, लश्कर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर:

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं. आई०ए०जी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1591

—प्रतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-9-1978

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

9—106 GI/80

(1) मेसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा श्री धनश्याम दास (सेक्रेटरी), लखर।

(अन्तरक)

(2) श्री बलराम पुत्र श्री गोरुभल सिन्धी निवासी माधोगंज, लखर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभोक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 1 माप 230 वर्गफुट स्थित सिन्धु विहार कालोनी जय विलास पैलेस, लखर, ग्वालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०जी०/एन्वी/भोपाल 80-81/1592

—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-9-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मेसर्स शंकर गृह निर्माण - सहकारी संस्था द्वारा श्री घनश्याम दास (सैक्टर), लखर।
(अन्तरक)

(2) श्री ठाकुर दास पुत्र श्री सुगनामल सिन्धी निवासी खुर्जा वाला मोहल्ला, लखर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 36 माप 1749 वर्गफुट स्थित सिन्धु विहार कालोनी जय विलास पैलेस, लखर ग्वालियर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-5-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्सी/भोपाल 80-81/1593

—प्रतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-9-1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) मेसर्स शक्कर गृह निर्माण — सहकारी संस्था द्वारा श्री घनश्याम बास (सैफेटरी), लखर।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश पुत्र श्री होतचन्द सिन्धी निवासी पगनीस की गौठ, लखर-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभावेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होया जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 34 माप 1749 वर्गफुट स्थित सिन्धु विहार कालोनी जय विलास पैलेस, लखर, ग्वालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए०सी/एक्वी/भोपाल 80-81/1594

-अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो ग्वालियर में स्थित है
(और इससे उपग्रह अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-9-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स शक्कर गृह निर्माण सहकारी संस्था द्वारा
श्री घनश्याम वास (सैकटरी), लखर।
(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्द राम पुत्र श्री रोजी राम सिन्धी निवासी
शक्कर कालोनी, नई सड़क, लखर।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 53, माप 2580 वर्गफुट स्थित सिन्धू
विहार कालोनी, जय विलास पैलेस, लखर ग्वालियर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14-5-1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एवबी/भोपाल 80-81/1595

—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
5-9-1978

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री गोविन्द राम पुत्र श्री मिल्कीराम जो पाइजा
निवासी जयराम पुर कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शीभा बाई पाले श्री जेठानन्द जी निवासी
90, जयराम पुर कालोनी, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 179 का भाग स्थित जयराम पुर कालोनी,
इन्दौर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980]

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1596

—अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बिस्वाजीत सेन गुप्ता पुत्र श्री गुरुदयाल सेन गुप्ता निवासी 9 के, चार ईमली, भोपाल (अन्तरक)

(2) श्री के० के० मेहता पुत्र श्री किशोरी लाल मेहता निवासी ई-4/130, अरेरा-कालोनी, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० ई-4/130, स्थित अरेरा-कालोनी, भोपाल।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 14-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एकी/भोपाल 80-81/1597

—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो नीमच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का शून्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार अब, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री पन्ना लाल पुत्र श्री नारायण जीमाली निवासी ग्राम बरखेड़ा तह० नीमच, मन्दासौर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती जेहरा बाई परती श्री हाजी ताहिर अली बोहरा निवासी छोटी सादरी, जिला चितौड़ (राज०)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का भाग स्थित नीमच सुधार नियामक नं० 11, मामा मार्ग, नीमच।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक : 15-5-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्सी/भोपाल 80-81/1598

—अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो नीमच में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नीमच
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, 7-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री पन्ना लाल पुत्र श्री नारायण जी माली निवासी
ग्राम बरखेड़ा तह-नीमच, मन्दसौर।
(अन्तरक)
- (2) श्री आविद अली पुत्र हाजी साहिर अली
बोहरा, छोटी सादरी, चित्तौड़ गढ़ (राज)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान का भाग स्थित नीमच सुधार - न्यास नं० 11,
मामा मार्ग, नीमच।

सतीश चंद्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 15-5-1980
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एकी/भोपाल 80-81/1598

—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, इस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

10-106 GI/80

(1) श्री गिवर सिंह ठाकुर पुत्र स्व० श्री दलभजन सिंह अवकाश प्राप्त प्रिंसिपल निवासी 1783, गुप्तेश्वर जबलपुर।

(अन्तरक)

2. राम लाल पुत्र श्री भगवान दास दीवान निवासी मकान नं० 1416/7/ए, गुप्तेश्वर रोड, मदन महल बाई जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शालेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्तव्य

मकान का भाग स्थित 1416-7-ए, गुप्तेश्वर रोड, मदन महल बाई, जबलपुर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्सी/भोपाल 80-81/1599

—अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तखत रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनाय अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती राज कुमार कांडा पत्नि श्री एम०एल० कांडा (2) श्री संजय कांडा (अवयस्क) पुत्र श्री एम० एल० कांडा निवासी 1387, मदन महल वार्ड, जबलपुर।

(अन्तरक)

(1) मुल्क राज चावला पुत्र श्री रामदास चावला निवासी मदन महल वार्ड।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धात्री:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धर्म्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि स्थित ग्राम महेष्वर खसरा नं० 29/1भाग, 76, 79/1, 81/2, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, व 100, मदन महल वार्ड, जबलपुर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15-5-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनांक 15-5-1980,

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एसी/भोपाल 80-81/1600

अतः मुझे सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो विलासपुर में स्थित है [(और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण के रूप से वर्णित है)], रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विलासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 11-9-1979

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मुकुन्दराव खानखोजे पुत्र श्री निवास राव खान खोजे निवासी तिलक नगर, विलासपुर।
(अन्तरक)

(2) श्री नन्द लाल पुत्र श्री बालम जी चौहान निवासी पाली तह कथधौरा जिला-विलासपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्रमांक 202 स्थित हल्का नं० 110, विनोबा नगर, विलासपुर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 15-5-1980
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15-5-1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एचवी/भोपाल 80-81/1601

—अतः मुझे सतीश चन्द्र

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी जिसकी सं० भूमि है, तथा जो रामपुर में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्वचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चाद्रील प्रसाद पुत्र श्री ठाकुर प्रसाद श्रीवास्तव निवासी पांडरी बरौदा, रायपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री दलजीत सिंह (2) राजेन्द्र सिंह (3) राजेन्द्रा पाल सिंह व (4) इन्द्र वीर सिंह सभी पुत्र श्री मलिक सिंह जुनेजा नहरपारा रायपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुला प्लॉट नं० 7व 8 स्थित पांडरी तराय, हल्का नं० 109, ब्लॉक नं० 2, बार्ड नं० 4, रायपुर ।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त)
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 15-5-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एकी/भोपाल 80-81/1602

—प्रतः मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम तिगरा में स्थित
है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवनी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
13-9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच के अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण न हुई किन्हीं ग्राम को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उमने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किन्हीं ग्राम या किन्हीं धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती शारदा बाई पत्नि श्री बोरन सिंह बघेल
निवासी ग्राम सरगापुर, सिवनी।
(अन्तरक)

(2) महर्षि इन्सटिट्यूट आफ क्रियोटिव। इन्टेलेजेन्स
इन इन्डिया रानीवास व्योहार बाग जबलपुर द्वारा
श्री चमन सिंह शास्त्री—ग्राम तिगरा जिला—सिवनी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खूली भूमि क्रमांक 213 हल्का नं० 80 स्थित ग्राम
तिगरा जिला—सिवनी।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15-5-1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्वी/भोपाल, 80-81/1603--

अतः मुझे, सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट है, तथा जो तिगरा में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 13-9-79 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती दुलारी बाई पति श्री रघुनाथ सिंह बघेल निवासी ग्राम मिमरिया, सिवनी (अन्तरक)

(2) महर्षि इन्सटिट्यूट आफ क्रियेटिव इन्टेलेजेन्सी इन इन्डिया रानी वास व्योहार बाग, जबलपुर द्वारा श्री चमनसिंह शास्त्री इन्वार्ज महर्षि आश्रम, ग्राम तिगरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली भूमि नं० 213 हल्का नं० 80 स्थित ग्राम तिगरा, सिवनी।

सतीश चन्द्र,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भोपाल

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक, 15 मई 1980

निर्देश सं० आईएसी/एक्वी/भोपाल 80-81/1604—अतः

मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए है और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो तिगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सिवनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी कितनी प्रायः या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती शारदा बाई पत्नी श्री शुभकरण जी बघैल निवासी ग्राम—तिगरा, सिवनी ।

(अन्तरक)

(2) महर्षि इन्मटिदयट आफ क्रियेटिव इन्टेलीजेन्सी आफ इन्डिया, रानीवाम व्योहार बाग, जबलपुर द्वारा श्री चमन सिंह शास्त्री ग्राम—तिगरा, सिवनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली भूमि नं० 213 हल्का नं० 80, स्थित ग्राम तिगरा, सिवनी ।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई०ए० सी०/एक्सी/भोपाल 80-81/1605—

अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट है, तथा जो तिगरा में स्थित है (और
इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सिवनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 13-9-1979 को

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री ठाकुर शुभकरन सिंह पुत्र श्री घट्टन सिंह बघैल
निवासी ग्राम—तिगरा, सिवनी।

(अन्तरक)

(2) महर्षि इन्सटिट्यूट आफ फ्रियोटिव इन्टेलीजेन्स इन
इन्डिया, रानी वाम व्योहार बाग, जबलपुर द्वारा
श्री चमन सिंह शास्त्री इन्वार्ज महर्षि आश्रम ग्राम—
तिगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली भूमि नं० 213 हल्का नं० 80 स्थित ग्राम—तिगरा
सिवनी।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त

अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1606—

प्रतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मकान (भाग) है, तथा जो जबलपुर में स्थित
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-9-1979 को
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को; जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
11—106GI/80

- (1) श्री राज कुमार जेकब पुत्र श्री जान जेकब निवासी
मिशन प्रेस कम्पाउन्ड, सिविल लाइन्स, जबलपुर।
(अन्तरक)
- (2) श्री मेथीयास ऐडविन एरनोल्ड पुत्र स्व० श्री जी०
एरनोल्ड (2) श्री राजेश कुमार एरनोल्ड पुत्र श्री
एम० ई० एरनोल्ड दोनों निवासी नेपियर टाउन,
जबलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रमोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 948/4-I व II का भाग स्थित सिल्वर ब्राक
कम्पाउन्ड, नेपियर टाउन, जबलपुर।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जुन रेंज भोपाल

दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी/भोपाल 80-81/1607—

अतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरि द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा :—

- (1) श्री एस० डी० सूरी पुत्र स्व० श्री के० एल० गौतमा निवासी 2, वेस्ट 5, पटेल रोड, नई बिल्ली द्वारा श्री आई० जे० एस० सेठी निवासी एम० 167/ई-7, भोपाल (अन्तरक)
- (2) श्रीमती आशा हरिया पत्नी पुत्र श्री महेश चन्द्र हरिया निवासी ई-5/111, अरेरा कालोनी, भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 111 का अधूरा बना भाग स्थित ई-5, शाहपुरा, अरेरा कालोनी, भोपाल ।

सतीश चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज भोपाल

दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल 80-81/1608—

प्रतः मुझे सतीश चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-9-1979 को

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हबीब अहमद पुत्र श्री मोहम्मद फारूक निवासी बुधानारा, रायपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री रजीत सिंह राठौर पुत्र श्री छोटेला राठौर निवासी राठौर चौक, रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2/26 नजूल ब्लॉक नं० 77, पुरानी पुलिस लाईन "जयराम टाकीज" के पास, मौधानारा, रायपुर।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षण सहायक आयकर (आयुक्त)

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० ए०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए०बी/भोपाल/80-81/1609—

अतः मुझे, सतीश चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन है, तथा जो रतलाम में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 25-9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मन्जूर खां पुत्र श्री गुल खां (2) अख्तर खां पुत्र श्री गुल खां व (3) श्रीमती जयदेव बाई बंवा गुलखां, निवासी रतलाम, मो० सेरानीपुरा

(अन्तरक)

(2) फर्म:—आर० के० ट्रेडर्स, माणक चौक, रतलाम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि न० 1073 स्थित कस्बा रतलाम।

सतीश चन्द्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० कुल्लु/11/79-80—अतः, मुझे सुखदेव चन्द आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० मकान 2 1/2 मंजिल, कोठी महाराजा है तथा जो फट्टी ढालपुर, कोठी महाराजा, ज़िले में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुल्लु में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हवेली राम अलीयास हरीश चोपड़ा पुत्र श्री रलदु राम चोपड़ा पुत्र श्री मोती राम चोपड़ा, निवासी पठानकोट ग्राम मकान नं० 2211, सेक्टर 27-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री लाल चन्द प्रार्थी पुत्र श्री टेक राम, निवासी फटी और कोठी नगर, तहसील तथा जिला कुल्लु।

(अन्तरिती)

(3) 1. जिला लोक सम्पर्क आफिसर, कुल्लु
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

2. जिला लाईसेन्स, कुल्लु

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान 2 1/2 मंजिल जो फटी ढालपुर, कोठी महाराजा जिला कुल्लु में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कुल्लु के कार्यालय के विलेख संख्या 602, सितम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० पटियाला/287/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट क्षेत्रफल 1 बीगा 3 1/2 बिसबे है तथा
जो लैहल जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री करनैल सिंह पुत्र श्री याला सिंह, निवासी नजदीक
ईदगाह रोड़, पटियाला।

(अन्तरक)

- (2) श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री नारिन्दर सिंह, निवासी
27-डी, माडल टाउन, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्षेत्रफल 1 बीगा 3 1/2 बिसबा, लैहल, पटियाला
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या 3409, सितम्बर 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० पटियाला/321/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० शोप-कम-फ्लैट नं० 31 है तथा जो न्यू अनाज मंडी, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्तूबर, 79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। ओप/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री हरी सिंह पुत्र श्री केसर सिंह, निवासी रामूल पुर सैदीयां तहसील पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री बन्नी चन्द पुत्र श्री बलैती राम आफ समाना शोप-कम-फ्लैट नं० 31, न्यू अनाज मण्डी, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्वस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शोप-कम-फ्लैट नं० 31, न्यू अनाज मंडी, पटियाला।
(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3828, अक्तूबर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रकृष आर्द्ध टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० एन० बी० ए०/141/79-80—अतः मुझे सुखदेव खन्ना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे पहले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 4 मरले है तथा जो नाभा तहसील नाभा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुरदेव कौर विधवा श्री हरबेक सिंह निवासी नजदीक न्यू ग्रेन मारकीट मलेरकोटला रोड नाभा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश रानी पत्नी श्री राजिन्द्र पाल श्री भगवान दास, सुरिन्दर कुमार, नारिन्दर कुमार अकशू कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश बी० के० ओ० रामगढ़ नाभा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल 4 मरले नाभा में स्थित है) ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1559 सितम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव खन्ना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चन्डीगढ़/282/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिस की सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1539 है, तथा जो
सेक्टर 36-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची
में औप पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

12-106GI/80

(1) कोमड़क हारीश चन्दर मलहोत्रा पुत्र श्री ल० सी०
मलहोत्रा निवासी डी-133 डिफेंस कालोनी नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरजिन्दर सिंह नागपाल पुत्र श्री जवाहर सिंह
नागपाल निवासी मकान नं० 131-23 ए, चन्डीगढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1539 सेक्टर 36-डी चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1665 अक्टूबर 1979 में
दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चन्डीगढ़/222/79-80—अतः मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० 1368 है तथा जो सैक्टर
34-सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उनमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री ताजिन्दर सिंह बेदी पुत्र श्री रघुबीर सिंह
निवासी 1208 सैक्टर 18-सी चन्डीगढ़
(अन्तरक)
- (2) श्री भीम सैन भाटिया पुत्र श्री माना राम निवासी
मकान नं० 242, सुभाष नगर रोहतक ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1368 सैक्टर 34-सी चन्डीगढ़ ।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1271, सितम्बर 1979 में
दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेज सं० चन्डीगढ़/216/79-80—अतः मुझे सुखदेव खन्व

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस की सं० रिहायशी प्लॉट नं० 1046 है तथा जो सैक्टर 36-सी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-9-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रय के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) कैप्टन सुभाष बिन्दरा पुत्र आर० के० बिंदरा निवासी 1-ए० एम० बी० क्लब लखनऊ।

(अन्तरक)

(2) कैप्टन जे० एस० गोसल पुत्र श्री एच० एस० गोसल 1/3 कुयाटरज जी० आर० मार्फत 99 ए० पी० ओ० मार्फत श्री डी० एस० गोसल मकान नं० 202-9 सी० चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 1046 सैक्टर 36-सी चन्डीगढ़ (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1235 सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव खन्व
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० पटियाला/289/79-80—अतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8ए क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है तथा जो डिल्लों मार्ग पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1979 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मोहिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री चतक सिंह निवासी कौलगढ़ तहसील अमलोह।

(अन्तरक)

(2) श्री रनजीत सिंह पुत्र श्री अर्जन सिंह लैकचरार, खलसा कलोज, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थायीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8ए क्षेत्रफल 500 वर्ग गज जो डिल्लों मार्ग पटियाला में स्थित है।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3426 सितम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक: 15 मई 1980

माहुर:

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० पटियाला/288/79-80—प्रतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 500 वर्ग गज (प्लॉट 8-बी)
है तथा जो ढिलों मार्ग पटियाला में स्थित है (और इससे
उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री मोहिन्दरपाल सिंह पुत्र श्री चतर सिंह निवासी
कोलगढ़, तहसील अमलोह जिला पटियाला ।
(अन्तरक)

(2) श्री अर्जन सिंह पुत्र श्री मंगल सिंह निवासी
गिनदरावाली तहसील फाजलका
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8-बी क्षेत्रफल 500 वर्ग गज, जो ढिलों मार्ग
पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3425 सितम्बर 1979
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० चन्डीगढ़ /235/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 3481 है तथा जो सैक्टर 35-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979 को पुर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बलवीर सिंह बतरा पुत्र श्री जसा राम मार्फत 26, रघबीर नगर नई दिल्ली-27, द्वारा स्पेशल भाषक आफ अटार्नी श्रीमती सरन कौर पत्नी श्री गुरदियाल सिंह निवासी 3562 सैक्टर 35 डी, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या देवी पत्नी श्री मोहन लाल मकान नं० 3481 सैक्टर 35-डी चन्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में दिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3481 सैक्टर 35-डी चन्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1373, सितम्बर 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० चन्डीगढ़/223/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 12 कनाल 5 मरले है तथा जो मनी माजरा यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्राधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनु-वर्णन में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अंगीत, निम्नलिखित शर्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री दारा सिंह, देव सिंह, शमशेरसिंह पुत्र श्री श्री भजन सिंह निवासी मनी माजरा यू० टी० चन्डीगढ़। (अन्तरक)

(2) 1. श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री शाम सिंह निवासी मकान नं० 1033 सैक्टर 11-ए चन्डीगढ़।
2. श्री जगदेव सिंह पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह निवासी गांव लाल कला जिला लुधियाना द्वारा अटारनी श्री बलराज सिंह निवासी 116-सैक्टर 8-ए चन्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 कनाल 5 मरले, गांव मनी माजरा यू० टी० चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1272 सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्रकृप धार्मिक टी० एन० एव०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

259-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चन्डीगढ़/224/79-80—अन: मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल 8 मरले है तथा जो गांव मनी माजरा यू० टी० चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अन: धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री हुकम चन्द पुत्र श्री दीन राम निवासी गांव माजरी जिला रोपड़ (2) श्री अमरां देव पुत्र श्री लक्ष्मन दास निवासी मुलापुर गारीब दास जिला रोपड़।

(अन्तरक)

2. श्री मोहिन्दर सिंह पुत्र श्री शाम सिंह निवासी मकान नं० 1033 सैक्टर 11-ए चन्डीगढ़ श्री जगदेव सिंह पुत्र श्री मोहिन्दर सिंह निवासी गांव लाल कलां जिला लुधियाना द्वारा श्री बलराज सिंह, 116 सैक्टर 8-ए चन्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 16 कनाल 8 मरले मनी माजरा यू० टी० चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1274, सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियानादिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० चन्डीगढ़/267/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1584 है तथा जो सैक्टर 36-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें अन्तर्गत आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों के अधीन किसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

13—106GI/80

(1) श्री अमरजीत सिंह जायजी पुत्र श्री वाजीर सिंह जायजी निवासी भानवा हाउस, पीछे न्यु मोती बाग पैलस पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर गुप्ता पुत्र श्री डी० एम० गुप्ता मकान नं० 3283 सैक्टर 19-डी चन्डीगढ़।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धांधला :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में सम्पन्न होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

साक्ष्योत्तरण :—इसमें यदुक्त व्यक्तियों की हस्ताक्षर, जो उक्त अधिनियम के अनुसूची 20 के अन्तर्गत हैं, यही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1584 (क्षेत्रफल 580.94 वर्ग गज) जो सैक्टर 36-डी चन्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विनेत्र संख्या 1647 अक्टूबर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980 :

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० लुधियाना/387/79-80—प्रतः मुझे सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है और

जिसकी सं० कोठी नं० 270-1 (एम सी नं० बी-XVII/730/1)
है तथा जो माडल टाउन लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्नाह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच एस अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-
लिखित उद्देश्य के उक्त प्रमाण लिखित में वास्तविक रूप में
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धोखेदार
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था दिवाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती संतोष शर्मा पत्नी श्री वेद प्रकाश तथा श्री
वेद प्रकाश पुत्र श्री दीवा राम निवासी 270-आर
माडल टाउन, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनीता रानी जैन पत्नी श्री विमल कुमार
जैन, 270-सी माडल टाउन लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना दाने इसके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा प्रभावकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्द और शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधाय 29-क में परिभाषित है,
इस अर्थ होगा, या उस अध्याय में दिया गया है ।

अनसूची

कोठी नं० 270-सी माडल टाउन, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3084, सितम्बर 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, प्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० सरहिन/133/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 29 कनाल है तथा जो गांव अलीपुर सोधियां तहसील सरहिन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा-1 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री नरिन्द्र सिंह द्वारा अटारनी श्री नरिन्द्र सिंह अलीयास निरजंन सिंह निवासी मकान नं० 3305 सेक्टर 23-डी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

(2) श्री रोशन लाल और प्रेम चन्द पुत्र श्री हरदियाल और श्री कुलवीर सिंह पुत्र श्री हरगोविन्द निवासी सरहिन मण्डी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संकेतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयत्न होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 39 कनाल जो गांव अलीपुर सोधियां तहसील सरहिन ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2491, नवम्बर 1979 में वर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० सरहिन्द/130/79-80— अतः मुझे सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० भूमि 29 कनाल 14 मरला है तथा जो गांव अलीपुर सोधियां, तहसील सरहिन्द में स्थित है (और इसमें उगावट्ट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या निषेधित या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाते में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री तेजा सिंह गांव अलीपुर सोधियां, तहसील सरहिन्द, जिला पटियाला।
(अन्तरक)

(2) श्री रोगन लाल और प्रेम चन्द पुत्र श्री हरिदयाल और श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री हरगोविन्द निवासी सरहिन्द मण्डी जिला पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या न्यूनतम अवधि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मातृ पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छता :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रयोग 20-र में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग में दिया हुआ है।

अनुसूची

भूमि 29 कनाल 14 मरले जो गांव अलीपुर सोधियां तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2463, अक्टूबर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० सरहिन्द/131/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० भूमि 39 कनाल है तथा जो गांव अलीपुर मोधियां, तहसील सरहिन्द में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सरहिन्द में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, उचित दृश्यमान प्रतिफल पर प्रत्यक्ष प्रतिफल प्रोत्पन्न है और अन्तरक (अन्तरकों) द्वारा अन्तरित (अन्तरितियां) की वीच ऐसे अन्तरण के कारण तब तब तक प्रत्यक्ष प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधि में अन्तर्गत किया गया कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1954 (1954 का 1) के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री नरेन्द्र सिंह द्वारा अटारनी श्री नरेन्द्र सिंह अलीयास श्री निरंजन सिंह निवासी मकान नं० 3305, सैक्टर 23-डी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री रोशन लाल और प्रेम चन्द पुत्र श्री हरदियाल और श्री कुलदीप सिंह पुत्र श्री हरगोविन्द निवासी, सरहिन्द मण्डी जिला पटियाला।

(अन्तरितियां)

का उक्त अधिनियम के अन्तर्गत सम्पत्ति के अन्तर्गत कर का भुगतान करना है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत सम्पत्ति में कोई भी अन्तरण:—

(1) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अवधियों पर सूचना को तब तक 30 दिन की अवधि, जो कि प्रथम बार के उक्त अधिनियम के अन्तर्गत अवधियों में प्रथम अवधि द्वारा,

(2) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त अधिनियम में दिनांक 15 मई 1980 अवधि द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—उक्त प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 39 कनाल जो गांव अलीपुर मोधियां तहसील सरहिन्द जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरहिन्द के कार्यालय के बिलेख संख्या नं० 2464, अक्टूबर 1979 में दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निर्देश सं० जीएस/16/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० भूमि क्षेत्रफल 78 कनाल है तथा जो पठान माजरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दूदन सूदन में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक, 9-1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री लाभ सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह निवासी माजरा खुर्द अलीगढ़ पठान माजरा दूदन सूदन (अन्तरक)
- (2) श्रीमती दर्शन कौर पत्नी श्री लाभ सिंह तथा सर्वश्री राजिन्द्र सिंह एवं भूपिन्द्र सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह निवासी पठान माजरा, तहसील दूदन सूदन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 78 कनाल जो पठान माजरा में स्थित है।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दूदन सूदन के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 488 सितम्बर 1979 में वर्णित है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० चण्डीगढ़/254/79-80—प्रनः, मुझे, सुखदेव चन्द।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० रिहायशी प्लॉट नं० 3371 है तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रन. अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरदित सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, मकान नं० 111/662, नानक नगरी, मोगा जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला बेवी सिंगला पत्नी श्री तरसेम चन्द, निवासी मकान नं० 1678, सैक्टर 33, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 33715 सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1516, अक्टूबर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एम. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/373/79-80—अन: मुखे, मुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
ख के अधीन मन्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोटी नं० 49 (एम सी० नं० बी-XVIII-1371)
है तथा जो न्यू माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मन्म यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अन: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री फिराया लाल निवासी 6/4,
मोहर नगर, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री जीवन दाम 49, न्यू माडल
टाउन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोटी नं० 49 (एम० सी० नं० बी-XVIII-1371), न्यू
माडल टाउन, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2994, सितम्बर 1979
में दर्ज है)

मुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 मई 1980

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/378/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिम्मा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० प्लॉट 233 1/3 वर्ग गज है तथा जो सन्दीप नगर, सिविल लार्न्स लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रवर्तित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरक) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कृष्णा कुमारी पत्नी श्री नारायण बास पुत्र श्री केदार नाथ निवासी मण्डी केसर गंज, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार पुत्र श्री बारा राम पुत्र श्री हरि राम, निवासी कुच्छा नं० 5, फील्ड गंज, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तदन्तर्ग्री व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में मनोप होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इनमें उक्त गद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट 233 1/3 वर्ग गज जो कि सन्दीप नगर, सिविल लार्न्स, लुधियाना में स्थित है ।

(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विवेक संख्या नं० 3039, सितम्बर 1979 में दर्ज है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/375/79-80—अन. मुझे सुखदेव
चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अन्तर्गत मालिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट 400 वर्ग गज है तथा जो सन्दीप
नगर, सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-1979

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित। उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधिनियम कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किया गया या किसी वन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यह पद उक्त अधिनियम 269-घ के अनुसरण
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कृष्णा कुमारी पत्नी श्री नारायण दास
पुत्र श्री केदार नाथ निवासी मण्डी केसरगंज,
लुधियाना।

(अवतरक)

(2) सर्वश्री चन्दर प्रकाश और राकेश कुमार पुत्र श्री
बूरा राम, निवासी फील्ड गंज, कुच्चा नं० 5,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट 400 वर्ग गज जो सन्दीप नगर, सिविल लाईन, लुधियाना
में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3017 सितम्बर 1979 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
महाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. ११० एस०—

(1) श्री मुख्तियार सिंह पुत्र श्री शेर सिंह श्री प्यारा सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह निवासी गांव समरालो जिला लुधियाना ।

(अन्तरक)

2) श्री मनजित सिंह, गुरमुख सिंह पुत्र श्री प्रताप सिंह पुत्र सुरजन सिंह निवासी गांव सोरा तहसील लुधियाना ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना /390/79-80—अत. मुखे मुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिनका सं० भूमि क्षेत्रफल 52 कनाल 16 मरले है तथा जो गांव समरालो तहसील व जिला लुधियाना, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रार/करण अधिनियम 1908, 1908 का 16 के अधीन ता० 9 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्न आरितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 52 कनाल 16 मरले जो गांव समरालो तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के बिलेख संख्या न० 3114 मितम्बर 1979 ; दर्ज है)

मुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/351/79-80—अतः सुखे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी 2-1555 है तथा जो पंडित देस राज, नजदोक घंटा घर लुधियाना में ; स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची ; और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रजिस्ट्रार/करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बराबर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रयोजन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्यारा लाल पुत्र श्री माला मिह 2342, अमकपुरा लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार पुत्र श्री रामलाल निवासी 352, कुच्चा हरनाम दाम नजदोक गुरुद्वारा कलगीधर, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी-2-1555 जो कुच्चा पंडित देसराज नजदोक घंटा घर लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2858 मितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना 352/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी-2-1555 है तथा जो पं० देस राजकुमार नजदीक घंटा घर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री प्यारा लाल पुत्र श्री माला सिंह 2342 अमर पुर लुधियाना। (अन्तरक)
- (2) श्री जनक राज पुत्र श्री राम लाल निवासी 352, कुमार हरनाम दास नजदीक गुरुद्वारा कलगीघर, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विगुण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अव्योहताशरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी-2-1555, कूचा पंडत देस राज नजदीक घंटाघर, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2857 सितम्बर 1979 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सश्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/558/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिस की सं० 1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी-II-1555 है तथा जो कूचा पडत देस राज लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल का निर्धारण हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐतद् दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तर के निर्धारण का प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य का उदाहरण प्रदान करने के लिये नहीं किया गया है।—

(क) अन्तर्गत न हुई किसी प्राप्ति की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रुका करन या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भारतीय आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री प्यारा लाल पुत्र श्री माना सिंह 2342-मोहला अमपुरा लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री अश्वनी कुमार पुत्र श्री राम लाल निवासी 352, कुमार रोड़, कूचा हरनाम दास, लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्याहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रामाण्य गवर्नर और पराज, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वर्गीकृत नहीं होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुमोदी

1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी-II-1555 जो कूचा पडत देस राज नजदीक घंटा घर, लुधियाना में स्थित है।

(जायबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4782, जनवरी 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—-----

(1) श्री प्यारा लाल पुत्र मासा सिंह निवासी 2342 मोहला
अमरपुरा लुधियाना ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती माया देवी पत्नी श्री राम लाल निवासी 352
कामरन रोड़, कुचा हरनाम दास लुधियाना
(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

उक्त सम्पत्ति के अर्जन का सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० लुधियाना/484/79-80—अन: मुझे सुखदेव

चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/-
रु. में अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;और जिसकी सं० 1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी-II-1555 है तथा
जो कुचा पंढत देस राज, लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-1979(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;1/4 हिस्सा ईमारत नं० बी-II-1555, जो कुचा पंढत देस
राज नजदीक घंटाघर लुधियाना में स्थित है।(जायदेद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4021 नवम्बर 1979 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, प्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० लुधियाना/231/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

और जिस की सं० रिहायशी प्लॉट नं० 2518 है तथा जो सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उद्घारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मुलक राज पुत्र श्री लकशमी दाम निवासी मुबरातो पारक, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री अजीत सिंह पुत्र श्री सुदागर सिंह निवासी मकान नं० 202 सैक्टर 35-ए चण्डीगढ़, कर्ता आफ एच० य० एफ०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वेषाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट नं० 2518, सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1354 सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जेंट रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निदेश सं० लुधियाना/385/79-80—अतः मुझे सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० हिस्सा मकान नं० 212-बी 19 क्षेत्रफल है तथा जो नजदीक खालसा कालेज, सिविल लाईन लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्को बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोक्षार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—106GI/80

(1) श्री हरचरन सिंह पुत्र श्री दियाल सिंह 801/3, गऊशाला रोड़, लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मोहिन्दर कौर पुत्री बखतावर सिंह मार्फत श्री बखतावर सिंह निवासी गांव डिलो खुरद तहसील लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा मकान नं० 212 बी 19 क्षेत्रफल 290 वर्ग गज जो नजदीक खालसा कालेज, सिविल लाईन लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3064 सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 15 मई 1980

मोहर :

प्रका आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 मई 1980

निवेश सं० चण्डीगढ़/230/79-80—अतः मुझे, सुखदेव चन्द

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सज्जन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० न० 1261 है तथा जो सैक्टर 35-सी-चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रश्न कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपा बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नन्द लाल बाबा पुत्र श्री राम चन्द बाबा पट्टोल पं० न्यू मार्केट भोपाल द्वारा स्पेशल अटारनी डा० एम० पी० गुप्ता पुत्र श्री बाई० आर० गुप्ता निवासी 3086-20 डी चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुदेश गुप्ता पुत्री डा० एम० पी० गुप्ता बूथ नं० 69 सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना को तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोधकारी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वसंकेतः :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अर्थात् 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रयोग में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2161 अक्षकल 482.62 वर्ग गज सैक्टर 35-सी चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1346 सितम्बर 1979 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 मई 1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 2-बम्बई

बम्बई, दिनांक 22 मई 1980

निर्देश सं० जे० आर० 1/2836.9/सित० 79—अतः,
मुझे, ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसको म० एम० न० 70, सी० डी००० एम० न० 798 है
तथा जो विले पाले (प०) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्री-करण अधिनियम
1908 का (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-1979
विलेख संख्या नं० 1505/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. डा० रणदिप ओ० शाह (अन्तरक)
2. श्री हरशद भागुभाई पटेल (अन्तरिती)
3. अनुसूची के अनुसार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।
4. डा० रणदिप भागुभाई पटेल (वह व्यक्ति जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एम०/1605/79 उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 26-9-1979 के रजि-
स्टर्ड किया गया है।

ए० एच० तेजाले
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 22 मई 1980।

मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा—नवम्बर, 1980

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1980

सं० फ० 8/2/80 प० I (ख)—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नांकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 11 नवम्बर, 1980 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जायेगी :-

पाठ्यक्रम का नाम	रिक्तियों की संभावित सं०
भारतीय सेना अकादमी, वेहरादून (जुलाई, 1981, में प्रारम्भ होने वाला 71वां पाठ्यक्रम)	120 [एन० सी० सी० 'ग' प्रमाणपत्र (सेना स्कंध) प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आरक्षित 32 रिक्तियां सम्मिलित हैं।]
नौ सेना अकादमी, कोचीन (जुलाई, 1981 में प्रारम्भ होने वाला पाठ्यक्रम)	55 (नौ सेना विमानन के लिये 20 रिक्तियां सम्मिलित हैं)
अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास (अक्तूबर, 1981 में प्रारम्भ होने वाला 34वां पाठ्यक्रम)	160
वायु सेना अकादमी ए० एफ० ए० सी०, कोयम्बटूर [जुलाई, 1981 में प्रारम्भ होने वाले 130वें एफ० (पी०) पाठ्यक्रम के लिये पाठ्यक्रम-पूर्व प्रशिक्षण]	30 [एन० सी० सी० 'सी' प्रमाणपत्र (वरिष्ठ प्रमाण वायु सेना स्कंध) धारियों के लिये आरक्षित 10 रिक्तियां सम्मिलित हैं।]

नोट:—एन० सी० सी० 'सी' प्रमाणपत्र (सेना स्कंध)/(वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग) प्राप्त उम्मीदवार नौसेना अकादमी तथा अल्पकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) पाठ्यक्रमों की रिक्तियों के लिये भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। चूंकि अभी तक उनके लिये इन पाठ्यक्रमों में कोई आरक्षण नहीं है अतः पाठ्यक्रमों में रिक्तियों को भरने के लिये उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को अभी भी एन० सी० सी० 'सी' प्रमाण पत्र (सेना स्कंध)/(वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग) की परीक्षा अभी उत्तीर्ण करनी है, किन्तु अन्यथा वे आरक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हैं, तो वे भी आवेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन० सी० सी० 'सी' प्रमाणपत्र (सेना स्कंध)/(वायु सेना स्कंध का वरिष्ठ प्रभाग) की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि आयोग के कार्यालय में 30 जून, 1981 तक पहुँच जाए।

आरक्षित रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता की पात्रता के लिये उम्मीदवार को राष्ट्रीय कैंडिडेट कोर के सेना स्कंध के वरिष्ठ प्रभाग में सेवा के कम से कम 2 शैक्षणिक वर्षों वायु सेना स्कंध के वरिष्ठ प्रभाग में कम से कम 3 शैक्षणिक वर्षों का अनुभव होना चाहिए और आयोग के कार्यालय में

आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख को उम्मीदवार को राष्ट्रीय कैंडिडेट कोर से मुक्त हुए 12 महीने से अधिक न हुए हों।

नोट II—भारतीय सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी पाठ्यक्रमों में आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये परीक्षा परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त एन० सी० सी० 'सी' प्रमाणपत्र धल सेना स्कंध/वायु सेना स्कंध प्राप्त उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई आरक्षित रिक्तियों को अनारक्षित समझा जाएगा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों में भरा जाएगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्यचर्या (ख) अकादमी/शाला में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी नौ सेना अकादमी और अधिकारी प्रशिक्षण शाला और वायु सेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के संबंध में क्रमशः परिशिष्ट I, II और III में विस्तार से समझाया गया है।

नोट: परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर "उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका" में देखिए।

2. परीक्षा के केन्द्र: अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बंबई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, जम्मू, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोव्रा), पटियाला, पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम।

3. पात्रता की शर्तें:

(क) राष्ट्रिकता:

उम्मीदवार या तो

- भारत का नागरिक हो, या
- भूटान की प्रजा हो, या
- नेपाल की प्रजा हो, या
- तिब्बती शरणार्थी जो स्थाई रूप से भारत में रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या
- भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थाई रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीन्या, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथियोपिया और बिषतनाम से प्रव्रजन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), () और (v) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाण-पत्र प्रदान किया हो।

पर नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिये यह पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिम उम्मीदवार के लिये वह पात्रता-प्रमाण पत्र आवश्यक होगा, उसको इस शर्त पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और अकादमी या शाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि बाद में भारत सरकार द्वारा वह उक्त प्रमाण पत्र प्राप्त करे।

(ख) आयु-सीमायें, स्त्री या पुरुष या वैवाहिक स्थिति—

(i) भा० से० अकादमी नौ सेना अकादमी और वायु सेना अकादमी के लिये केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1959 से पहले और पहली जुलाई, 1962 के बाद न हुआ हो।

(ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये: केवल वहीं पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1958 से पहले और पहली जुलाई, 1962 के बाद न हुआ हो।

नोट: जन्म की तारीख केवल वहीं मान्य होंगी जो मैट्रिकुलेशन/हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में लिखी गई हो।

(ग) शैक्षिक योग्यतायें:—

(i) भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी और अधिकारी प्रशिक्षण शाला के लिये किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता।

(ii) वायु सेना अकादमी के लिये भौतिकी और या गणित के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता।

(iii) जो उम्मीदवार अभी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं, परन्तु, उनकी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण नीचे की तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंचाना होगा अन्यथा उनकी उम्मीदवारी रद्द मानी जाएगी।

(i) भा० से० अकादमी नौ सेना और वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिये 30 जून, 1981 को या उससे पहले।

(ii) अधिकारी प्रशिक्षण शाला में प्रवेश के लिये 15 मितम्बर, 1981 को या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यतायें हों, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष मान्यता प्राप्त हों वे भी परीक्षा में प्रवेश के लिये पात्र होंगे।

अपवाद की परिस्थितियों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यतायें हों जिनका स्तर, आयोग के विचार से, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

नोट I—ऐसे उम्मीदवार जिन्हें डिग्री परीक्षा में अभी अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको दी गई यह विशेष छूट है। उन्हें डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बुनियादी अर्हक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किये जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नोट II—जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे। अगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जायेगी।

नोट III—विशेष सेवा अनाज्ञप्तों को छोड़कर बाकी अनाज्ञप्त नाविक (जिनमें किशोर और कारीगर, प्रशिक्षु सम्मिलित हैं), जिनकी अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे। जिन विशेष सेवा अनाज्ञप्तों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके आवेदन पत्र तभी लिये जायेंगे जहां वे उनके कमांडिंग ऑफिसरों के द्वारा निर्धारित अनुशासित हों।

4 आवेदन के साथ देय शुल्क: रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के लिये रु० 7.00)। जिन आवेदन पत्रों के साथ यह निर्धारित शुल्क नहीं भेजा जायेगा, उनको एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

5. शुल्क से छूट: आयोग, यदि चाहे तो, निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रव्रजन कर आया है या वह बर्मा से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन कर आया है या वह श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद

भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

6. आवेदन कैसे किया जाये: केवल सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा नवम्बर, 1980 के लिये निर्धारित पत्र में छपे हुए आवेदन-पत्र ही लिये जायेंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन पत्र भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाने चाहिए। आवेदन प्रपत्र और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नांकित स्थानों से प्राप्त किये जा सकते हैं:—

- (i) दो रुपये का मनिआर्डर या संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से डाक द्वारा।
- (ii) दो रुपये नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर।
- (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब एरिया मुख्यालय, एन० सी० सी० एच० तथा नौ सेना तथा वायुसेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुल्क।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्थायित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार का संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, आयोग को सीधे आवेदन-पत्र भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंच जाये तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकास्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर स्टाफ या अस्थाई हैसियत से या कार्यभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह परिचयन (अन्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन किया है।

मशस्त्र सेना में काम कर रहे उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र अपने कमांडिंग अफसर के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पृष्ठांकन (देखिये आवेदन प्रपत्र के भाग 'ख') को भर करके आयोग को भेजेंगे।

7. आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अन्तिम तारीख—

- (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों में 28 जुलाई, 1980।

- (ii) विदेश में या अण्डमान निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 11 अगस्त, 1980।

8. प्रलेख जो आवेदन के साथ भेजे जायें।

(क) सभी उम्मीदवारों द्वारा:

- (i) रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिये रु० 7.00) का शुल्क जो सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी दिये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्चायुक्त या राजदूत या विदेशी प्रतिनिधि के कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा आयोग" परीक्षा शुल्क के खाते में जमा हो जाये और उसकी रसीद आवेदन-पत्र के साथ भेज दें।

- (ii) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पत्र के साथ संलग्न) विधिवत भरा हुआ।
- (iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत अंकित हों।

फोटो की एक प्रति आवेदन प्रपत्र के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थित पत्रक में दिये गये निर्धारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।

- (iv) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के बिना टिकट लगे दो लिफाफे, जिन पर आपका पता लिखा हो।

(ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा—अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के होने के दावे के समर्थन में, जहां उम्मीदवार या उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर पर रहते हों, उस जिले के (किसी प्रमाण-पत्र के नीचे उल्लिखित) सक्षम प्राधिकारी से परिशिष्ट IV में दिए गए प्रपत्र में लिये गये प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(ग) शुल्क से छूट चाहने वाले उम्मीदवारों के द्वारा:

- (i) किसी जिला अधिकारी या राजपत्रित अधिकारी या संघ या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से लिभे गए प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि

जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

- (ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिए गए प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि :

(क) भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति :

- (i) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केंद्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर संचालक।

अथवा

- (ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहाँ पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

अथवा

- (iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास का प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

अथवा

- (iv) सब-डिवीजनल अफसर अपने अधीनस्थ सब-डिवीजनल की सीमा तक।

अथवा

- (v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वासन) कलकत्ता।

(ख) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित:—

श्रीलंका में भारत का उच्चायुक्त।

(ग) बर्मा से प्रत्यावर्तित

भारतीय दूतावास, रंगून या जहाँ का वह रहने वाला हो, उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट।

(घ) भा० से० अ० और वायु सेना अकादमी पाठ्यक्रम में अतिरिक्त रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध) वायु सेना स्कन्ध का खरिष्ठ प्रभाग प्राप्त उम्मीदवारों द्वारा :

यह दिखाने के लिए कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण पत्र (सेना स्कन्ध) वायु सेना स्कन्ध का खरिष्ठ प्रभाग है अथवा वह एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पत्र (सेना स्कन्ध) परीक्षा में प्रवेश ले रहा है/प्रवेश ले चुका है, इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रतिलिपि।

9 शुल्क की वापसी :—आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया शुल्क वापस करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिए सुरक्षित रखा जा सकता है :—

(i) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है, पर जिसको आयोग में परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको

रु० 15.00 (अनुसूचित जातियाँ/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में रु० 4.00) वापस कर दिया जायेगा। परन्तु यदि कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिग्री परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ है या डिग्री में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पायेगा तो उसके लिये शुल्क की वापसी मंजूर नहीं की जायेगी।

(ii) जो उम्मीदवार मई 1980 को सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्रम के लिए उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उसके मामले में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क वापस किया जा सकता है, पर यह जरूरी है कि नवम्बर, 1980 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 मार्च 1981 को या उससे पहले पहुंच जाए।

10. आवेदन प्राप्ति की सूचना :—इस परीक्षा के लिए निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जायेगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की अन्तिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले तो उसको प्राप्ति सूचना पाने के लिए तत्काल आयोग से सम्पर्क करना चाहिए।

11. आवेदन का परिणाम:—अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त न हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालन नहीं हुआ तो उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के अधिकार से वंचित हो जायेगा।

12. परीक्षा में प्रवेश : किसी उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के सम्बन्ध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अन्तिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी उम्मीदवार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

13. कदाचार के बोधी उम्मीदवारों के खिलाफ कार्रवाई:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्र भरते समय कोई गलत विवरण न दें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपायें। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी ह्रास में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर बदल न करें और न ही फेर बदल किए गए/ गढ़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकार के दो अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कोई अशुद्धि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का बोधी घोषित होता है या हो चुका है :—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) अशुद्ध या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में; किसी अनियत या अनुसूचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुसूचित तरीके अपनाये हों, या
- (viii) उत्तर पुस्तिका (ओं) पर भ्रमंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा या अभद्र आशय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का [व्यवहार किया हो,
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या
- (xi) ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सभी [या किसी कदाचार की और प्रवृत्त होना या ग्रामीण [आयोग को उत्तेजित कराना। वह अपने को दण्ड अभियोजन का शिकार बनाने के अतिरिक्त :—]
- (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है, उसके लिए आयोग द्वारा अयोग्य ठहराया जा सकता है; अथवा
- (ख) (i) आयोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा का चयन के लिए;
- (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिये स्याई रूप से या कुछ निविष्ट अवधि के लिये अपवर्जित किया जा सकता है; और
- (ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो या उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा।

14. मूल प्रमाण पत्र-प्रस्तुतीकरण—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर साक्षात्कार के लिये योग्यता प्राप्त करते हैं, उनको लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही अपनी आयु, शैक्षिक योग्यता आदि के समर्थन में मूल प्रमाण पत्र बल सेना मुख्यालय ए० जी० शाखा भर्ती निदेशालय को प्रस्तुत करने को कहा जायेगा। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः जनवरी, 1980 में घोषित किया जा सकता है।

15. आवेदन के संबंध में पत्र व्यवहार—आवेदन के संबंध में सभी पत्र व्यवहार सचिव, सशस्त्र सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिये और उसमें निम्नांकित विवरण अवश्य होना चाहिए।

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का वर्ष और महिना।

- (3) रोल नम्बर, या जन्म की तारीख (अगर रोल नम्बर नहीं मिला हो)।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा और गफ लिखा हुआ)।
- (5) पत्र व्यवहार का पता, जैसा आवेदन पत्र में दिया है।

ध्यान दें—(i) जिन पत्रों के साथ ऊपर का ब्योरा नहीं होगा, हो सकता है, उस पर कोई कार्रवाई न हो।

- (ii) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार से पत्र पत्रावि प्राप्त होता है तथा इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

16 पते में परिवर्तन—उम्मीदवार को इन बातों की व्यवस्था कर लेनी चाहिये कि उसके आवेदन पत्र में दिये पते पर भेजे जाने वाले पत्र आदि आवश्यक होने पर उनके नये पते पर भिजवा दिये जायें। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उल्लिखित विवरण के साथ आयोग को यथाशीघ्र सूचित कर देना चाहिये।

सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये आयोग द्वारा अनुशसित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिये आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिक्रूटिंग, 6 (एम० पी०) (ई०) (ii) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग 1, राम-कृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिये। जो उम्मीदवार इन आदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये सम्मन पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से संबंधित हो जायेगा।

यद्यपि प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा पूरा ध्यान देते हैं फिर भी इस सम्बन्ध में वह अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ले सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के सम्बन्ध में पूछताछ—जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये अनुशसित हैं, उनको अपने साक्षात्कार के सम्बन्ध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच रिक्रूटिंग, 6 (एम० पी०) (ई०) (ii) वेस्ट ब्लॉक 3, विंग 1, रामाकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 और वायु सेना के उम्मीदवारों के लिये वायुसेना मुख्यालय पी० ओ० 3 नई दिल्ली के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिये भेजे गये सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बन्ध अनुरोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जायेगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय/वायु सेना मुख्यालय होगा।

विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु बुलाये गए उम्मीदवार अपने साथ निम्नलिखित वस्तुएं लाएंगे :—

- (क) सफेद कमीज में पासपोर्ट आकार फोटों की 6 प्रतियां।
- (ख) बिस्तर और कम्बल (सौमम के अनुसार)।
- (ग) सफेद कमीजों और हाफ पैंटी के दो जोड़े।
- (घ) एक जोड़ी, पी० टी० के सफेद बूतें और दो जोड़े सफेद मोजे।
- (ङ) पैंटी और कमीजों के दो जोड़े।
- (च) फाउटन पेन, स्याही और पेंसिल।
- (छ) बूट पालिस और सफेद ग्लोव्स।
- (ज) एक मच्छरदानी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों का साक्षात्कार, अन्तिम परिणाम की घोषणा और अन्तिम रूप में योग्य पाये गये उम्मीदवारों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश—

सथ लोक सेवा आयोग, लिखित परीक्षा आयोग में निर्णय पर निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों को एक सूची तैयार करेगा। वे उम्मीदवार उन सभी प्रविष्टियों के लिये जिन के लिये उन्होंने अर्हता प्राप्त की है, बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिये सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीदवार आई० एम० ए० (जी० ई०) कोर्स और/या नौ सेना (एस० ई०) और/या वायु सेना अकादमी कोर्स की लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस० एम० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिये अर्हता प्राप्त करें या नहीं, उनकी मार्च/अप्रैल, 1981 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जायेगा और जो उम्मीदवार केवल एस० एम० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिये अर्हता प्राप्त करने हैं उनको जून/जुलाई, 1981 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जायेगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहाँ के परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होना है उनके दौरान या उनके फलस्वरूप अगर उनको कोई चोट पहुँचती है तो उसके लिये सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी व्यक्ति को सापेक्षता में हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीदवारों को आवेदन पत्र के साथ सम्बन्ध प्रपत्र में इस आशय के एक प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जो कि आयोग द्वारा उनके निर्णय के अनुसार, निश्चित किये जायेंगे। लिखित परीक्षा तथा मे० ए० सी० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यता क्रम में रखा जायेगा। अलग अलग उम्मीदवारों का परीक्षा के परिणाम क्रम में और क्रम प्रकार सूचित किये जायेंगे, इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के सम्बन्ध में उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी/वायु सेना अकादमी या अधिकारी प्रशिक्षणशाला में, जैसी स्थिति हो, प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अन्तिम चयन शारीरिक क्षमता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के अतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या को दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जायेगा।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये अनर्हताएँ—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सेना अकादमी, वायु सेना उड़ान महाविद्यालय, नौ सेना अकादमी, कौचीन और अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुशासनिक आधार पर वहाँ से निकाल दिये गये हैं, उनको भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी, वायुसेना अकादमी या थलसेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना अकादमी में वापस लिया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल कैडेट्स के रूप में पहले चुन लिया गया हो, पर बाद में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों से वापस लिया गया हो, वे भारतीय नौसेना में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से वापस लिया गया हो, उनके बारे में थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यक्रम से वापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

20. भारतीय सेना अकादमी/नौसेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध—भारतीय सेना अकादमी और नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी के पाठ्यक्रम के उम्मीदवारों को इस बात का ध्यान देना है कि जब तक उनका माँग प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जायेगा, चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षणकाल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जायेगा और उस पर सरकार न जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे वसूल किया जायेगा। अल्पकालिक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई भी उम्मीदवार

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिये सविदा कर ली हो जिसकी पहले से कोई जीवित पति है, या था

(ख) जिसने, पहले से जीवित पति-पत्नी होने हुए भी किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिये सविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रशुति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिये और शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिये लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के अन्य ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को यह उन नियम के अनुपालन से छूट दे सकती है।

21. भारतीय सेना अकादमी/नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबन्ध—भारतीय सेना अकादमी/नौ सेना अकादमी या वायुसेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकादमी/नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से उसका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

22. बौद्धिक परीक्षण सम्बन्धी सूचना, रक्षा मन्त्रालय (मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान निदेशालय) ने “सेवा चयन बोर्डों में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का अध्ययन” (ए स्टडी आफ एटैनिजेन्स टेस्ट कोर्स आफ फैंडीडेट्स एट मॉडिसेज सेलेक्शन बोर्ड्स) शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक को प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्डों के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप और स्वभाव के परिचित हो जाएँ।

यह समूह्य पुस्तक प्रकाशन है और बिक्री के लिये प्रकाशन नियन्त्रण, मित्रिय लाइन्स, दिल्ली-110054 के यहाँ मिल सकती है। डाक द्वारा आदेश देकर या नकद भुगतान के द्वारा उनसे यह सीधे प्राप्त की जा सकती है। केवल नकद भुगतान के द्वारा यह (1) किताब माल, रिबोनी मिन्मा के सामने, एम्पोरियम बिल्डिंग, सी० कनाक, बाबा खड्गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (11) उद्योग भवन की प्रकाशन शाखा, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 के बिक्री केन्द्र पर तथा, (111) भारत सरकार पुस्तकालय, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता 700001 पर भी मिल सकती है।

23. जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा पिछली परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का व्योम सम्मिलित होता है उनके बारे में सूचना—सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई 1978 से इस परीक्षा को योजना में सम्मिलित सभी प्रश्न-पत्रों के लिये बहुचक्र प्रश्न का लागू किया जाने

पर इस परीक्षा के लिये नियमावली और प्रश्न पत्रों सहित पुस्तिका का मुद्रण बन्द कर दिया गया है। किन्तु जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा नवम्बर, 1977 में हुई, सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा तक पिछली परीक्षाओं के प्रश्न पत्रों का म्योरा सम्मिलित है, उनकी बिक्री प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहाँ से मेल आर्डर भ्रष्टा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) क्लाइम मटल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम बिल्डिंग 'सी' ब्लॉक, बाबा खड्गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8-के० एस्० रोड, कलकत्ता-700001 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकायें विभिन्न मुफकसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से प्राप्त की जा सकती हैं।

भार० एम० ग्रहलुवालिया, उप सचिव

परिशिष्ट-I

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्य-विवरण)

क. परीक्षा की योजना

1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा :—

(क) नीचे के पैरा 2 में निविष्ट रीति से लिखित परीक्षा,

(ख) उन उम्मीदवारों का बुद्धि और व्यक्तिगत परीक्षण (इस परिशिष्ट के भाग ख के अनुसार) के लिये साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सविसेज सलेक्शन सेंटर में साक्षात्कार के लिये बुलाया जाय।

2. लिखित परीक्षा के विषय उनके लिये दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिये नियत अधिकतम निम्नलिखित होंगे:—

(क) भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घंटे	100

(ख) नौसेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
अनिवार्य		
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
वैकल्पिक		
* 3. प्रारम्भिक गणित या प्रारम्भिक भौतिकी	2 घंटे	100
* 4. गणित या भौतिकी	2 घंटे	150

* जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न पत्र में भौतिकी विषय लेना होगा तथा जो उम्मीदवार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें चौथे प्रश्न-पत्र में गणित विषय लेना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षण शाखा में प्रवेश के लिए

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100

(घ) वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिए

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1	2	3
1. अंग्रेजी	2 घंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घंटे	100
4. गणित या भौतिकी	2 घंटे	150

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिए जो अधिकतम अंक नियत किए गए हैं वे प्रत्येक विषय के लिए समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकादमी नौ सेना अकादमी अकबर ट्रेनिंग स्कूल और वायु सेना अकादमी में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिए नियत अधिकतम अंक क्रमशः 300 450 200 और 450 होंगे।

3. समस्या विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जायेंगे।

नमूने के प्रश्नों सहित विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट-V पर उम्मी-

दवारों को सूचना विवरणियों में देखिए।

4. प्रश्न-पत्रों में जहाँ भी आवश्यक होगा केवल तोल और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

5. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए लिखने वाले की सहायता मुलभ नहीं की जायेगी।

6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।

ख. परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण

स्तर :

प्रारम्भिक गणित के प्रश्न-पत्रों का स्तर मेट्रिकुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रश्न-पत्र का स्तर उच्चतर माध्यमिक परीक्षा जैसा होगा।

अन्य विषयों में प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

इनमें से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

पाठ्य विवरण

अंग्रेजी

प्रश्न-पत्र इस प्रकार होगा जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

सामान्य ज्ञान

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन प्रतिदिन खेले और अनुभव किए जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति में अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो प्रश्न-पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल से संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को, उन विषयों का विशेष अध्ययन किए बिना देना चाहिए।

प्रारम्भिक गणित

अंक गणित

संख्या पद्धतियाँ—घनसूत्र संख्यायें, पूर्णांक, परिमेय और वास्तविक संख्यायें, मूल संक्रियायें—जोड़, घटाना, गुणन, और विभाजन, वर्ग मूल, वंशमलव भिन्न।

ऐकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतता साधारण तथा चक्रवृद्धि ब्याज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, अनुपात और समानुपात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त—विभाजन की कलन विधि, अभाज्य और भाज्य संख्यायें, 2, 3, 4, 6, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्त्य और गुणन खण्ड/गुणन छंदन प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लघुतम समापवर्तक, युक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगुणक, लघुगुणक के नियम, लघुगुणकीय सारणियों का प्रयोग।

बीज गणित

आधारभूत संक्रियाएँ : साधारण गुणन खण्ड 1 शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य सिद्धान्त। द्विघात समीकरणों का हल, इसके मूलों और गुणकों के बीच सम्बन्ध। (केवल वास्तविक मूल पर विचार किया जाए)। दो अज्ञात राशियों में युगपत रैखिक समीकरण-विवलेषण और ग्राफ सम्बन्धी हल। दो चरों में युगपत रैखिक अभिव्यक्तियों और उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनसे दो चरों में दो युगपत रैखिक समीकरण या असमिकाएँ बनती हैं या एक चर में द्विघात, समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक घातांक नियम।

त्रिकोणमिति :

ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X जब $0^\circ \leq X \leq 90^\circ$ ।

ज्या X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X का मान क्योंकि $X = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ, \text{ और } 90^\circ$ सरल त्रिकोणमिति तत्समक।

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग।

ऊँचाइयों और दूरियों के सरल कोण।

ज्यामिति :

रेखा और कोण, समतल और समतल आकृति: निम्नलिखित पर प्रमेय:—(i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) समानांतर रेखाएँ, (iii) किसी त्रिभुज की भुजाएँ, और कोण, (iv) त्रिभुजों की समरूपता, (v) समरूप त्रिभुज, (vi) मध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का संगमण, (vii) समानांतर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गुण धर्म, (viii) वृत्त और उनके गुण धर्म/जिसमें, स्पर्श रेखा, तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं, (ix) स्थानिक संघक।

विस्तार कलन :

वर्गों, आयतों, समानांतर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल। उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं।

(क्षेत्रही) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन/लम्ब वृत्तीय शंकुओं और बेलनों का पार्श्व-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन।

सांख्यिकी :

सांख्यिकीय तथ्यों का संग्रहण तथा मारणीय। आलेखी निरूपण आरम्भारता बहुभुज आयत चित्र शलाका चार्ट पाई चार्ट आदि केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप रेखाओं के बीच कोण।

प्रारम्भिक भौतिकी

(क) विस्तार कलन:—मापन के मात्रक, सी० जी० एस० और एम० के० एस० मात्रक। अवस्था और संदिश। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के अधीन ऋजुरेखीय गति। न्यूटन के गति नियम। बल की संकल्पना। बल के मात्रक। मात्रा और भार।

(ख) पिंड का बल विज्ञान:—गुरुत्व के अधीन/समानान्तरण बल। गुरुत्व केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मशीन/वेग अनुपात आनत समतल/वक्र और गिरत सहित विभिन्न साधारण मशीनों/घर्षण, घर्षणकोण, घर्षण, गुणांक कार्य, शक्ति, और ऊर्जा/स्थितिज और गतिज ऊर्जा।

(ग) तरल गुणधर्म:—द्रव और प्रणव/वाष्कल का नियम। आर्क-मिटीज का नियम। घनत्व और विशिष्ट गुरुत्व पिंडों और विशिष्ट गुरुत्वों को निर्धारित करने के लिए आर्कमिटीज के नियम का प्रयोग। प्लावन का नियम के गत द्वारा प्रयोग में लाये गये द्रव का मापन। घायल नियम/शायु पम्प।

(घ) ताप:—पिंडों का रेखिक विस्तार और द्रव्यों का घनाकार विस्तार। द्रव्यों का वास्तविक तथा आभासी विस्तार। दृष्टार्थ, नियम परमणुय दायल और चालीय नियम, पिंडों और द्रव्यों का विशिष्ट ताप, फैली-रीमित/ताप का संचरण, धातुओं की ताप संचालकता। स्थिति परिवर्तन। संलयन और वाष्पन की गुप्त ऊष्मा। एम० बी० पी० तमी (आभ्रता ओमांक और आवेक्षक आभ्रता)।

(ङ) प्रकाश:—ऋजुरेखीय संचरण। परावर्तन के नियम। गोलीय वर्णन, अववर्तन, अवगतन के नियम, लेन्स, प्रकाशिन यंत्र कैमरा, प्रक्षेपित, पारापार चित्रदर्शी दूरबीन, सूक्ष्मदर्शी, बाइनीक्युलर तथा परिवर्शी। प्रिज्म, प्रकीर्ण के माध्यम से अपवर्तन।

(च) ध्वनि:—ध्वनि संचरण, ध्वनि परावर्तन, अनुनाद। ध्वनि का अभिलेखन।

(छ) चुम्बकत्व तथा विद्युत:—चुम्बकत्व के नियम, चुम्बकीय क्षेत्र चुम्बकीय बल रेखाएँ, पार्थिक चुम्बकत्व। चालक और रोधी। ओमनियम, पी० डी० प्रतिरोधक विद्युत् चुम्बकीय बल, श्रेणी पार्थ में प्रतिरोधक। विभवमापी विद्युत् चुम्बकीय बल की तुलना। विद्युत् धारा का चुम्बकीय प्रभाव चुम्बकीय क्षेत्र में संचालकता। फेरेमिग का बाम हस्तनियम। मापक यंत्र—धारामापी ऐमीटर, वोल्टमीटर, वाटमीटर, विद्युत् धारा का रासायनिक प्रभाव, विद्युत् लपन, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, फेराडे नियम, भौतिक ए० सी० तथा डी० सी० जनित्र।

भौतिकी

1. पदार्थ के सामान्य गुण और यांत्रिकी

यूनिटें और विभाएँ, स्केलर और वेक्टर, मात्राएँ, जड़त्व, आघूर्ण, कार्य ऊर्जा और संवेग। यांत्रिकी के मूल नियम, पूर्ण गति; गुरुत्वाकर्षण सरल आवर्त गति, सरल और असरल लोचक, प्रत्यास्थता; प्रष्ट तनाव। द्रव की गायनता, रोदरी पम्प।

2. ध्वनि

अवसंदिन, प्रणोदिन और मूकन कम्पन, तरंग गति, डाक्टर प्रभाव ध्वनि तरंग वेग, किसी गैस में ध्वनि के वेग पर दाब, तापमान और/आर्द्रता का प्रभाव, डोरियों, शिल्लियों और गैस स्तम्भों का कम्पन, अनुनाद विसंद, स्थिर तरंगे। ध्वनि का आवृत्ति वेग तथा तीव्रता। पराश्रव्य के मूल तत्व। ग्रामोफोन, टार्कीज और लाउड स्पीकर के प्रारम्भिक मिथान।

3. ऊष्मा और ऊष्मा गतिविज्ञान

तापमान और उष्मा मापन, तापीय प्रसार, गैसों में समतापी तथा द्रवोष्म परिवर्तन। विशिष्ट ऊष्मा और ऊष्मा चालकता; द्रव्य के अनुगति सिद्धांत के तत्व; बोल्ट्जमन के वितरण नियम का भौतिक बोध, बांडरवाल का अवस्था समीकरण, जूल थाम्पसन प्रभाव, गैसों का द्रवण; ऊष्मा इंजन; कार्नोटप्रमेय, ऊष्मागति-विज्ञान के नियम और उनका सरल अनुप्रयोग। कृष्णिका विकिरण।

4. प्रकाश

ज्यामितीय प्रकाशिकी। प्रकाश का वेग, समतल और गोलीय पृष्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और अपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिम्बों में गोलीय और वक्रिक बोध और उनका निवारण। नेत्र और अन्य प्रकाशिक यंत्र प्रकाश का तरंग मिथान, व्यतिकरण।

5. विद्युत् और चुम्बकत्व

विद्युत् क्षेत्र के कारण ऊर्जा, द्रव्य के वैद्युत् और चुम्बकीय गुण धर्म, हिस्टेरिसिस चुम्बकशीलता और चुम्बकीय प्रवृत्ति; विद्युत् धारा में उत्पन्न चुम्बकीय क्षेत्र; मूविंग सेन्नेट एण्ड मूविंग क्वायल गनवेनोमीटर; द्वारा और प्रतिरोध का मापन; रिपुक्तिव सर्किट एलिमेंट्स के गुण धर्म और उनका निर्धारण, ताप विद्युत् प्रभाव, विद्युत् चुम्बकीय प्रेरण, प्रत्यावर्ती धाराओं का उत्पादन। ट्रांसफार्मर और मोटर; इलेक्ट्रॉनिक बाल्ब और उनके सरल अनुप्रयोग।

6. आधुनिक भौतिकी

बोर के परमाणु मिथान के तत्व, इलेक्ट्रॉन, गैसों द्वारा विद्युत् का, बिमजन, कथोडर। रेडियोऐक्टिवता, कृत्रिम रेडियो ऐक्टिवता, आइसोटोप बिखंडन और संचयन की प्रारम्भिक धारणा।

1. बीजगणित :

गणित

गमूचयों का बीजगणित संबंध और फलन, चलन का प्रतिरोध, समुक्त फलन, तुल्यता संबंध, परिमेयसूचकों के लिए य-मोथवर का प्रमेय और उसका सरल अनुप्रयोग।

2. मैट्रिक्स : मैट्रिक्स की बीजगणिता, सारणिक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणनफल, महत्त्व-आयुक्त; मैट्रिक्सों का प्रतिरोधन, मैट्रिक्स की जाति। रेखिक समीकरण के हल निकालने के लिए मैट्रिक्सों का अनुप्रयोग (तीन अज्ञात राशियाँ के)।

3. विश्लेषिक ज्यामिति :

द्विविम की विश्लेषिक ज्यामिति : सरल रेखाएं, सरल रेखाओं की ओकी, वृत्त, वृत्त निकाय, परवलय, दीर्घवृत्त अनिपरिवलय (मुख्य अंशों के संक्षेप में)। द्वितीय अंश समीकरण का मानक रूप में लघुकरण। स्पर्श-रेखाएं और अभिलंब।

त्रिविम की विश्लेषिक ज्यामिति :

समतल, सीधी रेखाएं और गोलाक (केवल कार्तीय निर्देशांक)।

4. कलन (कैलकुलस) और विभिन्न समीकरण :

अवकल गणित : सीमान्त की संकल्पना, वास्तविक श्रृंखला का

मातृत्व और अवकलनियता, मानक फलन का अवकलन, उत्तरोत्तर अवकलन रीज का प्रमेय। मध्यामान प्रमेय; मैकलारिन और टेलर सीरीज (प्रमाण आवश्यक नहीं है) और उनका अनुप्रयोग परिमेय। सूचकों के लिए द्विपदप्रसरण बहुपदों की प्रसरण, लघुगुणकीय त्रिकोण विस्तीय और अति परकलनिक फलन। अनिर्धारित रूप। एकल चर फलन का उच्चिष्ट और अल्पिष्ट, स्पर्शरेखा, अभिलम्ब, अघः स्पर्शी, अघोलम्ब, अन्तस्पर्शी वक्रका (केवल कार्तीय निर्देशांक) जैसे ज्यामितीय अनुप्रयोग। गुनकप, आंशिक अवकलन। समांगी फलनों के सम्बन्धित आयलर प्रमेय।

समाकलन गणित—समाकलन : की मानक प्रणाली। सतत फलन के

निश्चित समाकलन की सीमा—परिभाषा। समाकलन गणित के मूल सिद्धान्त। परिशोधन, क्षेत्रकलन, आयतन और परिक्रमण घनाकृति का पृष्ठीय क्षेत्रफल। मंथ्यात्मक समाकलन के बारे में मिम्पसन का नियम।

अवकल समीकरण : प्रथम कोटि के मानक अवकल समीकरण का हल

निकालना। नियम गुणांक के साथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रेखिक समीकरण का हल निकालना। वृद्धि और क्षय की समस्याओं का सरल अनुप्रयोग, सरल हार्मोनिक स्थानांतरण। माघारण पेन्डुलम और भूमीदिश।

5. यांत्रिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है)।

स्थिति विज्ञान :—समतलीय तथा समांगी बलों की साम्यवस्था की स्थिति। साधारण तत्वों के गुरुत्व केन्द्र। स्थितिक घर्षण, साम्यघर्षण और सीमान्त घर्षण। घर्षण कोण। कृश आतत समतल पर के कण की साम्यावस्था। कल्पित कार्य (दो आयामों में)।

गति विज्ञान : शुद्ध गति विज्ञान :—कण का स्वरण, वेग, चाल और

विस्थापन, आपेक्षित, वेग। निरन्तर स्वरण की अवस्था में सीधी रेखा की गति। न्यूटन गति संबंधी सिद्धांत। केन्द्र कक्षा। सरल प्रवक्ता गति; (निश्चित में) गुरुत्वावस्था में गति। आवेग कार्य और ऊर्जा, रेखिक संवेग और ऊर्जा का संरक्षण। समान वतुल गति।

6. सांख्यिकी—प्रायिकता—प्रायिकता की शास्त्रीय और सांख्यिकीय

परिभाषा, संचयात्मक प्रणाली की प्रायिकता का परिकलन, योग एवं गणन प्रमेय, मप्रतिबंध प्रायिकता। यादृच्छिक चर (विविक्त और अविरत), घनत्व, फलन, गणितीय प्रत्याशा।

मानक वितरण : द्विपद वितरण, परिभाषा, माध्य और प्रसरण,

वैषम्य सीमान्त रूप सरल अनुप्रयोग। प्वासों वितरण परिमापमाध्य और प्रसरण, योश्वता, उपलब्ध आंकड़ों में प्वासों वटन का समंजन। सामान्य वितरण, सरल नमानुपात और सरल अनुप्रयोग, उपलब्ध आंकड़ों में सामान्य में प्रणामाध्य वटन का समंजन।

विभर वितरण :—सह संबंध, दो चरों का रेखिक समाश्रयण, सीधी रेखा का समंजन, परवलनिक और चलघातांकी, वक्र, सह संबंधित गुणांक के गुण।

सरल प्रतिदर्श वितरण और परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण शास्त्रिक प्रतिदर्श (सांख्यिकी, प्रतिदर्शी वटन और मानक त्रुटि। मध्य पथों के अन्तर की अर्थवत्ता के परीक्षण में प्रणामाध्य टी०, सी० एच० आई० (CHI²) जओर एफ० का सरल वितरण।

टिप्पणी : उम्मीदवारों को दो विषयों—सं० 5 यांत्रिकी और सं० 6 सांख्यिकी—में से किसी एक विषय पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का विकल्प होगा।

बुद्धि तथा व्यक्तिगत परीक्षण

उम्मीदवारों की बुद्धिवादी बुद्धि की जांच करने के लिए मासास्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा की जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे जैसे ग्रुप परिवर्तन, ग्रुप योजना, बहुरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निविष्ट विषयों पर सक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेधाप्रकृति की जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर यह परीक्षण वास्तव में न केवल उनके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं अपितु इससे उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामयिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिणित II

(अकादमी/स्कूल में प्रवेश के लिए स्वास्थ्य का मानक)

टिप्पणी—उम्मीदवारों का निर्धारित स्वास्थ्यता मानक के अनुसार शारीरिक रूप में स्वस्थ होना चाहिए। स्वस्थता सम्बन्धी मानक नीचे बताए गए हैं।

बहुत से अर्हताप्राप्त उम्मीदवार बाद में अस्वस्थता के आधार पर अस्वीकृत कर दिए जाने हैं अतः उम्मीदवारों के अपने हित के लिए मनाह की जाती है कि अन्न में निराशा से बचने के लिए उन्हें अपना आबेदन-पत्र भेजने में पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित बहुत से उपयुक्त उम्मीदवारों की स्वास्थ्य परीक्षा सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की जाएगी। जो उम्मीदवार मेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया जाएगा उसको अकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिए जाने का अर्थ यह नहीं होगा या नहीं निकाला जाएगा कि उम्मीदवार अंतिम रूप से चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसकी किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुपयुक्त या अस्वास्थ्य रूप से अनुपयुक्त घोषित उम्मीदवारों का परिणाम उन्हें स्वस्थता प्रमाणपत्र अर्पण प्रस्तुत करने की कार्यविधि के साथ सूचित कर दिया जाता है। मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बन्ध कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को अपने हित में परामर्श है कि यदि उनकी दृष्टि अपेक्षित स्तर की न हो तो सेवा चयन बोर्ड द्वारा मासास्कार स्वास्थ्य-परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें अपने साथ संशोधक ऐनक लानी चाहिए।

1. अकादमी/स्कूल में प्रवेश के लिए उस उम्मीदवार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी अशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो।

2. किन्तु निम्नलिखित बातों के सम्बन्ध में तमल्ली कर ली जाएगी।

(क) कमजोर शरीर गठन, अपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या स्थूलता तो नहीं है।

(ख) हड्डियों और संधियों का कुविक्रम तो नहीं हुआ है और उन में किसी प्रकार की क्षीणता तो नहीं हो गई है।

टिप्पणी 1:—अल्पवृद्धि ग्रैव पर्वकाल वाले उम्मीदवारों को भी स्वस्थ माना जा सकता है यदि उसमें उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही में इस दोष का उल्लेख छोटी-मोटी अशक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।

टिप्पणी 2:—विक्रम में कमी न हो इसके लिए रीड की हड्डी का एकसरे किया जाएगा।

(ग) बोलने में तो बाधा नहीं पड़ती है।

(घ) सिर की रचना में तो दोष नहीं है या खोपड़ी की हड्डी टूटने या दबने से विकृतता तो नहीं आ गई है।

(ङ) कम सुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान बह तो नहीं रहा है या रोगग्रस्त तो नहीं है। टिम्पनिकपम्पमैन से कच्चा जश्म तो नहीं है या उग्र या पुराना मध्य कर्ण शोध के चिह्न तो नहीं है या आसून या मशोधित आसून कर्ण तो नहीं हुआ है।

टिप्पणी—यदि कान के पर्दे का छेद पूरी तरह से भर गया हो, इसको और क्षति न पहुँची हो तथा सुनाई ठीक पड़ता हो तो इस अवस्था को थल सेना के लिए उम्मीदवार की स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।

(च) नाक की हड्डी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज पालिपस तो नहीं है अथवा नासाग्रमनी या सहायक कोटरी का कोई रोग तो नहीं है।

टिप्पणी—नासा पट के छोटे अलक्षणी ऊबधातज छेव के कारण उम्मीदवार को एक दम अस्वीकृत नहीं किया जाएगा बरन ऐसे मामलों में जांच और मत के लिए कर्ण विज्ञान सलाहकार के पास भेजा जाएगा।

(छ) गर्दन या शरीर के अन्य भागों की प्रथिया बड़ी हुई तो नहीं है और धाहराइय ग्रंथि सामान्य है।

टिप्पणी—तपेदिक की ग्रंथियों को हटाने के लिए किए गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृति का कारण नहीं बन सकते हैं बशर्ते कि गत 5 वर्षों में सक्रिय रोग न हुआ हो तो छाती लाक्षणिक जाँच तथा एक्सरे करने पर रोग मुक्त पाई जाए।

(ज) गले, तालू, टोमिल या मसूड़ों का कोई रोग नहीं है तथा किसी भी श्वसकी संधियों की सामान्य क्रिया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।

टिप्पणी—यदि वाग-आर टोमिल शोध होने का कोई नुत न हो तो टोमिलो की अतिवृद्धि अस्वीकृति का कारण नहीं होती।

(झ) हृदय तथा रक्त वाहिकाओं का क्रिया सम्बन्धी या अंग रोग के लक्षण तो नहीं हैं।

(ञ) फेफड़ों की तपेदिक या इस बीमारी का पूर्ववृत्त या फफड़ों की कोई जीर्ण बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।

(ट) जिगर और तिल्ली की किसी विलक्षणता महिन पाचक तन्त्र के किसी रोग का चिह्न तो नहीं है।

(ठ) वंक्षण हर्निया तो नहीं है या उसके होने की प्रवृत्ति तो नहीं है।

टिप्पणी—(i) वंक्षण हर्निया (जिसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो), अस्वीकृति का कारण होगा।

(ii) जिनका हर्निया का आपरेशन हो चुका है उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ माना जाएगा बशर्ते कि:

(i) आपरेशन हुए एक वर्ष व्यतीत हो गया हो। इसके लिये उम्मीदवार को लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

(ii) पेट की पेशी समूह सामान्यतया ठीक है।

(iii) हर्निया की पुनरावृत्ति नहीं हुई है, या इसकी शल्य चिकित्सा से संबंधित कोई उल्लान पैदा नहीं हुई।

(ड) हाइड्रोसिल या निश्चित बैरिकोसिल या जननेन्द्रियों का अन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।

ध्यान दे—(i) यदि हाइड्रोसिल के आपरेशन के बावजूद कोई रज्जु और अण्ड ग्रन्थियों की विलक्षणताये न हो और फाइलेरियासिस

का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा।

- (ii) यदि एक ओर की अन्तः उदरीय अण्डग्रंथि आरोही हो तो हम आधार पर उम्मीदवार को अस्वीकार नहीं किया जाता बशर्ते कि दूसरी अण्डग्रंथि अमामान्य हो तथा इस आरोही अण्डग्रंथि के कारण शारीरिक या मनो-वैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। यदि आरोही अण्डग्रंथि वंक्षण नलिका में अथवा उदरीय विलय में रुकी हो और आपरेशन से ठीक न हो सकती हो तो इस स्थिति से उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(क) फिस्टुला और या गुदा का विदर या बवासीर के मस्ये तो नहीं हैं।

(ण) गुर्बों की कोई बीमारी तो नहीं है। ग्लूकोजमेंह या एल्यूमिन मेंह के सभी रोगी अस्वीकृत कर दिये जायेंगे।

(त) अस्थायी अथवा मामूली शत चिल्लों को छोड़कर कोई ऐसा घर्म रोग तो नहीं है जिसके प्रचार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में अशक्तता या बहुत अधिक कुरूपता आ गई हो या आने की संभावना हो। उसी उम्मीदवार को इसी आधार पर अस्वीकार किया जाएगा।

(थ) कोई सक्रिय गुप्त या जन्मजात रतिज रोग तो नहीं है।

(द) उम्मीदवार या उसके परिवार में भ्रूणमृत रोग का कोई पूर्व वृत्त या प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों को मिर्गी आती हो, जिनका पेशाब जैसे ही या नींद में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(ध) नंगापन या आँख या पलकों की ऐसी विकृति तो नहीं जिसके बढ़ने या दुबारा होने का खतरा हो सकता है।

(न) सक्रिय रोहे (ट्रकोमा) या इसकी जटिलताये तथा अनुप्रभा तो नहीं है।

टिप्पणी—इलाज के लिये आपरेशन प्रवेश से पूर्व करवाए जाएं। अस्तिम रूप से स्वीकार किये जाने की गारन्टी नहीं दी जाती है। तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टतया समझ लेना चाहिए कि क्या आपरेशन वांछनीय है या आवश्यक है इस बात क निर्णय उनके निजी चिकित्सा सलाहकार को ही करना है। आपरेशन के परिणाम अथवा किसी और खर्च का दायित्व सरकार अपने ऊपर नहीं लेगी।

कद, वजन तथा छाती के मापों के लिये मानक।

(क) कद :

- (i) उम्मीदवार के कद की नाप उसे मापदण्ड के सामने दोनों पैर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी। उस समय वजन एडियों पर होना चाहिए पंजे पर या पांव के बाहरी पार्श्वों पर नहीं। वह बिना अफड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उसकी एडियां, पिन्डलियां, नितम्ब और कन्धे मापदण्ड के साथ लगे होंगे उसकी ठोड़ी नीचे की ओर रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर आडी छड़ के नीचे आ जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा। 0.5 सेंटीमीटर से कम वशमलव भ्रष्ट की अपेक्षा की जाएगी। 0.5 सेंटीमीटर का इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या उससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

- (ii) उम्मीदवार के लिये न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौसेना के लिये 157 सेंटीमीटर) है, किन्तु गोरखा, नेपाली, अरमिया, गढ़वाली उम्मीदवारों के लिये नीचे (ख) (i) में दी गई संबंधित सारणी में दिए

गए कद से 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, नेफा, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम और नागालैण्ड के नौसेना के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद 5 सेंटीमीटर और लक्षदीप के उम्मीदवारों के मामले में कद 2 सेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

- (iii) वायु सेना अकादमी के उम्मीदवारों के लिये—

कद—162.56 सें० मी० (64") से 190.50 सें० मी० (75") तक।

टांग की लम्बाई—99.08 सें० मी० (39") से कम नहीं।

(i) वजन :

- (1) उम्मीदवार का वजन पूरी तरह से कपड़े उतरवा कर या केवल जाधिया के साथ किया जाएगा। वजन करते समय 1/2 किलोग्राम का रिकार्ड नहीं किया जाएगा। आयु, कद तथा औसत वजन विषय परस्पर संबंधी सारणी मार्गदर्शन के लिये दी जा रही है:—

पिछले जन्म दिवस को आयु	बिना जूतों के ऊंचाई	वजन औसत	
		न्यूनतम	अधिकतम
1	2	3	4
वर्ष	सेंटीमीटर	किलोग्राम	किलोग्राम
17 से 18 तक	157.5 तथा 165.0 से कम	43.5	55.0
	165.0 तथा 172.0 से कम	48.0	59.5
	172.5 तथा 183.0 से कम	52.5	64.0
	183.0 तथा इससे अधिक	57.0	—
19 वर्ष	160.0 तथा 165.0 से कम	44.5	56.0
	165.0 तथा 172.5 से कम	49.0	60.5
	172.0 तथा 178.0 से कम	53.5	65.0
	178.0 तथा 183.0 से कम	58.0	69.5
	183.0 तथा इससे अधिक	62.5	—
20 तथा अधिक	160.0 तथा 165.0 से कम	45.5	56.5
	165.0 तथा 172.5 से कम	50.0	61.0
	172.5 तथा 178.0 से कम	54.5	66.8
	178.0 तथा 183.0 से कम	59.9	70.5
	183.0 तथा इससे अधिक	63.5	—

केवल नौसेना और वायुसेना के लिये

कद और वजन

सेंटीमीटर में ऊंचाई	आयु		
	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
		कि० ग्रा०	में वजन
1	2	3	4
157 . . .	47	49	50
160 . . .	45	50	51
162 . . .	50	52	52
165 . . .	52	53	55
168 . . .	53	55	57
170 . . .	55	57	58
173 . . .	57	59	60

1	2	3	4
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
183	74	76	77
195	77	78	78

(ii) कद तथा आयु के संबंध में वजन का ठीक-ठीक मानक निश्चित करना संभव नहीं है। अतः परस्पर संबंधी सारणी केवल निर्देशिका मात्र है तथा सभी मामलों में लागू नहीं की जा सकती है। सारणी में दिये गए औसत वजन से 10 प्रतिशत (नौसेना और वायुसेना के मामले में 6 कि० ग्राम कम-ज्यादा) होने पर उसे वजन की सामान्य सीमा के अन्तर्गत माना जाता है। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपर्युक्त मानक से अधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की दृष्टि से वे सभी प्रकार से योग्य हो सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों के अधिक वजन का कारण भारी हड्डियों और पेशीय विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिसका वजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी मानकों के पूरी तरह पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन और आनुवांशिक विकास की कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती:—छाती मली प्रकार विकसित होनी चाहिए और फैलाने पर न्यूनतम फैलाव 5.0 सेंटीमीटर होना चाहिए। उम्मीदवार की छाती का नाप भेते समय उसे हम प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पांख जुड़े हों और उसकी बांहें सिर के ऊपर उठी हों। पीछे की छाती के गिरें इस प्रकार से लाया जाएगा कि पीछे की ओर उसका ऊपरी किनारा अमफलकों (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (स्कोरियर ऐंगिल्स) के भाग लगा रहे और इस का निचला किनारा सामने बूखकों के ऊपरी भाग से लगा रहे। फिर बाहों को नीचा किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे उठे या पीछे की ओर झुके न हों जिससे कि फीता हट जाए, जब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिये कहा जाएगा और छाती का अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। अधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सेंटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84/89, 86/91 इत्यादि।

नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेंटीमीटर से कम दशमलव भिन्न की अपेक्षा की जाएगी तथा 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे अधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

वायु सेना अकादमी के उम्मीदवारों के लिये—

छाती का नाप—पूरी तरह फुलाई हुई छाती 81.28 सें० मी० (32") से कम नहीं होनी चाहिए तथा छाती 5.08 सें० मी० (2") तक फूलनी चाहिए।

छाती का एक्स-रे अनिवार्य है।

वायु सेना अकादमी के लिये: निम्नलिखित भ्रसमानताओं का पता लगाने के लिये सभी उम्मीदवारों का रीढ़ की हड्डी का एकसरे लिया जाना है जो उम्मीदवारी रद्द करने का कारण बन सकती है:—

(i) कोंच की पद्धति द्वारा 7° से अधिक का एकोलियोसिस।

(ii) एस० बी० 1 को छोड़कर रूपाक्षता बाह्यकिश।

(iii) एस० बी० 5 का एकपाक्षिक सैक्रोलीकरण।

(iv) वेबरमैन के रोग, श्वैरमैन के नोड, स्पाण्डिलायसिस या स्पाण्डिलोडि स्पीसिम।

(v) रीढ़ की हड्डी का कोई अन्य महत्वपूर्ण रोग।

(4) दांतों की हालत

इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि चबाने का काम अच्छी तरह करने के लिये प्राकृतिक तथा मजबूत दांत काफी संख्या में हों।

(क) स्वीकृत होने के लिये यह आवश्यक है कि उमने दांतों के लिये कम से कम 14 प्वाइंट प्राप्त किये हों। किसी भी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिये परस्पर अच्छी तरह सटे और दूसरे जगड़े के अनुरूप दांतों को निम्न प्रकार प्वाइंट दिये जायेंगे:—

(i) बीच के काटने वाले दांत, भगल के काटने वाले दांत, रदनक प्रथम तथा द्वितीय छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ प्रत्येक के लिये एक-एक प्वाइंट।

(ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाढ़ तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी दाढ़ के लिये दो-दो प्वाइंट।

पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्वाइंट दिये जायेंगे।

(ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से हम प्रकार सटे हुए हों कि उनसे अच्छी तरह काम लिया जा सके:—

(i) आगे के 6 में से कोई 4 दांत।

(ii) पीछे के 10 में से कोई 6 दांत।

टिप्पणी:—जिन उम्मीदवारों के तकली दांत अच्छी तरह लगे हों उन्हें कमीशन के लिये स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ग) तीव्र पायरिया वाले उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीदवार का पायरिया दांत अधिकारी की राय में बिना दांत निकाले अच्छा किया जा सकता है उसे स्वीकार किया जा सकता है।

(5) दृष्टिमानक (थलसेना)

	अच्छी आंख	खराब आंख
दूर की नजर (चरमा लगाकर)	6/6	6/18

निकट दृष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्ति अचिन्तुकता (एस्टिगमेटिज्म मैनीफेस्ट) सम्मिलित—3.5 डी० से अधिक नहीं। दीर्घ दृष्टि (हाइपरमेट्रोपिया) जिसमें अचिन्तुकता (एस्टिगमेटिज्म) सम्मिलित +3.5 डी० से अधिक नहीं।

टिप्पणी: 1 फेन्डम तथा मोडिया स्वस्थ तथा सामान्य सीमा में होना चाहिए।

2 ध्वनि निकट दृष्टि के सूक्ष्म बिंदुधमन या कोरियारेडिना के अनावश्यक न्यपगतन चिह्न न हों।

3 दोनों आंखों में द्विनेत्री (वाइडोकुलर) दृष्टि संयमित शक्ति और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र चाहिए।

4 कोई ऐसा आंगिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपन अथवा खराब होने की संभावना हो।

निकट दृष्टि (मायोपिया)

किसी भी एक मरेडियम में 0.5 डायोप्ट्रेस अधिक नहीं होनी चाहिए।

द्विनेत्री दृष्टि—उम्मीदवार की द्विनेत्री दृष्टि ठीक होनी चाहिए।

(दोनों आंखों में फ्यूजन फकरटी और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए)। रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान।

जिन उम्मीदवारों को अधोपरिभाषित न्यूनतम वर्ण अवगम मानक सी० पी० 3 (संदोष सुरक्षा) न होता हो उन्हें अयोग्य माना जाएगा:—

सी० पी० 3 (संदोष सुरक्षा)—उम्मीदवार हम योग्य न हो कि वे 1.5 मीटर की दूरी से मकै, संकेत लान और मकैत हरे रंगों की ठीक

प्रकार से पहचान सकें जैसा कि माटिन सैटन में दिखाया गया है या इतिहास बुक/टोकियो मेडिकल कालेज बुक की अपेक्षित प्लेटो को पढ़ सकें।

दृष्टि मानक (नौसेना)

(क) दृष्टि तीक्ष्णता	मानक
दूर की नजर	अच्छी आंख खराब आंख बी 6/6 बी० 6/9 बराबरी सहित 6/6

(ii) विशेष अपेक्षाएं

सामान्यतः नौसेना की सभी शाखाओं के कैंडेडेट/डायरेक्ट एंटी अफमरो को रोज़ दृष्टि तीक्ष्णता के वास्ते डेलाकामा की जांच नहीं की जाएगी और स्वास्थ्य परीक्षा के समय उनसे निम्नलिखित प्रमाण पत्र देने के लिये कहा जाएगा जो मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ नयी कर दिया जाएगा :

"मैं प्रमाणित करता हूँ कि मुझे रतौधी नहीं है और जहाँ तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी सदस्य को भी जन्म से रतौधी नहीं है।

चिकित्सा अधिकारी के प्रति-
हस्ताक्षर उम्मीदवार

वर्ण प्रत्यक्ष	मानक 1
	एम० एल० टी० (माटिन सैटन परीक्षण)

रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान

नेत्र विचलन प्रभृति मेडोक्म राइ/विगटेस्ट के साथ (बशर्ते कि अभि-मरण दोष तथा अन्य रोग लक्षण न हों) निम्नलिखित से अधिक नहीं होनी चाहिए :—

(क) 6 मीटर की दूरी से	
एक्सोफोरियाज	8 प्रिज्म डायोप्टर
इंसोफोरिया	8 प्रिज्म डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म डायोप्टर
(ख) 30 सें० मी० की दूरी से	
इंसोफोरिया	6 प्रिज्म डायोप्टर
एक्सोफोरिया	16 प्रिज्म डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म डायोप्टर
	(होमाट्रोपिया के अन्तर्गत) सही आंख

दूर दृष्टिता की सीमा

दूरदृष्टिता	1.5 डायोप्टर
साधारण दीर्घ दृष्टिता वैषम्य	0.75
	दीर्घ दृष्टिता मरिडियन का दोष।
संयुक्त दीर्घ दृष्टिता वैषम्य	1.5 डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए इसमें से 0.75 डायोप्टर से अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिए।
दूरदृष्टिता	सबसे खराब आंख 2.5 डायोप्टर
साधारण दूरदृष्टिता वैषम्य	1.5 डायोप्टर
संयुक्त दूर दृष्टिता वैषम्य	दूरदृष्टि वैषम्य दोष 2.5 डायोप्टर से अधिक नहीं होना चाहिए,

मायोपिया

द्विनेत्री दृष्टि

इसमें से 1.00 डायोप्टर से अधिक दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं होना चाहिए। किसी एक मायोप्टर में 0.5 डायोप्टर से अधिक न हो।

उम्मीदवारों की द्विनेत्री दृष्टि (दोनों आंखों की संलयन शक्ति तथा पूर्ण दृष्टि क्षेत्र) अच्छी होनी चाहिए।

दृष्टि मानक (वायु सेना)

दृष्टि तीक्ष्णता—एक आंख में 6/6 तथा दूसरी आंख में 6/9 जो ऐनक से 6/6 तक ठीक की जा सकती हो। प्रत्येक आंख में दृष्टि क्षेत्र पूर्ण होना चाहिए।

वर्ण दृष्टि—सामान्य

टिप्पणी :—जिन उम्मीदवारों को ऐनक लगाने की आवश्यकता है वे पात्र नहीं हैं। आंख की फंझाव तथा मीडिया सामान्य होनी चाहिए। आंख की फलको का कोई सक्रिय रोग नहीं होना चाहिए।

6. श्रवण मानक

श्रवण परीक्षा वाक परीक्षण द्वारा की जाएगी। जहाँ आवश्यक होगा श्रवणता मापों (ब्रैक्जामेट्रिक) रिकार्ड भी ले लिए जावेंगे।

(क) वाक परीक्षा—उम्मीदवार को जो कि एक उचित ढंग से शांत कमरे में परीक्षक की ओर घोट करके 809.5 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान में फुनफुमाहट की आवाज सुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को अवशिष्ट वायु से फुनफुमाना चाहिए अर्थात् वह साधारण निःश्वसन अन्त में लेगा।

(ख) श्रवणता मितिक रिकार्ड—उम्मीदवार को प्रत्येक कान से 128 से 4096 साइकल प्रति सेकण्ड की आवृत्ति पर सुनाया जाएगा। (श्रवणतामितिक पाठ्यांक $\times 10$ तथा -10 के बीच होना चाहिए।) (नौ सेना के लिये लागू नहीं है।)

श्रवण मानक (वायु सेना)

610 सें० मी० (20 फुट) की दूरी से प्रत्येक कान से अलग-अलग (दूसरा कान बन्द करके) प्रक्षेपित फुनफुमाहट की ध्वनि सुनने के योग्य होना चाहिए।

नोट :—उम्मीदवार के दोनों कानों के मध्यकण में जैन सामान्य तथा स्वतः गतिशील होनी चाहिए। जिनमें कि यूस्टेगियन ट्यूबों की पेंटेंसी का संकेत मिल सके। किसी चिरकारी या सक्रिय एम० ओ० एम० का चिह्न नहीं होना चाहिए।

मूत्र—शर्करा और एल्बुमिन से रहित होना चाहिए।

ई० सी० जी० (इलेक्ट्रो कार्डियोग्राम) अनिवार्य है तथा यह सामान्य सीमाओं के भीतर होना चाहिए।

नेमी आधारित ई० ई० जी० वायु सेवा अकादमी में सभी उमीदवारों को ई० ई० जी० परीक्षा की जाएगी। जिनमें विशिष्ट अपमाननायें होंगी उन्हें अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

नोट :—वायु सेना अकादमी के लिये उम्मीदवार को सक्रिय या गुप्त तीक्ष्ण या चिरकारी मेडिकल या सज्जक अव्यवस्था अथवा, छून की बीमारियों से मुक्त होना चाहिए। शरीर की हृदयवाहक श्वसन, मूत्र-प्रजनन, तंत्रिका तथा अन्य तंत्र सामान्य होने चाहिए।

परिशिष्ट III

सेना आदि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिये गये हैं :—

भारतीय सेना अकादमी देहरादून में प्रवेश देने वाले उम्मीदवारों के लिये :—

1. भारतीय सेना अकादमी में भर्ती करने में पूर्व :—

(क) उसे इस आशय का प्रमाण पत्र देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई बोट लग जाए या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आवश्यक किसी भौतिक आपरेणन या संवेदनाहरण दवाओं के परिणामस्वरूप 'उसमें कोई शारीरिक अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के बिरुद्ध किसी मुआवजा या अन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।

(ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस आशय के बन्ध-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाने हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन अस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र, पर किये गये व्यय तथा दिये गये वेतन और भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करनी होगी।

2. अंतिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन्हीं उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन "जेंटलमैन कैडेट" के रूप में दर्ज किये जायेंगे। जेंटलमैन कैडेट पर साधारण अनुशासनात्मक प्रयोजनों के लिये भारतीय सेना अकादमी के नियम और विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि, आवास, पुस्तकें, धर्म, शौचिंग और चिकित्सा सहित, प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार अपना खर्च खुद बर्दाश्त करेगा। भारतीय सेना अकादमी में (उम्मीदवारों का न्यूनतम मासिक व्यय 55.00 रु० से अधिक होने की संभावना नहीं है)। यदि किसी कैडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बर्दाश्त करने में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी जा सकती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक आय 450.00 रु० या इससे अधिक हो, वे उस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिये अबल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता/संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के हक्कदार हो तो उन्हें अपने पुत्र/संरक्षित के भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना चाहिए जिसे जिला मैजिस्ट्रेट अपनी अनुशंसा सहित भारतीय सेना अकादमी, देहरादून के कमाण्डेंट को अग्रहित कर देना।

4. भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर, कमाण्डेंट के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी :—

(क) प्रतिमास मान रु० 55.00 के हिसाब से	रुपये
पांच महीने का जेब खर्च	275.00
(ख) वस्त्र तथा उपस्कर की सजा के लिये	800.00
योग	1075.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उर्ज्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापस कर दी जाएगी :—

55.00 रु० प्रतिमाह के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च	275.00 रु०
---	------------

5. भारतीय सेना अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध हैं :—

(1) परशुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है। इस छात्रवृत्ति की राशि अधिक से अधिक 500.00 रु० प्रति वर्ष है जो कि कैडेटों को भारतीय सेना अकादमी में रहने की अवधि के दौरान दी जाती है बशर्ते कि उनकी प्रगति सतोषजनक हो। जिन उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकदार न होंगे।

(2) कर्नेल कैन्डल फ्रैंक मेमोरियल छात्रवृत्ति—इस छात्रवृत्ति की राशि 380/- रुपया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पात्र मराठा कैडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाले किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है।

6. भारतीय सेना अकादमी के प्रत्येक कैडेट के लिये सामान्य शर्तों के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली वरों के अनुसार परिधान भत्ता अकादमी के कमाण्डेंट को सौंप दिया जाएगा। इन भत्ते को जो रकम खर्च होगी वह;

(क) कैडेट को कमीशन दिये जाने पर दे दी जाएगी।

(ख) यदि कैडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को वापस कर दी जायेगी।

कमीशन प्रदान किये जाने पर इन भत्ते में खरीदे गये वस्त्र या अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत संपत्ति बन जायेंगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडेट रथागपत्र दे दे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बुला लिया जाए तो उपर्युक्त वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान रथागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान रथागपत्र देने वाले जेंटलमैन कैडेटों को धनसेना मुख्यालय द्वारा उनका रथागपत्र स्वीकार होने तक घर जाने की आज्ञा दे दी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च उनके वसूल किया जाएगा। भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने से पूर्व उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जेंटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को अपनी रेजिमेन्ट या कोर में वापस भेज दिया जायेगा।

8. यह कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर ही दिया जाएगा। कमीशन देने का तारोख प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने को तारोख अगले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।

9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित छफसरों के समान वेतन और भत्ते, पेंशन और छुटी दी जाएगी तथा सेवा की अन्य शर्तें भी यही होंगी जो सेना के नियमित छफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

प्रशिक्षण :—

10. भारतीय सेना अकादमी में प्रार्थी कैडेट को "जेंटलमैन कैडेट" का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रशिक्षण

बना जाता है ताकि वे इस्कूटी के उप युनिटों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकें। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरान्त जेंटलमैन कैडेटों को सैफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बशर्ते कि एस० ए० ए० पी० ई० में शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

II सेवा की शर्तें:—

(i) वेतन

रैंक	वेतनमान
सैफ्टिनेंट	750-790
सैफ्टिनेंट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
मेफ्टिनेंट कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950
मेफ्टिनेंट कर्नल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2200-2400
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
मेफ्टिनेंट जनरल	3000 प्रतिमास

(iii) योग्यता वेतन और अनुदान

मेफ्टिनेंट कर्नल और उससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रु०, 2400 रु०, 4500 रु० अथवा 6000-रु० के एकमुश्त अनुदान के हकदार हैं। उद्भान प्रशिक्षक (बर्ग 'ख') रु० 70 की दर पर योग्यता वेतन के अधिकांसी होंगे।

(IV) भत्ते:—

(iii) वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं:—

- (क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भत्ते दिए जाते हैं।
- (ख) 50 रु० प्रतिमास की दर से फिट अनुरक्षण भत्ता।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भत्ता मिलेगा। यह विदेश भत्ते की तबनुकूपी एकल दर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक होगा।
- (घ) नियुक्ति भत्ता जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहाँ परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है, तब वे अफसर 70/ रु० प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।
- (ङ) सज्जा भत्ता:—प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु० 1400 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नए सज्जे भत्ते का वाचा किया जा सकता है।

(iv) तैनाती

यस सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

(v) पदोन्नति:

(क) स्थायी पदोन्नति:

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं

समय वेतनमान से

सैफ्टिनेंट	2 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कैप्टन	6 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर	13 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर से मेफ्टिनेंट कर्नल यदि चयन द्वारा पदोन्नति न हुई हो	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा

चयन द्वारा

सैफ्टिनेंट कर्नल	16 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नल	20 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगेडियर	23 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल	25 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
मेफ्टिनेंट जनरल	28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल	कोई प्रतिबन्ध नहीं

(ख) कार्यकारी पदोन्नति:

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर, अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे बशर्ते कि रिक्तियां उपलब्ध हों:—

कैप्टन	3 वर्ष
मेजर	5 वर्ष
मेफ्टिनेंट कर्नल	6-1/2 वर्ष
कर्नल	8-1/2 वर्ष
ब्रिगेडियर	12 वर्ष
मेजर जनरल	20 वर्ष
मेफ्टिनेंट जनरल	25 वर्ष

(ख) नौसेना अफसरों कोषीन में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए:—

1. (क) जो उम्मीदवार अफसरों में प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुन लिए जाएंगे, उन्हें नौसेना की कार्यकारी शाखा में कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अफसरों कोषीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी:—

(1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र नहीं दिया हो।

(i) 45.00 रुपए प्रतिमास की दर से पांच मास के लिए जब खर्च	225.00 रु०
(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए	480.00 रु०
जोड़	685.00 रु०

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए आवेदन-पत्र दिया हो।

(i) 45.00 रु० प्रतिमास की दर से दो मास के लिए जब खर्च	90.00
(ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए	480.00
जोड़	550.00

(ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में भेजा दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा —

- (क) कैडेट प्रशिक्षण तथा नौकाय का 6 मास का प्रशिक्षण . . . 1 वर्ष
- (ख) मिडशिपमैन नौकाय प्रशिक्षण . . . 6 मास
- (ग) कार्यकारी सब-लेफ्टिनेन्ट तकनीकी पाठ्यक्रम . . . 12 मास
- (घ) सब-लेफ्टिनेन्ट

पहुरा देने का प्रमाण-पत्र देने के लिए 6 मास की न्यूनतम समुद्री सेवा आवश्यक है।

- (ii) नौसेना अकादमी में कैडेटों के शिक्षण, आवास और संबंध सेवाओं, पुस्तकों, वर्दी, भोजन तथा शकटरी इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी। किन्तु कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को उनका जेब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैडेट के माता-पिता/अभिभावकों की मासिक आय 450 रु० से कम हो और वह कैडेट का जेब खर्च पूर्णतया: अथवा आंशिक रूप से पूरा न कर सकते हों तो सरकार कैडेट के लिए 55 रु० प्रतिमास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है। वित्तीय सहायता देने का दृष्टिकोण उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद शीघ्र ही अपने जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन-पत्र दे सकता है। जिला मजिस्ट्रेट उस आवेदन पत्र को अपनी अनुमति के साथ निदेशक, कार्मिक सेवा नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देगा।

यदि किसी माता-पिता/अभिभावक के दो अथवा उससे अधिक पुत्र या आश्रित नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की श्रद्धा के लिए उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि माता-पिता/अभिभावक की मासिक आय 500/-रु० से अधिक न हो।

- (iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है। अकादमी छोड़ने के बाद उनके पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुसार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों की मिलने वाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैडेटों की मिडशिपमैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जाएगी और वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।

- (iv) कैडेटों को सरकार से निःशुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने और उनकी एकरूपता को सुनिश्चित करने के लिए, ये कपड़े नौसेना अकादमी से तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को वहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिए आवेदन-पत्र देने वाले कैडेटों को कुछ कपड़ा निःशुल्क या उधार दिए जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीदने होंगे।

- (v) प्रशिक्षण के दौरान वित्तिस कैडेटों को अपने मूल रैंक के वही वेतन और वही भत्ते मिलेंगे जो वे कैडेटों के चुने जाने के

समय ताकिक या नेवा या अप्रेंटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यदि उन्हें उन रैंक में वेतन वृद्धि दी जानी हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन और भत्ते, सीधे भर्ती होने वाले कैडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वे उस सहायता को प्राप्त करने के पात्र हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के अन्तर की राशि भी मिलेगी।

- (vi) सामान्यतः किसी कैडेट की प्रशिक्षण के दौरान रद्दाग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिस कैडेट को भारतीय नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोई पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण से वापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सविस कैडेट को उसकी मूल सविस पर वापस भेज दिया जाएगा। जिस कैडेट को इस प्रकार प्रशिक्षण से हटाया जाएगा या मूल सविस पर वापस भेजा जाएगा, वह परवर्ती कोर्स में चुनाव दाखिल होने का पात्र नहीं रहेगा। किन्तु जिन कैडेटों को कुछ कठुणाज्य कारणों के आधार पर रद्दागपत्र देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुणा-वगुण के आधार पर विचार किया जाता है।

1. किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना से कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/अभिभावक को :

- (क) इस आशय के प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भाँति समझता है कि यदि उनके पुत्र को या आश्रित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाए या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन से या आपरेशन के दौरान मृच्छित करने की औपधि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उनके पुत्र या आश्रित को सरकार से मुआवजा मांगने के दावे का या सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।

- (ख) इस आशय के बांझ पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियन्त्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा होने से पहले वापस जाना चाहे या यदि कमीशन दिए जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, मुल्क, भोजन, वस्त्र, वेतन तथा भत्ते, जो कैडेटों ने प्राप्त किए हैं, उनका मूल्य या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेवारी वह लेता है।

3. वेतन और भत्ते

- (क) वेतन

वेतनमात्र	
रैंक	सामान्य सेवा
मिडशिपमैन	560.00 रुपए
एफिटिंग सब-लेफ्टिनेन्ट	750.00 रुपए
सब-लेफ्टिनेन्ट	830-870 रुपए
लेफ्टिनेन्ट	1100-1450 रुपए
लेफ्टिनेन्ट-कमांडर	1450-1800 रुपए
कमाण्डर (चयन मान द्वारा)	1750-1950 रुपए

रैंक	सामान्य सेवा
कमांडर (समय वेतनमान द्वारा)	1900.00 रुपए (नियत)
कैप्टन	1950-2400 रुपए (कमांडर वह वेतन प्राप्त करता है जिसके लिए वह कैप्टन के रूप में वरिष्ठता के आधार पर हकदार होता है।)
रियर एडमिरल	2500-125/2-2750 रुपए
वाइस एडमिरल	3000 रुपए

(ख) भत्ते

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

- मिलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर सेवा मंजूगारि भत्ता मिलता है।
- 50/- रु० प्रतिमास की दर से फिट अनुक्षण भत्ता (कमांडर रैंक के तथा उनसे नीचे के रैंक के अफसरों को)।
- जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के अनुसार 50/- रुपए से 250/- रुपए तक प्रतिमास प्रवास भत्ता।
- 70/- रु० प्रति मास के हिसाब से इन अफसरों को नियमित भत्ता मिलेगा :—
 - जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहाँ वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
 - जिन विवाहित अफसरों की आई० एन० जहाजों पर तैनात किया जाएगा अथवा जितनी अवधि के लिए वे बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
 - जितनी अवधि के लिए बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उतनी अवधि के लिए उन्हें मुफ्त राशन मिलेगा।

टिप्पणी I :—उपर्युक्त के अलावा संकट के समय काम करने की राशि पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी वेतन, सर्वेक्षण आनु-तोषिक/अहंता वेतन/अनुदान तथा गोता खोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रिधायक भी अफसरों को दी जा सकती हैं।

टिप्पणी II :—अफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेवाओं के लिए अपनी सेवाएं भ्रमित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिए चुने गए अफसर बड़े हुए वेतन तथा भत्तों को पाने के हकदार होते हैं।

4. पदोन्नति

- (क) समय वेतनमान द्वारा
- | | |
|--|---|
| मिडशिपमैन में एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट तक | 1/2 वर्ष |
| एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट में सब-लेफ्टिनेंट तक | 1 वर्ष |
| सब-लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट तक | एक्टिंग और स्थायी सब-लेफ्टिनेंट (वरिष्ठता के साथ/समपूरण के अधीन) रूप में 3 वर्ष |

लेफ्टिनेंट में लेफ्टिनेंट कमांडर तक लेफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की वरिष्ठता
लेफ्टिनेंट कमांडर में कमांडर तक 24 वर्ष की संगणनीय (यदि चयन द्वारा पदोन्नति हुई हो) कमीशन प्राप्त सेवा।

- (ख) चयन द्वारा
लेफ्टिनेंट कमांडर में कमांडर तक लेफ्टिनेंट कमांडर के रूप में 2-8 वर्ष की वरिष्ठता।
कमांडर से कैप्टन तक कमांडर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।
कैप्टन से रियर एडमिरल और उससे ऊपर तक कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं।

5. तैनाती

अफसर भारत और विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

टिप्पणी:—यदि किसी और सूचना की आवश्यकता हो तो वह निवेशक कार्मिक सेवा नौसेना मुख्यालय नई दिल्ली 110011 से प्राप्त की जा सकती है।

(ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए :—

1. इससे पूर्व कि उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास, मद्रास में भर्ती हों:—

(क) उसे इस आशय से प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह अपनी भविष्य की मसजदा है कि उसे या उसके वैध वारिसों को सरकार से मुआवजे या अन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट या शारीरिक दुर्घटना हो जाए या मृत्यु हो जाए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन या आपरेशन के दौरान मूर्च्छित करने की ओपधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।

(ख) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के अधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार कोस पूरा करने से पूर्व वापिस जाना चाहे या यदि दिए जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण, प्राप्त करते हुए शादी कर ले तो उसे शिक्षा, खाना, वस्त्र और वेतन तथा भत्ते जो उसने प्राप्त किए हैं, उनकी लागत या उनका वह अण जो सरकार निर्णय करे, चुकाने के जिम्मेदार होंगे।

2. जो उम्मीदवार अंतिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोस पूरा करना होगा। इन उम्मीदवारों को "सेना अधिनियम के अन्तर्गत जेन्टलमैन कैडेट" के रूप में नामांकित किया जाएगा। सामान्य अनुशासन की दृष्टि से ये जेन्टलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास, पुस्तकें, वस्त्र व भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है, सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जेब खर्च वहन करना होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम 55 रु० प्रतिमास से अधिक खर्च की सभावना नहीं है। किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, मरसपाटा इत्यादि का शौक रखता हो, तब उसे अतिरिक्त धन की आवश्यकता होगी। यदि कोई कैडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूरा या आंशिक रूप में वहन नहीं कर सके

तो उसे समय-समय पर परिचर्तनीय वरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है। बगलें कि कैपेट और उसके माता-पिता/अभिभावक की आय 450 रुपये प्रति मास से कम हो। वर्तमान आवेशों के अनुसार वित्तीय सहायता की दर 55 रुपये प्रति मास है। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक हो, उसे प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चुने जाने के बाद निर्धारित प्रपत्र पर एक आवेदन अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी सत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेदन पत्र को कमांडेंट, अफसर ट्रेनिंग स्कूल, मद्रास को भेज देगा।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अंतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चुने गए उम्मीदवारों को वहाँ पहुँचने पर कमांडेंट के पास निम्नलिखित धन-राशि जमा करनी होगी :—

(क) 55.00 रु० प्रतिमास की दर से दस महीने के लिए जेब खर्च	550.00 रुपये
(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिए	500.00 रुपये
योग	1050.00 रुपये

यदि कैपेटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने दी गई राशि वापस कर दी जाएगी।

5. समय-समय पर जारी किए गए आवेशों के अन्तर्गत परिधान भत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र, तथा अन्य आवश्यक चीजें कैपेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेंगे। यदि कैपेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में रवाना पत्र दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित की दृष्टिगत रखते हुए निपटारा कर दिया जाएगा।

6. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान रवाना-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। किन्तु प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाद रवाना-पत्र देने वाले जेंटलमैन कैपेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका रवाना-पत्र स्वीकृत होने तक घर जाने की आज्ञा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उससे प्रशिक्षण भी-न तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च वसूल किया जाएगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों की इस आशय का एक बांड भरना होगा।

7. जिस जेंटलमैन कैपेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जाएगा जैसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण मि-हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सेनिक उम्मीदवार को उसकी रेंजिमेंट कोर में वापस भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रदान कर दिए जाने के बाद वेतन तथा भत्ते पेशन छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्तें निम्न प्रकार होंगी।

9. प्रशिक्षण

1. चुने गए उम्मीदवारों को सेवा अधिनियम के अन्तर्गत जेंटलमैन कैपेटों के रूप में नामांकित किया जाएगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरान्त जेंटलमैन कैपेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सेकेंड लेफ्टिनेंट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है।

10 सेवा की शर्तें

(क) परीक्षा की अवधि

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 मास की अवधि तक परीक्षाधीन रहूँगा। यदि उसे परीक्षा की अवधि के दौरान कमीशन धारण करने के अनुपयुक्त बताया गया तब उसकी परीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

(ख) तैनाती

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

(ग) नियुक्ति की अवधि तथा पबोसति

नियमित बस सेवा में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रदान किया जाएगा जो अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अवधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे वे, यदि हर प्रकार से पात्र तथा उपयुक्त पाए गए, तो संबंधित नियमों के अनुसार उनके अल्पकालिक सेवा कमीशन के अंतिम वर्ष में उनकी स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया जाएगा। जो पांच वर्ष की अवधि के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने की अर्हता प्राप्त नहीं कर पाएँगे उन्हें पांच वर्ष की अवधि पूरी होने पर निर्मुक्त कर दिया जायेगा।

(घ) वेतन और भत्ते

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन और भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है।

सेकेंड लेफ्टिनेंट और लेफ्टिनेंट के वेतन की दर इस प्रकार है :—
सेकेंड लेफ्टिनेंट—750-790 रु० प्रति मास।

लेफ्टिनेंट—830-950 रु० प्रति मास।

तथा अन्य भत्ते जो नियमित अफसरों को मिलते हैं।

(से) छुट्टी

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिए, लागू नियमों से प्राप्ति होंगे जो सेना अवकाश नियमावली खंड-1 थल सेना, के अध्याय पांच में उल्लिखित हैं। वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पॉसिंग आउट करने पर तथा ब्यूटी ग्रहण करने से पूर्व उक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के अनुसार भी छुट्टी के हकदार होंगे।

(ज) कमीशन की समाप्ति

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है :—

- (i) अवधार करने या असंतोषजनक रूप से या सेवा करने पर, या
- (ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर;
- (iii) उसकी सेवाओं की और अधिक आवश्यकता होने पर; या
- (iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में अर्हता प्राप्त करने में असफल रहने पर।

नौत महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर की फरणाजन्य कारणों के आधार पर कमीशन से रवाना-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है। किन्तु इसकी पूर्णतः निणयिक भारत सरकार हो होगी। फरणाजन्य कारणों

के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई अफसर सेवात उपदान पाने का दावा नहीं होगा।

(छ) पेंशन लाभ

(i) ये सभी विचारधीन हैं।

(ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 5000 00 रु० का सेवात उपदान पाने के हकदार होंगे।

(ज) रिजर्व में रहने का वायिदा

5 वर्ष की अल्पकालिक सेवा कमीशन सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद वे 5 वर्ष की अवधि के लिए या 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

(झ) विविध

सेवा संबंधी अन्य सभी बातें, जब तक उनका उपयुक्त उपबन्धों के साथ भेद नहीं होता है, वही होगी जो नियमित अफसरों के लिए लागू हैं।

(ष) वायु सेना अकादमी में प्रवेश देने वाले उम्मीदवारों के लिए

1 चयन—भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में दो प्रकार से भर्ती की जाती है। अर्थात् संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से डायरेक्ट एंट्री और वायु स्कंध बरिष्ठ प्रमाण के माध्यम से एन० सी० सी०।

(क) डायरेक्ट एंट्री—आयोग लिखित परीक्षा के आधार पर चयन करता है, ये परीक्षाएं एक वर्ष में सामान्यतः वर्ष में दो बार मई और नवम्बर में की जाती हैं। सफल उम्मीदवारों को वायु सेना चयन बोर्ड के सामने परीक्षण और साक्षात्कार के लिए भेजा जाता है।

(ख) एन० सी० सी० के माध्यम से प्रवेश राष्ट्रीय कैडेट कोर महा-निदेशक द्वारा विभिन्न एन० सी० सी० यूनिटों के माध्यम से एन० सी० सी० के उम्मीदवारों से आवेदन पत्रों को आमंत्रित करके उन्हें वायु सेना मुख्यालय को अग्रसारित कर दिया जाता है। पात्र उम्मीदवारों को परीक्षण और साक्षात्कार के लिए वायु सेना चयन बोर्ड के सामने प्रस्तुत होने का निवेश किया जाता है।

2 प्रशिक्षण पर भेजना वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुसूचित और उपयुक्त चिकित्सा प्राधिकरण द्वारा शारीरिक रूप से स्वस्थ पाए जाने वाले उम्मीदवारों को वरीयता तथा उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के आधार पर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। डायरेक्ट एंट्री उम्मीदवारों की वरीयता सूची संघ लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार की जाती है और एन० सी० सी० उम्मीदवारों की वरीयता सूची अलग में तैयार की जाती है। डायरेक्ट एंट्री उड़ान (पाइलट) उम्मीदवारों की वरीयता सूची सं० सी० से० आ० द्वारा लिखित परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्तांकों तथा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों को जोड़ कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कैडेट कोर के उम्मीदवारों की वरीयता सूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाती है।

3 प्रशिक्षण वायु सेवा अकादमी में उड़ान शाखा (पाइलट) के लिए प्रशिक्षण की अवधि लगभग 75 सप्ताह होगी।

4 भविष्य में पदोन्नति की संभावनाएं—प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवारों को पाइलट अफसर का रैंक दिया जाता

है और वे उसी रैंक के वेतन तथा भत्ते प्राप्त करने के हकदार होंगे। भर्ती वर्तमान वरों के आधार पर, उड़ान शाखा के अधिकारियों को लगभग रु० 1575/- प्रति माह मिलते हैं जिसमें उड़ान वेतन रु० 375/- प्रतिमाह भी सम्मिलित है। वायु सेना का भविष्य बहुत उज्ज्वल होता है यद्यपि विभिन्न शाखाओं में इस प्रकार की संभावनाएं अलग अलग होती हैं।

भारतीय वायु सेना, में दो प्रकार से पदोन्नति होती है अर्थात् कार्यकारी रैंक प्रदान करके और स्थायी रैंक प्रदान करके प्रत्येक उच्च रैंक के लिए अतिरिक्त परिलब्धियां निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर आधारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के अच्छे अवसर मिलते हैं। स्क्वैड्रन लीडर और विंग कमांडर के रैंक में समय वेतन मान पदोन्नति, उड़ान (पाइलट) शाखा में क्रमशः 11 वर्ष की तथा 24 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विंग कमांडर और उससे ऊपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति निर्धारित गठित पदोन्नति बोर्डों द्वारा चयन के आधार पर की जाती है। उदीयमान अधिकारियों के लिए पदोन्नति के अच्छे अवसर होते हैं।

5 वेतन तथा भत्ते —

मूल रैंक	उड़ान शाखा
	रु०
पाइलट अफसर	825-865
फ्लाइट अफसर	910-1030
फ्लाइट सैप्टिनेंट	1150-1550
स्क्वैड्रन लीडर	1450-1800
विंग कमांडर	1550-1950
ग्रुप कैप्टन	1950-2175
एअर कमांडर	2200-2400
एअर वाइस मार्शल	2500-2750
एअर मार्शल	3000-

महागई तथा प्रतिकर भत्ते—अधिकारियों को ये भत्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मचारियों को लागू होने वाली भत्तों के अन्तर्गत निश्चित की गई वरों पर मिलते हैं।

किट अनुरक्षण भत्ता—रु० 50/- प्रति माह, उड़ान वेतन, उड़ान शाखा के अधिकारी निम्नलिखित वरों पर उड़ान वेतन प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

विंग कमांडर और उस से नीचे	रु० 375 00 प्रति माह
ग्रुप कैप्टन और एअर कमांडर	रु० 333.33 प्रति माह
एअर वाइस मार्शल और उससे ऊपर	रु० 300 00 प्रति माह

योग्यता वेतन—कमीशन सेवा के दो या दो से अधिक वर्ष पूर करने वाले विंग कमांडर और उससे नीचे के रैंक के अधिकारियों को विशिष्ट योग्यताओं के लिए निर्धारित वरों पर योग्यता वेतन/अनुदान प्रदान किया जाता है। योग्यता वेतन की दरें रु० 70/- और रु० 100/- हैं और अनुदान रु० 6000/- रु० 4500/- रु० 2400/- और रु० 1600/- हैं।

प्रवास भत्ता—जल वायु सेवा अधिकारियों की टुकड़ियों के रूप में भेजा जाता अपेक्षित होता है। उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सचिव द्वितीय सचिव/ प्रथम सचिव/ कन्सुलर को दिए जाने वाले निवेश भत्ते का 25 0/0 से 40 0/0 तक पचासवें रैंक के अनुसार) प्रवास भत्ता दीया जाता है।

नियुक्ति भत्ता:—रेवे बिमाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति युनिट

में होती है/गैर परिवार स्टेज्ड स्थित/सरकार द्वारा अधिसूचित ऐसे स्थान जहाँ अधिकारियों को परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं होती है उन्हें ₹ 70/- प्रतिमाह की दर से नियुक्ति भत्ता दिया जाएगा।

परिधान भत्ता—वर्षा/उपस्कर जो कि प्रत्येक अधिकारी को अवश्य

रखनी पड़ती है उसके मूल्य के बबले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परिधान भत्ता ₹ 1400/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है)। नवीकरण के लिए हर मात साल के बाद ₹ 1200/- दिए जाएंगे।

कैम्प किट; कमीशन प्रदान करने समय मुफ्त दी जाती है।

6. छुट्टी और अवकाश यात्रा रियायत भत्ता

वार्षिक अवकाश	वर्ष में 60 दिन
आकस्मिक अवकाश	वर्ष में 20 दिन: एक बार से 10 दिन से अधिक नहीं।

कमीशन प्राप्त करने के एक वर्ष के बाद भी अधिकारी वार्षिक/आकस्मिक अवकाश लेने से तथा उनके परिवार के सदस्य मुफ्त सवारी के हकदार होंगे चाहे अवकाश की अवधि कुछ भी क्यों न हो। जनवरी, 1971 से प्रारम्भ होने वाले दो वर्ष के क्लाक में एक बार अधिकारी अपने ब्यूटी स्थान (यूनिट) से घर तक आने के लिए निःशुल्क सवारी के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जाएगा तो उस वर्ष उसे परानी सहित 965 कि० मी० के रास्ते के लिए जाने और जाने दोनों तरह की सुविधा देने के हकदार होंगे।

इसके अतिरिक्त उड़ान शाखा के अधिकारियों को, जो प्राधिकृत स्थापना में रिक्तिवों को भरने के लिए नियमित उड़ान ब्यूटी पर तैनात होते हैं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार वारंट पर 1800 कि० मी० की दूरी को तय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा होगी इसमें जाने और जाने की यात्रा सम्मिलित होगी।

जो अधिकारी छुट्टी लेकर अपने स्वयं से यात्रा करने के इच्छुक हैं वे कैलेण्डर वर्ष में तीन बार पत्नी तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराए का 60 % सुगुप्तान करके यात्रा करने के हकदार होंगे। इसमें एक बार पूरे परिवार के साथ यात्रा की सुविधा दी जाएगी। परिवार में पत्नी तथा बच्चों के अलावा अधिकारी पर पूर्णतया आश्रित माता पिता, बहनें और नाबालिग भाई शामिल होंगे।

7. पेंशन लाभ:—

सेवा निवृत्ति के समय रैंक (स्थायी)	अर्हक सेवा की न्यूनतम अवधि	निवृत्ति पेंशन की मानक दर
पायलट अफसर/ फ्लाइटिंग अफसर	20 वर्ष	525 ₹० प्रतिमाह
पायलट लैफ्टनेंट	20 वर्ष	750 ₹० प्रतिमाह
स्वैरान लीडर	22 वर्ष	875 ₹० प्रतिमाह
विक्रमोडर (समय बेतनमान)	26 वर्ष	900 ₹० प्रति माह
विप क्रमोडर सलेक्टिव	24 वर्ष	950 ₹० प्रति माह
ग्रुप कैप्टन	26 वर्ष	1100 ₹० प्रति माह
एअर कमांडोर	28 वर्ष	1125 ₹० प्रति माह
एअर वाईस मार्शल	30 वर्ष	1275 ₹० प्रति माह
एअर मार्शल	30 वर्ष	1375 ₹० प्रति माह
एअर चीफ मार्शल	30 वर्ष	1700 ₹० प्रति माह

8. सेवा निवृत्ति उपदान

राष्ट्रपति की बिबिसा पर सेवा निवृत्ति उपदान निम्नलिखित है —

- (क) 10 वर्ष की सेवा के लिए—₹० 12,000/-
जिसमें से पिछले रैंक के ढेड़ महीने का बेतन घटाकर
- (ख) प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए—₹० 1200/-
जिसमें से पिछले रैंक के 1/2 महीने का बेतन घटाकर

पेंशन या उपदान के अतिरिक्त प्रत्येक छः महीने की अवधि की अर्हक सेवा के लिए कुल परितन्त्रियों के चौपाई के बराबर मृत्यु और नेवानिवृत्ति उपदान देय है जो कि परितन्त्रियों का 16 2/3 गुना होगा और ₹० 30,000 से अधिक नहीं होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और सेवा निवृत्ति उपदान निम्नलिखित रूप से होंगे:—

- (क) सेवा के पहले वर्ष यदि मृत्यु हो जाए तो दो महीने का बेतन;
- (ख) यदि एक वर्ष की सेवा के बाद तथा पांच वर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाए तो छः महीने का बेतन;
- (ग) पांच वर्ष की सेवा के बाद यदि मृत्यु हो जाए तो कम से कम 12 महीने का बेतन।

विकलांगता पेंशन और बच्चों और आश्रितों (माता, पिता, बहिन तथा भाई) को विशेष परिवार पेंशन पुरस्कार भी निर्धारित नियमों के अनुसार देय है।

परिशिष्ट IV

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन करने वाले

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा

प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री
पुत्र श्री जो गांव/कस्बा*
..... जिला/मंडल*
..... राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र के निवासी हैं जाति/जन जाति के हैं जिसे निम्न-लिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति* के रूप में मान्यता दी गई है:—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जनजातियां सूचियां (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, त्रिमास्य प्रदेश राज्य अधिनियम, 1971 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971, और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा तथा संशोधित)

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां, आदेश, 1956।

संविधान (अठ्ठमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959* अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (मशीधन) अधिनियम, 11/6 द्वारा यथा मणौधिम)।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान दादरा और नागर हवेली), अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश), आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1968*

संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2 श्री
 और/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*
 जिला/महल*
 राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र में रहता है।
 हस्ताक्षर
 **वदनाम
 (कार्यालय की मोहर के साथ
 राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र
 स्थान
 तारीख

*जो शब्द लागू न हो उन्हें कृपया काट दें।

नोट—यहां "आम तौर से रहता है" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

**जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर/ऐडीशनल डिप्टी कमिशनर-डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट/मिडी मजिस्ट्रेट*सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट/तालुक मजिस्ट्रेट/एकजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा अमिस्ट्रेट कमिशनर।

*प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं।

(ii) चीफ प्रेमिडेंसी मजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/प्रीमिडेंसी मजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहां उम्मीदवार और/या वह उसका बेरिजाम आमतौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेप्युटी सचिव अफसर (लगाव)।

परिशिष्ट V

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों को सूचनाएं विवरणिका

क वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं उसको "वस्तुपरक परीक्षा" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आपने प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिये कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आप प्रत्युत्तर कहा जायगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिनसे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ख परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न-पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 के क्रम में प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c क्रम में सभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिये एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अर्थात् विये गए नमूने के प्रश्नांश देख लें) किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिये आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेंगे तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिये आपको प्रश्न से एक उत्तर पत्रक परीक्षा केंद्र में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़ कर अन्य किसी कागज पर लिखे गये उत्तर जांचे नहीं जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएँ 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e, के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण-पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा सही प्रत्युत्तर या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को वशति माने आयात को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक में नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयात को काला बनाने के लिये स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

हमलिये यह जरूरी है कि

1 प्रश्नांशों के उत्तर के लिये केवल अच्छी किस्म की एम्. बी. पेंसिल (पेंसिल) ही लायें और उसी का प्रयोग कर।

2 अगर आपने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिये आप अपने साथ एक रबर भी लायें।

3 उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी भ्रष्टाचारवादी न हो जिससे वह खराब हो जाये या उसमें मोड़ या सलबट आदि पड़ जाए और वह टेढ़ा हो जाए।

ग. कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निर्धारित समय से प्रान्ति मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुँचना होगा और पहुँचने ही अगला स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। (आपकी परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केंद्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ-साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण पुस्तिका में दिये गये सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो जायें। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है तो उस प्रश्नांक के लिये आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिये गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने का कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आपको अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेसिल, एक रबड़, एक पेसिल शार्पेनर और नीली या काली स्याही वाली बल्ब भी लानी होगी। आपको यह भी हलाहू दी जाती है कि आप अपने साथ एक फ्लिप बोर्ड या एक हाई बोर्ड या एक कार्टे बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ भी न लिखा हो। यदि आपको बी गई मेज की समझ समतल नहीं है तो इसकी समझ समतल होने के कारण आपको परीक्षण पुस्तिका में उत्तर अंकित करने में सुविधा होगी। आपको परीक्षा भवन से कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि इसकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिये आपको एक अलग कागज ब्रिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

ड. विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ आते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। जैसे ही आपको परीक्षण पुस्तिका मिल जाए तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है। अन्यथा उसे बर्बाद करें। जब यह हो जाए तब आपका उत्तर पत्रक के सबूत स्थान में अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या लिखना होगी।

घ. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा श्रुति का आकृति है फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का दक्षता से उपयोग करें। सतुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं वहां पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे

पाते हैं तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम हों उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरी प्रश्नों को हल करें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा दत्त सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के अंक नहीं काटे जायेंगे।

छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बंद करने को कहें आप लिखना बंद कर दें। जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठें रहे जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक और कच्चा कार्य करने का पत्रक न ले जायें और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक और कच्चा कार्य करने का पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्न

1. सौर्यवश के पतन के लिये निम्नलिखित कारणा में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है?

- (a) अणुशक्ति के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- (b) अणुशक्ति के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (d) अणुशक्ति युग में आर्थिक रिकतता थी।

2. समश्रीय स्वरूप की सरकार में।

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

3. पाठशाला के छात्र के लिये पाठ्येतर कार्य क्ताप तो मुख्य प्रयोजन

- (a) विकास की सुविधा प्रदान करता है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम करना है।
- (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम से विकल्प देना है।

4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह हैं।

- (a) शुक
- (b) मंगल
- (c) बुधस्पति
- (d) बुध

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौनसा विवरण स्पष्ट करता है?

- (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं मिट्टी का क्षरण उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं तबथा उतना ही गाढ़ व भारी होती है जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, तबथा उतना ही कम गाढ़ व भारी होती है जिससे बाढ़ रोकती जाती है।
- (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से वृद्धि विध्वन जाती है जिससे बाढ़ रोकती जाती है।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 13th May 1980

No. A.35014/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following two temporary Section Officers of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad-hoc* basis on deputation to the posts indicated against each for a period, from 5-5-1980 to 4-8-1980, or until further orders, whichever is earlier.

1. Shri Yoginder Nath—S. O. (Special-Examination)
2. Shri D. R. Madan—S. O. (Special-Services).

2. On their appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of S/Shri Yoginder Nath and D. R. Madan will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

The 14th May 1980

No. A.35014/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri G. P. Saxena a permanent Section Officer of CSS cadre of Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Section Officer (Special-Confidential) in the Commission's Office for the period from 13-5-80 to 12-8-80, or until further orders whichever is earlier.

2. On his appointment to the post of Section Officer (Special-Confidential), the pay of Shri G. P. Saxena will be regulated in terms of the Ministry of Finance, Department of Expenditure O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.
for Secy.

Union Public Service Commission.

New Delhi-11, the 20th March 1980

No. P/1837-Vol.II-Admn.I.—Consequent upon his selection for appointment as Professor of Education in the University of Gorakhpur, Dr. V. S. Misra, Reader in the University of Allahabad and presently officiating as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission on deputation has been relieved of his duties in the office of Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 20th March 1980.

The 1st May 1980

No. A.32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Joginder Singh, an officiating Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the cadre of the Union Public Service Commission, to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS), in the same cadre on a temporary and *ad hoc* basis for a period of 2 months from 26-4-1980 to 25-6-1980 or until further orders, whichever is earlier.

On his appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) Shri Joginder Singh will be entitled to draw pay @ Rs. 1040/- p.m. w.e.f. 26-4-80 in the scale of Rs. 775-35-880-40-1000-FB-40-1200 under FR 22-C.

S. BALACHANDRAN,
Under Secy.
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st May 1980

No. 10 RCT.4.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. R. Chue, Asstt. Engineer (Civil) of the Central Public Works Department, as Asstt. Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from 2-5-80 (FN) until further orders.

K. L. MALHOTRA,
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 20th May 1980

No. A-19021/2/80.AD.V.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Dogra, IPS (1964-Punjab) as Superintendent of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 27th April, 1980 on deputation basis, and until further orders.

The 23rd May 1980

No. A-19035/3/80.AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri T. Sudarsana Rao, Crime Assistant, Central Bureau of Investigation to officiate as Office Superintendent in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 19th May, 1980 and until further orders.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer(E).
Central Bureau of Investigation.

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi, the 23rd May 1980

No. O.II.1100/78-Estt.—Ref : this Dte. General Notification of even number dated 5th November, 1979.

2. The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Mangala Rajan as Junior Medical Officer in the C. R. P. Force on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 18-10-79 to 16-1-80 forenoon.

K. R. K. PRASAD,
Asstt. Director (Adm).

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 29th May 1980

No. E-38013(3)/21/79-PERS.—On transfer from Visakhapatnam Shri S. N. P. Sinha assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF UNIT, HEC Ranchi w.e.f. the forenoon of 17th April, 1980.

No. E-38013(3)/24/79-PERS.—On transfer from Bhilai Shri C. Ramaswamy assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, BSL Bokaro w.e.f. the forenoon of the 29th April, 1980.

No. E-16013(2)/1/80-PERS.—On transfer on deputation Shri S. I. Jaffar Ali, IPS (TN :SPS), assumed the charge of the post of Commandant, CISF Unit, MPT Madras w.e.f. the forenoon of 28th April, 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE
Inspector-General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 23rd May 1980

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. L. Bahl, Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 24th April, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The Headquarters of Shri Bahl will be at Chandigarh.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Bahl any claim for regular appointment to the grade of Dy. Director of Census Operations. The services rendered by him on *ad-hoc* basis will not count for the pur-

pose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned ad-hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. K. S. Dey, Assistant Director of Census Operations Technical in the office of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 31st March, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever, period is shorter.

2. The headquarters of Dr. Dey will be at Calcutta.

3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Dr. Dey any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on *ad-hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Ahuja, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director of Census Operations, in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of one year with effect from the forenoon of 2nd May, 1980, or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Ahuja will be at New Delhi.

3. The above-mentioned ad-hoc appointment will not bestow upon Shri Ahuja any claims for regular appointment to the grade of Deputy Director of Census Operations. The services rendered by him on *ad-hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointment may

No. 5/3/76-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated the 23rd January 1979 the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of the under-mentioned two officers in the posts mentioned against each of them in the office of the Registrar General, India at New Delhi with their headquarter continue to be at New Delhi for a further period as mentioned against each :—

S. No.	Name of the officer	Name of the post	Period of extension of ad-hoc appointment
1	2	3	4
1.	Dr. R.R. Tripathi	Map Officer	1-7-1979 to 24-9-1979
2.	Shri S.D. Tyagi	Research Officer (Map)	1-7-1979 to 11-7-1979

The 27th May 1980

No. 11/125/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Bhargava, an Officer belonging to the Rajasthan Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 15th May, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Bhargava will be at Jaipur.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India.

SARDAR VALLABHBHAI PATEL
NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252, the 27th May 1980

No. 15015/77-Estt.—On completion of his tenure of deputation with the Centre, Shri S. Krishnamurthy, IPS (Karnataka-1967) relinquished charge of the post of Assistant Director, S. V. P. National Police Academy, Hyderabad w.e.f. 22-5-80 A.N.

B. K. ROY,
Director

be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/102/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Y.G. Krishna Murthy, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Andhra Pradesh, Hyderabad, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a period of one year with effect from the afternoon of 28th April, 1980 or till the post is filled in on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Krishna Murthy will be at Hyderabad.

3. The above-mentioned *ad-hoc* appointment will not bestow upon Shri Krishna Murthy any claim for regular appointment to the grade of Deputy Director of census Operations. The service rendered by him on *ad-hoc* basis will not count for the purpose of seniority in the grade of Deputy Director of Census Operations nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The above-mentioned *ad-hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/29/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Balukeswar Sahu, an Officer belonging to the Orissa Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Orissa, Cuttack, by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 7th May, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Sahu will be at Cuttack.

The 24th May 1980

No. 11/32/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. Satyamoorathi, an officer belonging to the Tamil Nadu Civil Service, as Deputy Director of Census Operations, in the Office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu, Madras by transfer on deputation, with effect from the forenoon of 9th May, 1980, until further orders.

The headquarter of Shri Satyamoorathi will be at Tirunelveli.

MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 7th June 1980

No. 23/3/80-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by two points to reach 375 (three hundred and seventy five) during the month of April, 1980. Converted to base 1949=100 the index for the month of April, 1980 works out to 456 (four hundred and fifty-six).

A. S. BHARADWAJ,
Joint Director.

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INSURANCE WING

New Delhi, the 16th May 1980

No. 304-IP(1)/48.—WHEREAS, I R. K. Mahajan, Controller of Insurance, am satisfied that the affairs of the society known as Anchor Provident Insurance Company Limited, have been fully wound up.

NOW, THEREFORE, in pursuance of the provisions of sub-section (5) of section 93 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), I hereby declare the said society dissolved.

No. 302-10(1)/50.—WHEREAS, I, R. K. Mahajan, Controller of Insurance, am satisfied that the affairs of the society known as Bakergunj Insurance (Provident) Limited have been fully wound up.

NOW THEREFORE, in pursuance of the provisions of sub-section (5) of section 93 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), I hereby declare the said society dissolved.

R. K. MAHAJAN,
Controller of Insurance

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, COMMERCE,
WORKS & MISCELLANEOUS

New Delhi, the 17th May 1980

No. Admn. I/33.—Shri S. Narayanan, an officiating Audit Officer of this organisation is appointed in a substantive permanent capacity in the Audit Officers Cadre with effect from 1-3-1980.

M. S. SARNA,
Director of Audit

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KARNATAKA

Bangalore, the 9th April 1980

No. ES.I/A4/80-81/37.—The following officiating Accounts Officers of the Office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore have been appointed in a substantive capacity in the grade of Accounts Officers in the same office with effect from the dates noted against their names :—

Sl. No., Name of the Officer & Date from which confirmed
S/Shri

- 1 R. Srinivasan (1) — 1-1-1979
- 2 N. Chakravarthy — 1-4-1979
- 3 K. N. Narasimha Murthy — 12-5-1979
- 4 K. Jagannathan — 1-11-1979
- 5 M. R. Venkataraman — 1-11-1979
- 6 S. Anantha Rao — 1-12-1979
- 7 B. Hanumanthachar — 1-12-1979
- 8 H. S. Ramachandra (1) — 1-1-1980
- 9 H. S. Viswanath — 1-2-1980
- 10 V. K. Nanjudayya — 1-2-1980
- 11 K. S. Venudaraj — 1-2-1980

This order is subject to the ultimate results of the Writ petition No 4367 of 1978 filed in the Supreme Court of India.

The 8th May 1980

No. ES.I/A4/80-81/148.—The Accountant General is pleased to promote the following permanent Section officers to officiate as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the date of their taking charge :—

1. Shri C. Narayanamurthy,
2. Shri S. Narasimhan (2)

The promotions are subject to the ultimate results of Writ Petition No 4367 of 1978 filed in the Supreme Court.

M. A. SOUNDARAJAN,
Sr. Deputy Accountant General
(Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II,
WEST BENGAL

LOCAL AUDIT DEPARTMENT

Calcutta-1, the 18th April 1980

O.O. No. IA/Admn.9.—The Accountant General II, West Bengal has been pleased to appoint on ad hoc and provisional

basis Shri Nikhil Chandra Sen Gupta, a permanent Section Officer to officiate as Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal in purely temporary capacity with effect from the forenoon of 18-4-80 and until further orders.

It should be clearly understood that the promotion is purely provisional during the pendency of the Rules in Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C. R. Case No. 14818 (W) of 1979.

B. N. DUTTA CHAUDHURY,
Examiner of Local Accounts,
West Bengal

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 15th May 1980

No. 18421/AN-I.—The President is pleased to accept the resignation of Shri Kanwal Manjit Angurula from the Indian Defence Accounts Service with effect from the forenoon of 11th February 1980.

K. P. RAO
Addl. Controller General of Defence
Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
ORDINANCE FACTORY BOARD

INDIAN ORDINANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 15th May 1980

No. 22/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. D.M/DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri K. P. Panda, A.M(Prob) — 31st Jan., 1980.
- (2) Shri Rajesh Ku. Jain, A.M(Prob) — 1st Mar., 1980
- (3) Shri A. K. Chattopadhyay, A.M(Prob) — 1st Mar., 1980.

No. 23/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. A.M/TSO with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri J. N. Verma, Offg. Store-holder — 1st Jan., 1980.
- (2) Shri P. S. Venkateswaran, Foreman — 28th Jan., 1980.

No. 24/G/80.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officer as Offg. Addl DGOF/Member with effect from the date shown against him, until further orders :—

Shri M. P. Vaidya, Offg. GM(SG)/level-J. — 31st Mar., 1980.

The 19th May 1980

No. 27/80/G.—The president is pleased to appoint Shri Ramaswami Ramesh, as Asstt. Manager (Prob) w.e.f. 29th Nov., 1979.

V. K. MEHTA,
Asstt. Dir. Genl. Ord. Fys.

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES
(DEPARTMENT OF COMMERCE)
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS
New Delhi, the 20th May 1980
IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 1/2/80-Admn(G)/3155.—The President is pleased to appoint Shri M. M. Halder, a permanent officer of the Section Officer's grade of the CSS and Controller of Imports and Exports to officiate in Grade 1 of that service and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the

Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for a period of three months with effect from 18.2.1980 (forenoon).

2. The above appointment of Shri M. M. Haldar in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and Exports is subject to final decision of the Honble Supreme Court in Writ Petition No. 626-630 of 1979 by S. S. Sharma and others versus Union of India.

C. VENKATARAMAN,
Chief Controller of Imports and Exports.

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 20th May 1980

No A-32013/1/80-Admn II.—The President is pleased to appoint effect from the 3rd April, 1980 and until further order Shri D. Balasubramanian, Deputy Director (Weaving) as Director (Weaving) in the Weavers Service Centre, Varanasi.

DR. N. P. SESHADRI,
Joint Development Commissioner for Handlooms

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 7th May 1980

No Jute (A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints, Shri K. K. Banerjee, Administrative Officer Group 'B' as Executive Officer Group 'A' (Gazetted) in the Scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an ad-hoc officiating capacity in this office w.e.f. 5-5-80 (F/N) to 4-11-80 (A/N) or till the post is filled on regular basis which is earlier.

No Jute(A)/147/65.—The Jute Commissioner hereby appoints Shri G. B. Das, a Permanent Superintendent as Administrative Officer Group 'B' Gazetted in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in an ad-hoc officiating capacity in this office with effect from 5th May, 1980 (F/N) until further order vice Shri K. K. Banerjee promoted as Executive Officer.

P. N. CHAKRABORTY,
Dy. Jute Commissioner.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS)

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 13th May 1980

No. A-1/1 (1156)/80.—On his reversion to the post of Superintendent (Level II), Shri T. V. Pote, officiating Assistant Director (Grade-II) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Bombay, relinquished charge of his post on the forenoon of 1-5-80.

The 26th May 1980

No. A-1/2(360).—The President is pleased to appoint Shri R. V. Pattabhiraman who has been officiating as Director (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on ad-hoc basis with effect from 13-6-1979 to officiate as Director (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate at New Delhi on regular basis with effect from 3-4-80.

The 23rd May 1980

CORRIGENDUM

No 3947B A-19012 (1-RVGN)/79-19A.—In partial modification of this office undermentioned notifications, the pay of the following Assistant Geologists in the Geological Survey of India, will be fixed according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- instead of minimum of the scale as stated therein.

Name

1. Shri Shashanka Bhatnagar
2. " Avadh Narayan Singh
6. " Ranjay Kr Biswas

2. Shri K. V. Pattabhiraman on promotion as Director of Supplies on regular basis is placed on probation for two years from 3-4-80 (F.N).

No. A-1/2 (360).—The President is pleased to appoint Shri O. P. Srivastava, who has been officiating as Director (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi on ad-hoc basis with effect from 14-6-1979 to officiate as Director (Grade I of Indian Supply Service, Group 'A') in the same Directorate at New Delhi on regular basis with effect from 3-4-80.

2. Shri O. P. Srivastava on promotion as Director of Supplies on regular basis is placed on probation for two years from 3-4-80 (F.N).

No. A-15/28(626)/77.—The President is pleased to extend the deputation period as OSD (Trg.) of Shri K. N. Sircar, a Gr. I Officer of Central Secretariat Services, for a period of 6 months beyond 30-7-80 i.e. upto 30-1-81.

K. KISHOR
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 15th May 1980

No A6/247 (332)/74.—The President has been pleased to appoint Shri V. Srinivasulu, Asstt. Inspecting Officer (Met) in the Jamshedpur Inspectorate to officiate on ad-hoc basis as Asstt. Director of Inspection (Met) (Grade III of Indian Inspection Service (Group 'A' Met-Branch) in the same office w.e.f. 10-4-1980 (FN) and until further orders.

Shri Srinivasulu relinquished charge of the post of AIO (Met) and assumed charge of the post of ADI (Met) in the office of the Director of Inspection (Met), Jamshedpur on 10-4-1980 (FN).

P. D. SEIH,
Dy. Director (Admn)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA)

Calcutta-700016, the 20th May 1980

No. 3636 N/A.32013(AO)78-80/19A.—The following Superintendents, Geological Survey of India are appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the date shown against each, until further orders :—

Sl No., Name & Date of Appointment

1. Shri B. K. Chatterjee—26-3-1980 (F.N.)
2. Shri J. K. Sharma—26-3-1980 (F.N.)
3. Shri R. Palaniswamy—27-3-1980 (F.N.)

No. 3830R/A-32014(1-Asstt. Geol.)/78-19A.—Shri D. P. Sharma, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India, who is now on deputation with the Govt. of Nagaland is granted proforma promotion to the post of Assistant Geologist in the same Department in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of the 25-1-1979 under the next below rules until further orders.

NOTIFICATION NO. & DATE

- 7616B/2222(SB)/19Ad, ted 10/11-10-78
7695/2222(ANS)/19A " 10/11-10-78
7590B/2222(PKS)19A " 10/11-10-78

4. Shri Rathindra Nath Ghosh	8470B/2222(RNG)/19A " 1-12-78
6. " R. Venugopalan Nair	8490B/2222(RVN)/19A " 1-12-78
6. " B. V. Srinivasan	8473B/2222(BVS)/19A .. 6-12-78
7. " Mohd. Kamal K. Zim	8749B/2222(MKK)/19A " 6-12-78
	(V. S. Krishnaswamy)
	Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th May 1980

No. 19-2/75-Admn.I.—Consequent on the abolition of the post of Assistant Professor of Bio-physics at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research Pondicherry Shri B. Krishnan relinquished charge of the post of Assistant Professor of Bio-physics in the afternoon of 31st March 1978 and assumed charge of the post of Lecturer in Physics, on the same day in the same Institute.

No. A. 12025/11/79(AIHPH)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. K. Chakraborty to the post of Assistant Research Officer (Psychologist) at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta with effect from the forenoon of 17th April, 1980, on temporary basis and until further orders.

The 21st May 1980

No. A. 32014/2/79(JIP)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri S. K. Kulkarni, Jr. Occupational Therapist, Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education & Research, Pondicherry, to the post of Senior Occupational Therapist in the same Institute with effect from the forenoon of 17th April, 1980 on an ad-hoc basis and until further orders.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration (O&M)

(STARE I SECTION)

New Delhi, the 24th May 1980

No. A.19012/11/79-SI.—The Director General of Health Services announces with regret the death of Shri S. G. Kulkarni Assistant Depot Manager, Government Medical Store Depot Bombay on 30-3-80.

SHIV DAYAL,
Dy. Director Administration (Store).

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 16th May, 1980

No. F. 3-48/79-Estt.(I).—The ad-hoc appointment of S/Shri S. L. Dhir, K. R. Vij and O. P. Bhasin in the posts of

Superintendent (Grade I) is further continued with effect from 1-5-1980 to 31-8-1980 or till the posts are filled up on regular basis whichever is earlier.

B. N. CHADHA,
Director Administration.

OFFICE OF THE CHIEF EXECUTIVE OFFICER,
LOGGING TRAINING CENTRES PROJECT

Dehra Dun, the 21st May 1980

No. 6-177/76-LTCP.—The services of Shri A. R. Dhutwalia, HPFS-II on deputation in the Logging Training Centres Project, as Logging Instructor, have been replaced at the disposal of the H.P. Govt. w.e.f. 1-5-80 (F.N.).

HARI KANT
Chief Executive Officer.

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION
DIRECTORATE OF MAKETING & INSPECTION

Faridabad, the 24th May 1980

No. A.19025/41/79-A-III.—Consequent on his selection for appointment to the post of Junior Inspecting Officer (F&VP) in the Department of Food, Shri B. D. Bajaj, Asstt. Marketing Officer, relinquished charge of his duties in this Directorate at New Delhi with effect from the forenoon of 1st May 1980.

No. A.19025/21/80-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Kunwar Pal Singh has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Ahmedabad with effect from the 9th May, 1980 (A.N.) until further orders.

The 26th May 1980

No. A.19025/32/79-A.III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Shri K. Sampat Kumar, has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Group III) in this Dte. at Guntur, w.e.f. 12-5-80 (F.N.), until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Admn.
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora Township, the 14th May 1980

No. NAPP/Adm/I(132)/80 S/5979—Chief Project Engineer Narora Atomic Power Project appoints the following Officers to officiate as Scientific Officers/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the dates mentioned against each until further orders:—

Sl. No.	Name S./Shri	Present grade	Permanent/QP hpost held	Date of assumption of charge
1	2	3	4	5
1.	M.A. Rashid	Scientific Assistant 'C'	P. Scientific Assistant 'B'	1-2-1980
2.	Bhupinder Singh	Draughtsman 'C'	Draughtsman 'A'	1-2-1980
3.	J.M. Dutta	Foreman	Q.P. Assistant Foreman	1-2-1980
4.	V.H. Narula	Scientific Assistant 'C'	—	1-2-1980
5.	K.P. Agarwal	Scientific Assistant 'C'	—	1-2-1980

The 17th May 1980

No. NAPP/Adm/1(92)/80-S/6085.—Consequent on his transfer to Tarapur Atomic Power Station, Tarapur, Shri S. Krishnan, a permanent Assistant Personnel Officer and officiating Administrative Officer-II in this Project has relinquished the charge of the post of Administrative Officer-II on the afternoon of May 5, 1980.

A. D. BHATIA
Administrative Officer

NUCLFAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 19th May 1980

No. NFC: PAR: 0705/2636.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri V. Venkateswara Rao, Assistant Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II on *ad hoc* basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 9-5-1980 to 16-6-1980, against a leave vacancy.

No. NFC: PAR: 0705/2637.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri C. R. Prabhakaran, Asst. Accountant, to officiate as Assistant Accounts Officer on *ad hoc* basis in the Nuclear Fuel Complex, for the period from 2-5-80 to 16-6-198, against a leave vacancy.

U. VASUDEVA RAO
Senior Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 27th May 1980

No. ADM-8(6)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. N. Sachdeva, Hindi Translator in the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 12-5-1980 to 13-6-1980 vice Shri Mukund Singh, Assistant Personnel Officer granted leave.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer.

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 16th May 1980

No. A.32023/1/77/R/6156.—The Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Muthiah Krishnamoorthy, a permanent Stenographer of the Bhabha Atomic Research Centre and officiating Stenographer Grade-III of

New Delhi, the 23rd May 1980

No. A 32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on an *ad-hoc* basis with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each:—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	P. J. Verghese	ACS Hyderabad.	ACS Hyderabad	28-4-80 (FN)
2.	T. M. G. Menon	ACS Hyderabad	ACS Hyderabad	28-4-80 (FN)
3.	C. Madhavan	ACS Rajkot.	ACS Ahmedabad	26-4-80 (FN)
4.	M. D. Kaitra	ACS Bombay	ACS Ahmedabad	29-4-80 (FN)
5.	T. N. Roy Chowdhury	ACS Calcutta	ACS Calcutta	10-4-80 (FN)
6.	N. N. De Sarkar	ACS Calcutta	ACS Calcutta	11-4-80 (FN)
7.	M. Warrior	ACS Calcutta	ACS Calcutta	11-4-80 (FN)
8.	H. P. Nandi	ACS Calcutta	ACS Calcutta	11-4-80 (FN)
9.	S. N. Sen	ACS Calcutta	ACS Calcutta	14-4-80 (FN)
10.	A. K. Banerjee.	ACS Gauhati	ACS Gauhati	27-4-80 (FN)

this Centre in an officiating capacity on an *ad hoc* basis as Assistant Administrative Officer for the period from 12-5-80 to 13-6-80, vice Shri R. Narayanan Assistant Administrative Officer proceeded on leave.

S. PADMANABHAN
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

Sriharikota, the 9th May 1980

No. SCF: P&GA: Estt:1.72.—Consequent on the issue of Office Memorandum No. 2/2(19)/77-1 dated December 13, 1979 by the Department of Space and the options exercised by the employees, the following Assistant Administrative Officers of Shri Centre in the scale of pay of Rs. 530—25—750—EB—30—900 are placed in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from 1st April 1980.

1. Shri N. Sundararajan, Asst. Administrative Officer.
2. Shri T. C. Kurian, Asst. Administrative Officer.

Sd/- ILLEGIBLE
Head, Personnel & Genl. Admn. Division

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695 022, the 15th May 1980

No. VSSC/EST/F/1(17).—The Controller, VSSC hereby appoints Sri. O. S. Narayana Kurup, in the Vikram Sarabha Space Centre (VSSC) of the Department of Space as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from the forenoon of 19th April, 1980 and until further orders.

P. A. KURIAN
Admin. Officer-II (EST)
for Controller, VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 21st May 1980

No. A-35018/4/79-EI.—On reversion to his parent office on the expiry of his term of deputation, Shri P. R. Laroia relinquished the charge of the office of Accounts Officer, Civil Aviation Department, New Delhi on the forenoon of 1st May, 1980.

C. K. VATSA
Assistant Director of Administration

The 24th May 1980

No. A 31011/1/77 EC.—In this Department Notification number A.31011/1/77-EC dated 1-4-80, the serial number 2 and 16 thereof may be substituted to read as under :—

S. No.	Name	Station of posting
1	2	3
2.	Shri V. K. Khandelwal—Controller of Aeronautical Inspection, Calcutta Airport, Dum Dum, Calcutta.	

16. Shri A. Jagdesan—Controller of Aeronautical Inspection, Hyderabad.

No. A 32014/3/79-EC (Pt. III).—Serial No. 9 of this Department Notification No. A. 32014/3/79-EC (Pt. III) dated 14-5-80 is substituted to read as under :—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
9.	Shri D. Krishnamurthy	Aero. Comm. Station Bombay	Aero. Comm. Station Bombay.	19-4-80 (FN)

No. A. 32014/3/79-EC (Pt. III)—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date and station indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
1.	Shri S. K. Guha	Aeronautical Communication station Calcutta.	Aeronautical Communication Station Calcutta.	14-6-80 (FN)
2.	Shri S. R. D. Barman	Aeronautical Communication station Calcutta.	Aeronautical Communication Station Calcutta.	17-4-80 (FN)

No. A. 32014/2/80-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on an ad-hoc basis with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicated against each :—

Sl. No.	Name	Present station of posting	to which posted Station	Date of taking over charge
1	2	3	4	5
1.	Shri S. V. Cholkar	Aero. Comm. Stn. Bhopal	A.C.S. Ahmedabad	30-4-80 (FN)
2.	Shri S. D'Silva	Aero. Comm. Stn. Bangalore	Aero-Comm. Stn. Hyderabad	16-5-80 (FN)

No. A. 38013/1/80-EC.—The undermentioned two officers of the Aeronautical Communication Organisation relinquished charge of their office on 30-4-1980 (AN) on retirement on attaining the age of superannuation :—

Sl. No.	Name & Designation	Station
1	2	3
1.	Shri R. K. Sachdeva, Asstt. Technical Officer.	Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi.
2.	Shri O. P. Tiwari, Asstt. Technical Officer.	Radio Construction & Development Units, New Delhi.

(This Department Notification No. A. 38013/1/80-EC, dated 13-5-1980 is hereby cancelled.)

R. N. DAS
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the May 1980

No. 1/455/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. D. Garg, Technical Assistant, Dehra Dun as Assistant Engineer, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 8-5-1978 to 1-7-1978, against short-term vacancy, purely on *ad hoc* basis.

The 21st May 1980

No. 1/95/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri I. G. Honakamble as Assistant Engineer, in an officiating capacity in Switching Complex, Bombay with effect from the forenoon of the 15th February 1980 and until further orders.

2. Shri Honakamble was, at his own written request, released from Overseas Communications Service on the after-

noon of the 4th March, 1980, on repatriation to his parent Department. (Bombay Telephones).

P. K. G. NAYAR
Director (Admn.)
for Director General

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-
VIDYALAYA

Dehra Dun, the 27th May 1980

No. 16/203/71-Est-I.—On the expiry of three month notice given by Shri M. L. Mehra, Research Officer, the President, FRI& Colleges, Dehra Dun has permitted him to retire voluntarily from Government service w.e.f. the afternoon of 8-4-1980.

R. N. MOHANTY
Kul Sachiv

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMES

Indore, the 20th May 1980

No. 7/80.—Consequent upon the recommendation of U.P.S.C. vide their letter No. F. 1/12/79-RG, dated 15-9-1979, and our Establishment Order No. 3/80 [C. No. II (31)] 6-Con/79, dated 19-1-1980, Shri A. R. Bose has assumed charge as Superintendent, (Mechanical Engineering) Central Excise, Hqrs. Office, Indore, in the Forenoon of 21-4-1980.

S. K. DHAR
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT
CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 27th May 1980

No. 11/80.—Shri Dharmu Gurnani, on being nominated by the U.P.S.C. has been appointed as Superintendent Central Excise Group 'B' (Mechanical Engineering) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at New Delhi and assumed charge of the post on 11-4-1980 (Forenoon).

No. 12/80.—Shri Anjani Kumar Kaushil, on being nominated by the U.P.S.C. has been appointed as Superintendent Central Excise Group 'B' (Expert-Mineral Oil Technology) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Headquarters office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi and assumed charge of the post on 15-4-1980 (Forenoon).

No. 13/80.—Shri Satya Prakash Paliwal, on being nominated by the U.P.S.C., has been appointed as Superintendent Central Excise Group 'B' (Expert-Chemical Engineer) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi and assumed charge of the post on 22-4-1980 (Forenoon).

No. 14/80.—Shri H K. Rangaswamy lately posted as Junior Analyst in the Statistics & Intelligence (Customs and Central Excise) Directorate, New Delhi on transfer to the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at Hyderabad vide Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise Order C. No. 1041/41/79 dated 20-2-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' on 1-5-1980 (Forenoon).

K. L. REKHI
Director of Inspection

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 22nd May 1980

No. 12/7/74-ECIX (Vol.II).—The President is pleased to confirm the undermentioned officers in the grade of Senior 19—106GI/80

Architects in the C.P.W.D. with effect from the dates noted against their names :—

1. Shri A. A. Ghare—20-3-1976.
2. Shri M. K. Rishi—13-6-1976.
3. Shri Joginder Bahadur—1-11-1976.

No. 33/11/78-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri Sat Pal a nominee of the U.P.S.C. against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group A) in the C.P.W.D. on a pay of Rs. 700/- P.M. in the scale of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 (plus usual allowances) with effect from 29-4-80 (F.N.) on the usual term and conditions. His pay will be refixed shortly under the rules.

2. Shri Sat Pal is placed on probation for a period of two years w.e.f. 29-4-80 (F.N.).

K. A. ANANTHANARAYANAN
Dy. Director of Administration,

MINISTRY OF LAW JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
(COMPANY LAW BOARD)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

New Delhi, the 16th May 1980

Notice under Section 445(2) of the Companies Act, 1956 in the matter of M/S Printers Corporation Pvt. Ltd.

No. Co. Liqn 5371-4739.—By an order dated the 27-4-1978 of the Hon'ble High Court of Delhi M/s Printers Corporation Private Limited has been ordered to be wound up.

S. P. VASHISHTHA,
Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and of "A.K.V. Chit Fund & Finance Private Limited".

Pondicherry, the 29th April 1980

No. 85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of A. K. V. Chit Fund & Finance Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

B. KOTESWARA RAO
Registrar of Companies, Pondicherry.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Chandra Electric & Engineering company private Ltd.

Bangalore, the 24th May 1980

No. 1097/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Chandra Electric & Engineering company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Pandavapura Chit Fund Private Ltd.

Bangalore, the 24th May 1980

No. 28-15/560/80.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Pandavapura Chit Fund Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies, Karnataka, Bangalore

In the matter of Companies Act, 1956, and Ekaant Hotels Private Limited

Patna, the 24th May 1980

No. (1210)1/560/80-81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ekaant Hotels Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE
Registrar of Companies,
Bihar, Patna.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Amber Hotels & Restaurants Private Limited

Jaipur, the 22nd May 1980

No. STAT/1493.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Amber Hotels & Restaurant Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

G. C. GUPTA
Registrar of Companies,
Rajasthan, Jaipur

In the matter of the Companies Act, 1956, and In the matter of M/s The Pioneers Company Private Limited, Raigarh

Gwalior, the 26th May 1980

No. 994/Yadav/2144.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Pioneers Company Private Limited, Raigarh, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTER and the said company be dissolved.

S. K. SAXENA
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior.

Office of the Commissioner of Income-tax
New Delhi, the 23rd April 1980

INCOME TAX

F. No. JUR-DL/1/80-81/3279-In supersession of all previous orders on the subject and in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf, the Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi hereby directs that the Income-tax Officers mentioned in column (2) of the Schedule hereto annexed shall perform their functions in respect of the persons or classes of persons, income or classes of income and cases or classes of cases specified in column (3) of the said Schedule, other than the cases of the persons which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the Income-tax Act, 1961 to any other Income-tax Officer.

This notification shall have effect from 1-5-1980.

SCHEDULE

S. No.	Designation of the Income-tax Officer	Jurisdiction
1	2	3
1.	Income-tax Officer Private Salary Circle, New Delhi.	All Indian employees of all Universities and Educational Institutions other than those run by Delhi Municipal Corporation and New Delhi Municipal Committee.

1	2	3
---	---	---

All cases which have been or may hereafter be assigned u/s. 127 of the I.T. Act, 1961.

2. Income-tax Officer Private Salary Circle-I, New Delhi.

All Indian employees of the following employers :—

1. Air Corporations & Air Companies.
2. United Nations & Allied Agencies. Foreign Diplomatic Missions, Consulates & Trade Commissions and all other employees of the Foreign Government and Foundations.
3. All India Institute of Medical Science.
4. Lady Harding Medical College and Suchet Kirplani Hospital.
5. All Hospital other than Government Hospitals.

All cases which have been or may hereafter be assigned u/s. 127 of the I.T. Act, 1961.

3. Income-tax Officer, Private Salary Circle-II, New Delhi.

All Indian employees of:—

1. Reserve Bank of India.
2. All Banks, Both Indian & Foreign, except State Bank of India and its subsidiaries.

All cases which have been or may here after be assigned u/s 127 of the I.T.O. Act, 1961.

4. Income-tax Officer, Private Salary Circle-III, N. Delhi.

All Indian Employees of non-Government employers whose names begin with alphabets ('P' to 'Z' both inclusive). All cases which have been or may hereafter be assigned u/s. 127 of the I.T. Act, 1961.

5. Income-tax Officer, Private Salary Circle-IV, New Delhi.

All Indian employees of non Government employers whose name begin with alphabets 'A' 'B', 'C' & 'D'.

All cases which have been or may hereafter be assigned u/s. 127 of the I.T. Act, 1961.

6. Income-tax Officer, Private Salary Circle-V, New Delhi.

All Indian employees of Government of India Undertakings Autonomous Bodies except the following :—

1. Engineers India Ltd.
2. Life Insurance Corporation of India.
3. Food Corporation of India.
4. Indian Tourism Development Corporation.
5. Delhi Transport Corporation.

All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.

7. Income-tax Officer, Private Salary Circle-VI, New Delhi.

All Indian employees of the following employers :—

1. All Oil Companies & Corporations.
2. Hindustan Levers Ltd.
3. Employees of the Concerned Publishing New papers, Journals and Magazines.

1	2	3	1	2	3
		4. Employees of News Agencies (both Indian & Foreign).			3. All Schools & Hospitals and other Institutions administered by D.M.C. and N.D.M.C.
		5. University Grants Commission.			4. Delhi Electric Supply Undertaking.
		6. National Council for Educational Research & Training.			5. Delhi Transport Corporation.
		7. All employees of non-Government employers whose names begin with the alphabets 'L' & 'M'.			6. Escorts Ltd.
		All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.			All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.
8. Income-tax Officer, Private Salary Circle-VII, New Delhi.		All Indian Employees of the following employers :—	10. Income-tax Officer, Private Salary Circle-IX, New Delhi.		All Foreign employees of all employers in Delhi. All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.
		1. Delhi Cloth & General Mills Group.	11. Income-tax Officer, Private Salary Circle-X, New Delhi.		All Indian employees of non-Government employers whose names begin with alphabet 'H', 'I', 'J' & 'K'. State Bank of India and its subsidiaries.
		2. Life Insurance Corporation of India.			All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.
		3. Indian Tourism Development Corporation.	12. Income-tax Officer, Private Salary Circle-XI, New Delhi.		All Indian employees of non-Government employers whose names begin with alphabets 'N' & 'O'.
		4. All employees of non-Government employers whose names begin with the alphabets 'E', 'F' & 'G'.			All Indian employees of the following :—
		All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.			1. Engineers India Ltd.
9. Income-tax Officer, Private Salary Circle-VIII, New Delhi.		All Indian employees of the following employers :—			2. Food Corporation of India.
		1. Delhi Municipal Corporation.			3. Delhi Development Authority.
		2. New Delhi Municipal Committee.			All cases which have been or may hereafter be assigned u/s 127 of the I.T. Act, 1961.
					M.W.A. KHAN Commissioner of Income-tax, Delhi-I, New Delhi.

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/9-79/2839.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. J-5/101/B, situated at Rajouri Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Guna Wati, Wd/o
Shri Dina Nath Khru, R/o
J-5/101-B, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Janak Rani Suri, W/o
Shri Prem Nath Suri &
Shri Ashwani Suri, S/o
Shri Prem Nath Suri, R/o
16/103, Gali No. 4 Joshi Road,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. J-5/101-B, situated at Rajouri Garden, New Delhi. mg. 160 Sq. Yds.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II.
Delhi/New Delhi

Date : 26-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/9-79/2826.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41 Bighas 6 Biswas situated at Village Hamid Pur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sham Dass
S/o Shri Dhalu Ram
R/o 8808, Shidipura Delhi,
as General attorney of
Shri Parshotam Dass
S/o Shri Hira Nand.

(Transferor)

(2) S/Shri 1. Daya Nand, 2. Dharam Pal &
3. Siri Krishan Ss/o Sh. Sube Singh
R/o WZ-37, Nangli Jalab,
Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 41 Bighas 6 Biswas of Khasra No. 9/15, 9/16, 9/20, 9/21, 9/22, etc. situated in Village Hamidpur, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/ACO-II/SR-II/9-79/2831.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 37 Bighas 6 Biswas Agr. land situated at Hamidpur, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1979

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sham Dass
S/o Shri Dhali Ram
R/o 8808, Shidipura Delhi,
as General attorney of
Shri Parshotam Dass
S/o Shri Hira Nand.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwani Devi
Wd/o Sh. Sube Singh
R/o WZ-37, Nangli Jalab,
Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 37 Bighas 6 Biswas bearing Khasra Nos. 39/11, 39/20, 29/21, etc. situated in Hamidpur, Delhi

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, P. J. RAJ, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq II SR I/979/5751—Whereas, I
P. B. I. AGGARWAL,

being the Competent authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5215, 6216, 5217 & 5240 Plot No. 12 situated at Block N' Ward No. XII, Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Ram Kishan Dass,
S/o Lala Kanshi Ram
R/o 5216, Kohlapur Road,
Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sumati Parkash Jain S/o Sh. Pyare Lal Jain
R/o 89 Jain Colony (Veer Nagar) G.T. Road
Delhi

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5215, 6216, 5217 & 5240 Plot No. 12 Block N' Ward No. XII situated at Kamla Nagar, Delhi-7 land measuring 216 Sq. Yds

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. STATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II/9-79/5810.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. WZ-3, situated at Ashoka Park Fxt. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kartar Chand Sharma
S/o Shri Harnam Dass Sharma &
Smt. Tripati Kumari Sharma
W/o Shri Kartar Chand Sharma
R/o WZ-3, Ashoka Park Ext.,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shree Anandpur Trust,
Shree Anandpur, Tehsil Ashok Nagar,
Distt. Guna, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. WZ-3, Ashoka Park Extn., area of vill. Bassai Darapur, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26-5-1980
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, II-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/9-79/5776.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter re-
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. G/50 situated at Bali Nagar, New Delhi,
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
registering officer at Delhi on September 1979.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
20—106GI/80

(1) Shri Harbhajan Singh, S/o
Shri Prem Singh, R/o
11/51, Bali Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmect Gulati, W/o
Shri N. S. Gulati, R/o
8/30, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. House on Plot No. G/51, mg. 200 sq. yds. at Bali
Nagar, area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/9-79/5799.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-2/80 situated at Rajouri Garden, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Lajwati Devi Wd/o
Shri Bhagat Ram, R/o
A-2/80, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) S/Shri Inderjit Oberoi &
Sarita Oberoi, R/o
17/1 & 17/2 Subhash Nagar, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. A-2/80 Rajouri Garden, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ved Dutt Wd/o
Shri Prehlad Bhagat Dutt R/o
21 Amar Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Paramjit Kaur Sachdeva, W/o
Shri Ubdesb Singh Sachdeva, R/o
J-11/124, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/9-79/2818.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. WZ-214(F-71) situated at Shiv Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Delhi on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. WZ-124(F-71) Shiv Nagar, N. Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, ROOM NO. 107, H-BLOCK
VIKAS BHAWAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/9-79/5758.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XII/8068 situated at Mohalla Kharion Roshan Ara Road, Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. R. Kohli, R/o
XII/8068 Mohalla Kharion Roshanara Road,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Kumar &
Smt. Lila Wati
R/o D-13 C.C. Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential house No. XII/8068 Mohalla Kharion Roshan Ara Road Delhi-73.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II ROOM NO. 107, H BLOCK
VIKAS BHAWAN, 1st F-STAT^e, NEW DELHI

New Delhi, the 26th May 1980

Ref. No. IAC/Acq II/SR II/9-79/2624 —Whereas, I, R B L AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land mg. 3 Bighas Kh. No. 83/10 situated at Village Palam, New Delhi-45 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Vimla Chawla
W/o Shri S. L. Chawla
R/o J 33 South Extn Part-I,
New Delhi (Transferor)
- (2) 1 Shri H. Sarkar S/o Sh. Bipin Bihari Sarkar
2 Sh. Sandeep Dutta S/o Sh. B. K. Dutta,
3 Sh. A. K. Chakrabarti s/o Sh. Ankul Chandra Chakrabarti
4 Smt. Chandra Goswami w/o Sh. P. K. Goswami
5 Smt. Santa Roy w/o Sh. Robin Chandra Roy
6 Smt. Manika Biswas w/o Sh. S. K. Biswas
7 Sh. Malav Kumar Sarkar s/o Sh. H. Sarkar
8 Smt. Anam Mondal w/o Sh. M. D. Mondal
9 Sh. Ashish Maji & 10 Sh. Nirmalaya Maji both Ss/o Shri S. Maji
11 Sh. Naresh Chandra Thakurta
S/o Late Shri Arun Chandra Thakurta
12 Smt. Pratima Maji w/o Sh. H. C. Maji
R/o Sec. 4/597, R.K. Puram,
New Delhi (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One Agricultural land measuring 3 Bighas Kh. No. 83/10 & situated at Village Palam, New Delhi-45.

R B L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date 26-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1552.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Balaghat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Balaghat on 28th September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Goverdhan Das
S/o Shri Chhaganmal Chhitarka (Agarwal)
R/o Ward No. 19, Balaghat. (Transferor)
- (2) Shri Hariram
S/o Shri Gehimal Wadhvani
R/o Ward No. 9, Balaghat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house constructed on plot part of Kh. No. 351/10/B Ward No. 19 Station Road, Balaghat.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Goverdhan Das
S/o Shri Chhaganmal Chhitarka (Agarwal)
R/o Ward No. 19, Balaghat.

(Transferor)

(2) Shri Kanhaiya Lal
S/o Shri Gehimal Wadhvani
R/o Ward No. 9, Balaghat.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.**

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No.JAC/ACQ/BPL/80-81/1553.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Balaghat (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Balaghat on 28th September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the house constructed on plot part of Kh. No. 351/10/B Ward No. 19 Station Road, Balaghat.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1554.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open Land situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12th December, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Jogendar Singh Trilochan Singh Chawla
C/o Messrs. Popular Industries,
Chhola Road, Bhopal

(Transferor)

(2) 1. S/Shri Omprakash Sinha,
2. Gopal Krishan Agarwal and
3. Rakesh Kumar Singhal
all Ss/o Late Shri Sawaldasji Singhal
4. Smt. Rambha Devi
W/o Late Shri Sawaldasji Singhal
all R/o 59-Lakshadepura, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 23,436 Sq. ft. situated at Chicklod Road, Jinsi, Jenangirabad, Bhopal.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1555.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 12th October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21-106GI/80

(1) 1. Smt. Ramkishori Tandon
W/o Late Gourishankar Tandon,
Padav Laxmanpura Gwalior, Presently R/o
24/6, Tilak Kothi, Mall Road, Kanpur.
2. Suhiladevi Mehrotra
W/o Shri Jagat Narayanji Mehrotra
R/o 107/234, Nehru Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Laxmandas Agarwal
S/o Shri Phoolchand Agarwal
R/o Shetole Sahab ka Bada, Jayandraganj,
Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16/816 at Padav, Laxmanpura, Gwalior.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1556.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 25th September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri 1. Prakash Chandra
2. Vimal Chandra and
3. Subhash Chandra
all R/o Dewas Road, Ujjain.

(Transferor)

- (2) S/Shri Gordhandas and Kamalkishore C/o
M/s Brijwasi & Co., Dewas Gate, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 89/1 University Road, Ujjain.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 7-5-1980

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1557.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ujjain on 26th September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jaswant Kaur
W/o Shri Jaswant Singh
R/o Namak Mandi, Ujjain.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mohd. Hussain
S/o Shri Kika Bhai
2. S/Shri Inayat Hussain, 3. Mohsin Ali,
4. Jakiuddin, 5. Safdar Hussain
Ss/o Shri Mohd. Hussain Bhai
R/o Khara Kua, Bahadurpura Bakhal,
Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No.1/173, Indore-Dewas Dudh Talai, Station Road, Ujjain.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No IAC/ACQ/BPL/80 81/1558 —Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing House (part) situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 26th September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt Jaswant Kaur
W/o Shri Jaswant Singh
R/o Namak Mandi, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Ali Hussain
S/o Shri Ilazi Hussain Bhai,
R/o Mohalla Khara Kua,
Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No 1/173, Indore-Dewas Dudh Talai, Station Road, Ujjain.

VIJAY MATHUR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1559.—Whereas, I, VIJAY MATHUR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 14th November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Shri 1. Balkrishana Rao Shankar Rao
2. Pradeep Kumar Balakrishana Rao
3. Prakash Balakrishana Rao
All R/o H. No. 145, Ward No. 6,
Shah Bazar, Burhanpur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Khem Chand
S/o Shri Dulichand Bhagat &
2. Shri Narendia Kumar (minor)
S/o Shri Dulichand
R/o H. No. 1 Ward No. 4,
Pratap Pura, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 145, Ward No. 6, Shah Bazar, Burhanpur.

VIJAY KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1964 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC./ACQ/BPL/80-81/1560.—Whereas, I,
SATISHCHANDRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

House (Part) situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Indore on 19th October, 1979for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shyam Lal
S/o Shri Jhangalmal
2. Shri Kimatmal
S/o Shri Hazarimal
3. Shri Hukamchand
S/o Shri Kimatmal &
4. Smt. Maina Bai
W/o Shri Jhangalmal

(Transferor)

- (2) Shri Dilbagrai
S/o Shri Pritamlal
R/o 3A, Adarsh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 3-A, Adarsh Nagar, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7-5-1980 .

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1561.—Whereas, I,
SATISH CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16th November, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shyamal
S/o Shri Jhangmal
2. Shri Kimatmal
S/o Shri Hazarimal
3. Shri Hukamchand
S/o Shri Kimatmal &
4. Smt. Maina Bai
W/o Shri Jhangmal

(Transferor)

- (2) Shri Narendra Kumar
S/o Shri Pritamlal
R/o 3A, Adarsh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 3-A, Adarsh Nagar, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-1980
Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M P

Bhopal the 13th May 1980

Ref No IAC/ACQ/BPI/80 81/1562—Whereas, I, SATISH CHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No House (Part) situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 16th November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Shri Shyam Lal
S/o Shri Jhangalmal
2 Shri Kumatmal
S/o Shri Hazratmal
3 Shri Hukumchand
S/o Shri Kumatmal &
4 Smt Marna Bai
W/o Shri Jhangalmal
All R/o 141/2 Baitathi Colony, No 2 Indore
(Transferors)

- (2) Shri Somnath
S/o Shri Pritamlal
R/o 3A Adarsh Nagar Indore
(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of house No 3A, Adarsh Nagar Indore

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 13-5 1980
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/80-81/1563.—Whereas, I,
SATISH CHANDRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

House (Part) situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore, on 26th October, 1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

22—106GI/80

- (1) 1. Shri Shyamlal
S/o Shri Jhangalmal
2. Shri Kumatmal
S/o Shri Hazarimal
3. Shri Hukumchand
S/o Shri Kumatmal &
4. Smt. Maina Bai
W/o Shri Jhangalmal
all R/o 141/2 Bairathi Colony No. 2, Indore.
(Transferors)

- (2) Shri Jaikishan
S/o Shri Pritamlal
R/o 3A, Adarsh Nagar, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 3-A, Adarsh Nagar, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1564.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Sagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri 1. Sambhu Prasad &
2. Vishvanath
both Ss/o Shri Parmanand Pateria
R/o Katra Bazar, Sagar. (Transferor)
- (2) Shri Hukumchand
S/o Shri Maghanmal Sindhi,
R/o Civil Lines, Sagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 83 situated on main road at Katra Bazar, Sagar.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1565.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Indore on 18th October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Mankuwarbai, W/o
Shri Ramnivasji Bhaiya, R/o
2/5 M.G. Road, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Shri Chand
S/o Shri Narayandas
R/o 161, Palashikar Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 in G.F. of the Municipal House No. 2/5, M.G. Road, (near Kothari Market), Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1566.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 27th October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. Rajyashree Choube
D/o Shri Mahesh Chandra Choube,
R/o Golbazar, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Sudha Choube
W/o Shri Rajiv Ratan Choube,
R/o Golbazar, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storied Building Corpn. No. 287, 287/1 to 287/3,
Victoria Road, South Civil Lines, Jabalpur.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80 8-/1567.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 26th Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahadeo S/o Shri Baijulal &
2 Satyanarayanan S/o Shri Mahadeo, both R/o 46, Bombay Bazar, Mhow. (Transferor)
- (2) 1 Shri Babulal S/o Murlidhar
2. Rajendra Kumar S/o Shri Babulal &
3 Radheshyam S/o Shri Babulal all R/o 62, Maulana Azad Marg (Lohar Path), Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied house bearing No. 42, Maulana Azad Marg, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-80

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-8-/1568.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28th Sept., 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the upposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s Vivekanand Grih Sahakari Sanstha Maryadit, 3, Nandanvan Colony, Indore.
(Transferor)
- (2) Shri Pradeep Kumar Krishnarao Hawaldar, C/o Bank of India, Gautampura Branch, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied house bearing No. 42, at Nandanvan Colony, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1570.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 22nd Sept., 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shyam Sunder S/o Kishanlal Goyal R/o 13, North Hathipala, Indore, (Transferor)
- (2) Smt. Narbodabai W/o Kishorilal Goyal
(2) Smt. Savitribai W/o Banwarilal &
(3) Smt. Kasumlata W/o Dhannalal Goyal all R/o 49, Janki Nagar Colony, Indore, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 36 at Sneh Nagar, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 13-5-80
Seal :

FORM ITNS————

(1) Shri Bhagwandas S/o Gokulji Nagar,
R/o Bombay-Agra Road, Palasia, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Surendra Kumar & Narendra Kumar both S/o
Shri Kishandas Agarwal, R/o 3-Hukumchand Marg,
Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 13th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1570.—Whereas, I,
SATISH CHANDRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
House situated at Indore(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 5th Sept., 1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.Explanation:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the Income-
tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storied finished house at 19-20/2, Ahilyapura, Indore

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—Date : 13-5-80
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1751.—Whereas, I, SATISH CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Godown situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 3rd Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
23—106G1/80

- (1) Shri Shree Bharti Publications Ltd. through Director Shri Nikhilesh S/o Surendranath Sastri, 151/10, Imli Bazar, Peergali, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Prakashchand S/o Chhotelal Pokharana, R/o 19, Bada Sarafa, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied Godown No. 151/11 at Imli Bazar, Peergali, Indore.

SATISH CHANDRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 14-5-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1572.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 13th Sept, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Ramkrishna S/o Shankerlal Shukla
R/o Village Pathrad Khurd,
Teh. Maheshwar Distt Khargone, (Transferor)
- (2) Smt. Sumitra Kaur W/o Darshan Singh Saluja,
R/o Village Manpur Teh. Mhow. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storied house at 47, Vishnupuri Colony, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Amrit Kaur W/o Gurbachan Singh
R/o 17/1, Navapura, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rukhmanibai W/o Madanlal Sinhal,
136, Devi Ahilya Marg, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1573.—Whereas, I,
SATISH CHANDRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Indore on 26th Sept., 1979for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3 at Rambag Gali No. 2, Indore.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-80

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1574.—Whereas, I, SATISH CHANDRA, being the Competent Authority under Section 2691B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Morar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Roman Catholic through Director FR G. E. R/o Bhagwan Colony, Thatipur, Morar.

(Transferor)

(2) Shri Sovaransingh S/o Shri Ujgarsingh, R/o Village Mai, Distt. Agra

(Now at Bhagwan Colony, Thatipur, Morar)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house at Bhagwan Colony, Thatipur, Morar, Gwalior.

SATISH CHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 14-5-1980

Seal:

FORM ITNS ———

(1) Smt. Kapooridevi W/o Late Marayan Prasad Singhal
R/o Heeng ki Mandi, Agra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Rameshchand S/o Jamunadas Renwal &
2. Vishnukumar S/o Jamunadas Renwal,
R/o Sarafa Bazar, Lashker.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1575.—Whereas, I, SATISHCHANDRA, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Gwalior (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 5th September 1979 consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied, house, at 7, Tansen Road (Gaushpura) Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1576.—Whereas I, SATISHCHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 28th September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sharadrao S/o Bhaskhar Rao Munsiraja,
R/o Chawadi Bazar, Lashkar. (Transferor)
- (2) Shri Omprakash S/o Shyamlal Kukreja,
Pichhadi Dyodi, Lashkar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the double storied house at 693/6, Chawadi Bazar, Lashkar.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHOPAL**

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1577.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Lashkar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 28th September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sharadrao S/o Bhaskar Rao Munshiraja,
R/o Chawadi Bazar, Lashkar. (Transferor)
- (2) Shri Dilip Kumar S/o Shyam Lal Kukreja,
R/o Pichhade Dyodi, Lashkar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the double storied house at 639/6, Chawadi Bazar, Lashkar.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1578.—Whereas I, SATISHCHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Lashkar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 28th Sept. 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922(1) of (1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sharadrao S/o Bhaskar Rao Munshiraja,
R/o Chawadi Bazar, Lashkar.

(Transferor)

- (2) Ashok Kumar S/o Shyamlal Kukreja,
R/O Pichhadi Dyodi, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of the house at 693/6, Chawadi Bazar, Lashkar.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Baboo Ram Singh Kushwaha, Office Incharge,
Basant Vihar Grah Nirman Sahakari Sanstha
Maryadit, Gwalior.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vimaladevi Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1579.—Whereas, I,
SATISH CHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Plot situated at Lashkar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Gwalior on Sept. 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

24—106GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15-B at Seindia Kanya Vidhyalaya, Lashkar.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1580.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Lashkar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Baboo Ram Singh Kushwaha, Office Incharge, Basant Vihar Grah Nirman Sahakari Sanstha Maryadit, Gwalior.

(Transferor)

(2) Shri Krishnakumar S/o Mahavir Prasad Gupta, R/o Naya Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot area 3997 sq. ft. at Scindia Kanya Vidhyalaya, Lashkar.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref No IAC/ACQ/BPL/80-81/1581 —Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No Plot situated at Lashkar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on Sept 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Baboo Ram Singh Kushwaha, Officer Incharge, Basant Vihar Grah Nirman Sahakari Sanstha Maryadit, Gwalior. (Transferor)
- (2) Shri Ramkumar S/o Mahavir Prasad Gupta, R/o Naya Bazar, Lashkar. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot area 3997 sq ft at Scindia Kanya Vidhyalaya, Lashkar

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 14-5-1980.
Seal

FORM ITN—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(1) M/s. Sakkar Grih Nirman Sahakari Sanstha,
Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Kewalram S/o Shri Kamchand Sindhi,
R/o Sakkar Colony, Lashkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,****BHOPAL**

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1582.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Lashkar, Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 52 admeasuring 2658 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM FINS

(1) M/s Sakkar Greh Nirman Sahakari Sanstha,
through Shri Ghanshyamdas (Secretary)
Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Digamber S/o Sakhawatrai Jaiswani,
R/o Sarafa Bazar, Lashkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1583.—Whereas, I,
SATISHCHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. Plot situated at Lashkar, Gwalior
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
at Gwalior on 4th Sept. 1979,
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 51 admeasuring 2658 Sq. ft. at Sindhu
Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1584.—Whereas, I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Sakkar Grih Nirman Sahakari Sanstha, Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar. (Transferor)
(2) Shri Dalip Kumar S/o Thakurdas Sindhi, R/o Balabi Ka Bazar, Lashkar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 49 admeasuring 2658 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI/80-81/1585.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Sakkar Grih Nirman Sahakari Sanastha, Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Prakashchand alias Pritamdas S/o Shri Gulab-rai, Jaisinghani R/o Angre Ka Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 28 admeasuring 1924 Sq. ft. at Sindhu Vinar, Colony, Jai vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORM FINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL**

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1586.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Gwalior on 4th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/Sarkar Grih Nirman Sahakari Sanastha,
Through Shri Ghanshyamdas (Secretary),
Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Nanakram S/o Bhorumal Sindhi,
R/o Naya Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 47 admeasuring 2658 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1587.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

25—106GI/80

- (1) M/s Sakkar Grih Nirman Sahakari Sanastha, Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar.

(Transferor)

- (2) Nanakram & Shyamdas both S/o Shri Balchand Sindhi, R/o Chitnis Ki Gonth, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 50 admeasuring 2658 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980,
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1588.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Sakkar Grih Nirman Sahakari Sanastha, Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar.

(Transferor)

(2) Hiralal S/o Melumal Sindhi, R/o Mau Ka Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 54 admeasuring 2590 sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1589.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Sakkar Greh Nirman Sahakari Sanastha, Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar.

(Transferor)

- (2) Arjundas So Chhamandas, R/o Kethwali Gali, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 45 admeasuring 3117 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.

Seal :

FORN FUNDS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL**

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1590.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Saktar Krih Nirman Sahakari Sanatha,
Through Shri Ghanshyamdas (Secretary),
Lashkar.

(Transferor)

(2) Shri Kisandas S/o Shri Bhorumal Makrani,
R/o Naya Bazar, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 46 admeasuring 284 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1591.—Whereas, I, SATISHCHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Sakkar Grih Nirman Sahakari Sanstha, through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar. (Transferor)
- (2) Shri Balram S/o Shri Gorumal Sindhi, R/o Madhoganj, Lashkar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 1 admeasuring 2308 Sq. Ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1592.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Sakkar Krih Nirman Sahakari Santha, Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar. (Transferor)
- (1) Thakurdas So Sugnamal Sindhi, R/o Khurjewala Mohalla, Lashkar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 36 admeasuring 1749 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/(ACQ/BPL/80-81/1593.—Whereas I, SATISHCHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—

- (1) M/s Sakkar Grih Nirman Sahakari Sanstha Through Shri Ghanshyamdas (Secretary), Lashkar.

(Transferor)

- (2) Omprakash S/o Hetchand Sindhi, R/o Phadnis ki Gonth, Lashkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 34 admeasuring 1749 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1594.—Whereas, I, SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Lashkar, Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gwalior on 4th Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Sakkar Grih Nirman Sahakari Sanstha through Shri Ghanshyamdas (Secretary) Lashkar. (Transferor)

(2) Shri Govindram S/o Rojiram Sindhi, R/o Sakkar Colony, Nai Sadak, Lashkar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 53 admeasuring 2590 Sq. ft. at Sindhu Vihar Colony, Jai Vilas Palace, Lashkar, Gwalior.

SATISHCHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/8-81/1595.—Whereas, I, SATISHCHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 52,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore 5th Sept., 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
 26—106GI/80

- (1) Shri Govindram S/o Milkiramji Pahuja, R/o Jai-rampur Colony, Indore. (Transferor)
 (2) Smt. Shobha Bai W/o Jethanandji, R/o 90, Jai-rampur Colony, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 179 at Jai-rampur Colony, Indore.

SATISHCHANDRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 14th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1596.—Whereas, I,
SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 12th Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bishwajeet Sengupta S/o Shri Gurudayal Sengupta R/o 9K Char Imli, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri K. K. Mahto S/o Shri Kishorilal Mahto, R/o E4/130, Arcra Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. E-4/130 situated at Arcra Colony, Bhopal.

SATISHCHANDRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Pannalal S/o Shri Narainji Mali,
R/o Village Barkheda Teh, Neemuch,
Mandsaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jehra Bai W/o Haji Tahir Ali Bohra,
R/o Chotti Sadri, Distt. Chittor (Raj.)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1597.—Whereas I,
SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Neemuch

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Neemuch on 7th Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have in the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house situated at Neemuch Sudhar Niyas No. 11,
Mama Marg, Neemuch.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1598.—Whereas I,
SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Neemuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on 7th Sept, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pannalal S/o Shri Narainji Mali,
R/o Village Barkheda Teh. Neemuch,
Mandsaur.

(Transferor)

- (2) Shri Abed Ali S/o Haji Tahir Ali Bohra,
Chotti Sadri, Chittorgarh (Raj.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house situated at Neemuch Sudhar Niyas No. 11, Mama Marg, Neemuch.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1598.—Whereas, I, SATISHCHANDRA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 20th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act as respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Girwar Singh Thakur S/o Late Shri Dalbhanjan Singh, Retired Principal, R/o 1783, Gupteshwar Road, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Shri Ramlal S/o Late Shri Bhagwandas Dewan, R/o House No. 1416/7/A; Gupteshwar Road, Madan Mahal Ward, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House situated at 1416/7/A, Gupteshwar Road, Madan Mahal Ward, Jabalpur.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1599.—Whereas, I,
SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jabalpur on 24th Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sou. Rajkumari Kanda W/o Shri M. L. Kanda
(2) Sanjay Kanda (minor) S/o M. L. Kanda,
R/o 1387, Madan Mahal Ward, Jabalpur.
(Transferor)

- (2) Shri Mulakraj Chawla S/o Shri Ramdas Chowla,
R/o Madan Mohal Ward, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at Vil. Maheshpur Kh. No. 29/1 part; 76, 79/1, 81/3; 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97 and 100—Madan Mahal Ward, Jabalpur.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1600.—Whereas I, SATISCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing NO. Plot situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 11th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mukandrao Khankhoja S/o Shri Niwastao Khankhoja, R/o Tilaknagar, Bilaspur, (Transferor)
(2) Shri Nandlal S/o Shri Balamji Chouhan, R/o Pali, Teh. Katghora, Distt. Bilaspur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 202, situated at Halka No. 110 in Vinoba Nagar, Bilaspur.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chandrika Prasad S/o Thakur Prasad Srivastava,
R/o Pandritarai, Raipur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) (1) Daljeet Singh (2) Rajendra Singh (3)
Ramendra Pal Singh and, (4) Inderveer Singh all S/o
Shri Malik Singh Juneja, R/o Nahaepara, Raipur
(M.P.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPALObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 15th May 1980

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1601.—Whereas I,
SATISHCHANDRA,
being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Raipur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908) (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Raipur on 6th Sept. 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating at the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open plot No. 7 & 8 situated at Pandritarai, Halka No.
109, Block No. 2, Ward No. 4, Raipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sharda Bai W/o Boran Singh Baghel,
R/o Village Sargapur, Teh. & Distt. Seoni.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Maharshi Institute of Creative Intelligence in India,
Raniwas Vyhor Bagh, Jabalpur through Shri Chaman
Singh Shastri, Vill. Tigra, Distt. Seoni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1602.—Whereas I,
SATISHCHANDRA

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Land situated at Vill. Tigra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Seoni on 13th Sept. 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—
27—106GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Open land No. 213 at Halka No. 80, Village Tigra, Distt.
Sivani.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1603.—Whereas I, SATISHCHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Tigra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Senoi on 13th Sept. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Dulari Bai W/o Shri Raghunath Singh Baghel, R/o Vill. Simria, Teh. & Distt. Silvani. (Transferor)
- (2) Maharshi Institute of Creative Intelligency in India, Raniwas Vyhor Bagh, Jabalpur through Shri Chaman Singh Shastri, Incharge Maharshi Ashram, Vill. Tigra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land No. 213 at Halka No. 80, Vill. Tigra, Distt. Senoi.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sharda Bai W/o Thakur Shubkaran Singh
Baghel, R/o Vil. Tighra, Teh. & Distt. Silvani,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1604.—Whereas I,
SATISHCHANDRA,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be-
lieve that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot situated at Tighra
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Seoni on 13th Sept. 1979,
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

(2) Maharshi Institute of Creative Intelligence in India,
Baniwas Voyhar Bagh Jabalpur through
Shri Chaman Singh Shastri, Vil. Tighra,
Distt. Seoni.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land No. 213, at Halka No. 80, Vil. Tighra, Distt.
Seoni.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1605.—Whereas I,
SATISHCHANDRAbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Plot situated at Tighra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Seoni on 13th Sept. 1979,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Thakur Shubhkaran Singh S/o Gharan Singh
Baghel, R/o Vill. Tighra, Teh. & Distt. Seoni.

(Transferor)

- (2) Maharshi Institute of Creative Intelligence in India
Baniwas Voyhar Bagh, Jabalpur through Shri
Chaman Singh Shastri, Incharge Maharshi Ashram,
Vill. Tighra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land No. 213, at Hlka No. 80, Vill. Tighra, Distt.
Seoni.

[Signature]

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1606.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 1st Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Rajkumar Jacob S/o Shri John Jacob,
R/o Mission Press Compound,
Civil Lines, Jabalpur.
(Transferor)
- (2) Shri (1) Methias Edwin Arnold S/o Late Shri G. Arnold (2) Rajesh Kumar Arnold S/o Shri M. E. Arnold, both R/o Napier Town, Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 948/4-I & II, situated at Silver Oak Compound, Napier Town, Jabalpur.

SATISHCHANDRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1607.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 27th Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. D. Sourie S/o Late Shri K. L. Goutama
R/o 2 West 5, Patel Road, New Delhi through S. Attorney Shri I. J. S. Sethi
R/o M. 163/E-7 Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Haelya W/o Shri Mahesh Chandra
Hariya, R/o 111/E-5 Arera Colony, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of uncompleted house No. 111 situated at E-5, Shah-pura, Arera Colony, Bhopal.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/80-81/1608.—Whereas I, SATISHCHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Raipur on 3rd Sept. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Habib Ahmed S/o Late Shri Mohd. Farooq,
R/o Budhapara, Raipur. (Transferor)
- (2) Shri Ranjeet Singh Rathod, S/o Shri Chotte Lal Rathod, R/o Rathod Chowk, Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2/26, Nazul Block No. 77, Purani Police line, Near Jai Ram Talkie, Mohdpara Ward, Raipur.

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th May 1980

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./80-81/1609.—Whereas, I, SATISHCHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Ratlam

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 25th Sept. 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri (1) Manjur Khan S/o Gulkhan (2) Akhtar Khan S/o Gulkhan & (3) Jabran Bai W/o Shri Gulkhan all R/o Saranipura, Ratlam. (Transferor)

(2) M/s. R. K. Traders.
Manak Chowk, Ratlam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land No. 1073 situated at Kasba Ratlam,

SATISHCHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 15-5 1980

Scd :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. KULU/11/79-80.—Whereas I. SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House 2½ storeyed Kothi Maharaja, Distt. Kulu situated at Phatti Dhalpur, Kothi Maharaja, Teh. & Distt. Kulu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kulu in Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
28—106GI/80

- (1) Shri Haveli Ram alias Harish S. Chopra
S/o Shri Ruldu Ram Chopra
S/o Sh. Moti Ram Chopra,
r/o Pathankot at present House No. 2211,
Sector 27C, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Lal Chand Prarthi S/o Shri Tek Ram
Resident of Phati & Kothi Naggar, Teh. &
Distt. Kulu.
(Transferee)
- (3) 1. Distt. Public Relation officer, Kulu.
2. Distt Librarian, Kulu.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House 2½ storeyed at Phati Dhalpur, Kothi Maharaja, Teh. & Distt. Kulu. (The property as mentioned in the sale deed No. 602 of Sept. 79 of the Registering Authority, Kulu.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. PTA/287/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 1 bigha 3½ biswas situated at Lehla, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in Sept., 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Karnail Singh S/o Shri Pala Singh,
r/o near Id Ghah Road, Patiala.
(Transferor)
- (2) Shri Sukhinder Singh S/o Sh. Narinder Singh,
R/o 27D, Model Town, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1 bigha 3½ biswas at Lehla, Patiala. (The Property as mentioned in the sale deed No. 3409 of Sept., 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Hari Singh S/o Sh. Kesar Singh
R/o Rasulpur Saidan, Teh. Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Badri Chand S/o Sh. Walaiti Ram of Samana,
Shop-cum-Flat No. 31, New Anaj Mandi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. PTA/321/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop-cum-Flat No. 31, situated at New Anaj Mandi, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop-cum-Flat No. 31, New Anaj Mandi, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 3838 of October, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. NBA/141/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 4 Kanals 4 Marlas situated at Nabha Teh. Nabha Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nabha in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gurdev Kaur wd/o Sh. Harnek Singh
r/o Near New Grain Market, Malerkotla Road,
Nabha. (Transferor).
- (2) Smt. Kamlesh Rani w/o Sh. Rajinder Pal,
Bhagwan Dass, Surinder Kumar, Narinder Kumar
Ashok Kumar Ss/o Shri Om Prakash, B. K. O.,
Ramgarh, Nabha. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Kanals 4 Marlas at Nabha.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1559 of September, 1979 of the Registering Authority, Nabha)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 15 May 1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Commodor Harish Chander Malhotra
S/o Shri L. C. Malhotra, Resident of D-133,
Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Gurjinder Singh Nagpal
S/o Shri Jawahar Singh Nagpal,
r/o House No. 131, Sector 23A, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/282/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1539 situated at Sector 36D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1539, Sector 36D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1665 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 15th May 1980

Ref. No. CHD/222/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Residential plot No. 1368 situated at Sector 34C, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) ~~Shri Tajinder Singh Bedi~~
S/o Shri Raghbir Singh,
r/o 1208, Sector 18C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) ~~Shri Bina Sain Bhatia~~ S/o Shri Manu Ram,
House No. 242, Subhash Nagar, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1368, Sector 34C, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1271 of Sept. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980

Seal :

FORM ITNS

(1) Cap. Subhash Bindra S/o Brig. R. K. S. Bindra,
r/o 1-A, M.B. Club, Lucknow.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Cap. J. S. Gosal S/o Shri H. S. Gosal,
1/3 Qrs. G.R. C/o 99 APO.
C/o Sh. D. S. Gosal,
H. No. 202-9-C, Chandigarh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/216/79-80.—Whereas I, SUKHDEV
CHAND,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Residential Plot No. 1046 situated at Sector 36C,
Chandigarh
(and more fully described in the schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in Sept., 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-
ble property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1046, Sector 36C, Chandigarh.
(The Property as mentioned in the sale deed No. 1235 of
Sept. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. PTA/289/79-80.—Whereas I, SUKHDEV
CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 8/A, (Measuring 500 sq. yds.) situated at
Dhillon Marg, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Patiala in Sept., 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing person, namely :—

(1) Shri Mohinder Pal Singh S/o Late Capt. Chattar
Singh r/o V. Kaulgarh, S. Tehsil Amloh.
(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh S/o Shri Arjan Singh,
Lecturer, Khalsa College, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8/A, (measuring 500 sq. yds.) at Dhillon Marg,
Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3426 of
Sept. 79 of the Registering Authority, Patiala).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May, 1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. PTA/288/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 500 sq. yds. (Plot No. 8B) situated at Dhillon Marg, Patiala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in Sept., 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—106GI/80

- (1) Shri Mohinderpal Singh S/o Late Capt Chhatar Singh R/o Kaulgarh, S. Tehsil Amloh. (Transferor)
- (2) Shri Arjan Singh S/o Shri Mangal Singh Gidranwali, Tehsil Fazilka. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8B measuring 500 sq. yds. at Dhillon Marg, Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3425 of 9/79 of the Registering Authority, Patiala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May, 1980
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 2690(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/235/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 3481, Sector 35-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Balbir Singh Batra s/o Sh. Jassa Ram
c/o 26, Raghbir Nagar, New Delhi-27 through his
Spl. Power of attorney Smt. Sharan Kaur w/o Sh.
Gurdial Singh Dhillon r/o 3552, Sector 35-D,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Devi w/o Sh. Mohan Lal
r/o H. No. 3481, Sector 35-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3481, situated in Sector 35-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1373 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May, 1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/223/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 12 kanals 5 Marlas situated at Manimajra U.T. Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Sh. Dara Singh, Dev Singh and Shansher Singh s/o Sh. Bhajan Singh r/o Mani Majra, U.T. Chandigarh.

(Transferor)

(2) (1) Sh. Mohinder Singh s/o Sh. Sham Singh r/o H. No. 1033, Sector 11-A, Chandigarh.

(2) Sh. Jagdev Singh s/o Sh. Mohinder Singh r/o V. Lal Kalan Distt. Ludhiana through Attorney Balraj Singh, r/o 116, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 kanals 5 Marlas situated in Manimajra U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1272 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/224/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 16 Kanals 8 Marlas situated at Vill. Manimajra U.T. Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Hukam Chand s/o Daulat Ram V. Majri Distt. Ropar. Sh. Angra Dev s/o Sh. Lachhman Dass, r/o Mullanpur Garib Dass, Distt. Ropar.
(Transferor)

- (2) Sh. Mohinder Singh s/o Sh. Sham Singh, r/o H. No. 1033, Sector 11-A, Chandigarh and Sh. Jagdev Singh s/o Sh. Mohinder Singh r/o V. Lal Kalan Distt. Ludhiana through Sh. Balraj Singh, 116, Sector 8-A, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 kanals 8 Marlas in Vill. Manimajra, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1274 of September 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/267/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1584, Sector 36-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Amarjit Singh Jaijee s/o Sh. Wazir Singh Jaijee r/o Malwa House, behind New Moti Bagh Palace, Patiala.

(Transferor)

(2) Sh. Surinder Gupta s/o Sh. D. S. Gupta, H. No. 3283, Sector 19-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1584 (measuring 580.94 Sq. yds.) situated Sector 36-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1647 of October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May, 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/387/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kothi No. 270-L (M.C. No. B-XVIII/730/1) situated at Model Town, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept. 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Santosh Sharma W/o Sh. Ved Parkash & Shri Ved Parkash S/o Shri Sita Ram, r/o 270-R, Model Town, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Smt. Sunita Rani Jain W/o Sh. Bimal Kumar Jain, 270-L, Model Town, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 270-L, Model Town, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3084 of Sept. 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. SRD/133/79-80.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 39 kanals situated at Village Alipur Sondian, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagjit Singh S/o Shri Narinder Singh through his attorney Shri Narinder Singh alias Naranjan Singh, r/o House No. 3305, Sector 23D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Roshan Lal, Prem Chand Ss/o Shri Hardial & Shri Kuldip Singh S/o Shri Hargobind, R/o Sirhind Mandi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals at V. Alipur Sondian, Teh. Sirhind.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2491 of November, 1979 of the Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15 May 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. SRD/130/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 29 kanals 14 marlas situated at Village Alipur Sondian, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Harpal Singh
S/o Shri Taja Singh,
R/o V. Alipur Sondian,
Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Roshan Lal and Prem Chand
Ss/o Shri Hardial &
Shri Kuldip Singh
S/o Shri Hargobind,
R/o Sirhind Mandi Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 kanals 14 marlas at Alipur Sondian, Teh. Sirhind.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2463 of October 1979 of Registering Authority, Sirhind).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. SRD/131/79-80—Wt. reas. 1,
SUKHDEV CHAND

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 39 Kanals situated at Village Alipur Sondian, Teh. Sirhind, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirhind in October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagjit Singh
S/o Shri Narinder Singh
through his attorney
Shri Narinder Singh alias Shri Naranjan Singh,
R/o House No. 3305, Sector 23D,
Chandigarh
(Transferor)
- (2) S/Shri Roshan Lal and Prem Chand
S/o Shri Hardial &
Shri Kuldip Singh
S/o Shri Hargobind,
R/o Sirhind Mandi Distt. Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 39 kanals at V. Alipur Sondian, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2464 of October, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No DS/16/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 78 kanals situated at Pathan Majra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Dudhan Sudhan in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Labh Singh
S/o Shri Sohan Singh
R/o Majra Khurd alias Pathan Majra,
Teh. Dudhan Sudhan.

(Transferor)

- (2) Smt. Darshan Kaur
W/o Shri Labh Singh.
S/Shri Rajinder Singh & Bhupinder Singh
S/o Shri Labh Singh
R/o Pathan Majra Teh. Dudhan Sudhan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 78 kanals at Pathan Majra.
(The property as mentioned in sale deed No. 488 of September, 1979 of the Registering Authority, Dudhan Sudhan)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/254/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Residential Plot No. 3371 situated at Sector 35D, Chandigarh,
(and more fully described in the Schedule Annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
Chandigarh in October, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
exceeds the apparent consideration therefor by more than fif-
teen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :

(1) Shri Gurdit Singh
S/o Shri Harnam Singh,
R/o House No. 111/662, Nanak Nagri,
Moga, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Devi Singla
W/o Shri Tarsem Chand,
R/o House No. 1678, Sector 33,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 3371, Sector 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1516 of
October, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Krishan Lal
S/o Shri Pitaya Lal
R/o 6/4 Jawahar Nagar, Ludhiana
(Transferor)
- (2) Shri Jagdish Chander
S/o Shri Iwan Das,
R/o 49, New Model Town, Ludhiana
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref No 1 DI/373/79 80—Whereas I,
SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value
exceeding Rs 25,000/ and bearing

Kothi No 49 (MC No B-XVIII-1371) situated at
New Model Town, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in Sept, 1979

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-
tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No 49, (MC No B XVIII-1371) New Model Town
Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No 2994 of
September 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range Ludhiana

Date 15-5-1980
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/378 79-80—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 233 1/3 sq. yds. situated at Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Krishna Kumari
W/o Shri Narain Dass
S/o Shri Kidar Nath,
R/o Mandi Kesar Ganj, Ludhiana (Transferor)
- (2) Shri Ashok Kumar
S/o Shri Baria Ram
S/o Shri Hari Ram,
R/o Kucha No. 5, Field Ganj, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 233 1/3 sq. yds. at Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No. 3039 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/375/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
Plot measuring 400 sq. yds. situated at
Sandeep Nagar, Civil Lines, Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in September, 1979
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Krishna Kumari
W/o Shri Narain Dass
S/o Shri Kidar Nath,
R/o Mandi Kesar Ganj, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) S/Shri Chander Parkash & Rakesh Kumar
Ss/o Shri Burra Ram,
R/o Field Ganj, Kucha No. 5, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 400 sq. yds. at Sandeep Nagar, Civil Lines,
Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3017 of
September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM INS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTOR ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref No LDH/390/79 80 --Whereas, I
SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range Ludhiana
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/-
and bearing No
Land measuring 52 kanals 16 marlas situated
Village Sasrali, Teh. & Distt Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in September, 1979
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of
the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Mukhtiar Singh
S/o Shri Sher Singh &
Shri Parra Singh
S/o Shri Sohan Singh
P.O. Sasrali Distt Ludhiana (Transferor)
- (2) S/o Shri Manjit Singh Gurmukh Singh
S/o Shri Partap Singh
S/o Shri Surjan Singh
R/o V V Segra, Teh Ludhiana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which
ever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 52 kanals 16 marlas at V Sasrali, Tehsil
Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No 3114 of
September 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana

Date 15.5.1980
Seal,

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. IDH/351/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share of the Building No. B-2 1555, situated at Kucha Pt. Des Raj Near Ghanta Ghar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Piara Lal
S/o Shri Mahala Singh
S/o Shri Bhag Mal
R/o 2342 Adampur Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar
S/o Shri Ram Lal
R/o 352 Kucha Harnam Dass
near Gurdwara Kalgi Dhar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of Building No. B-2-1555, situated in Kucha Pt. Des Raj Near Ghanta Ghar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No 2858 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref No LDH/352/79 80—Whereas, I, SUKHDI V CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 1/4th share of Building No B-2 1555, situated at Pt Des Raj Kucha Near Ghanta Ghar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —
31—106GI/80

(1) Shri Piara Lal
S/o Shri Mula Singh
S/o Shri Bhag Mal
R/o 2342 Amarpura Ludhiana

(Transferor)

(2) Shri Janak Raj
S/o Shri Karam Lal
S/o Shri Ganga Ram
R/o 352 Kumar Harnam Dass
near Gurdwara Kalgi Dhar, Ludhiana

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

1/4th share of Building No B-2-1555, situated in Kucha Pt Des Raj Near Ghanta Ghar, Ludhiana

(The property as mentioned in the Registered Deed No 2877 of September 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 15-5 1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA**

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. LDH/558/79-80.—Whereas, I, **SUKHDEV CHAND**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share of Building No. B-II-1555, situated at Kucha Pt. Des Raj Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Piara Lal
S/o Shri Mahal Singh
R/o 2342 Mohalla Amarpura, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Ashwani Kumar
S/o Shri Ram Lal
R/o 352 Kumran Road, Kucha Harnam Dass,
Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of Building No. B-II-1555, situated in Kucha Pt. Des Raj Near Ghanta Ghar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4782 of January, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, 15th May 1980

Ref. No. LDH/484/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share of Building No. B-II-1555, situated at Kucha Pt. Des Raj Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Piarra Lal
S/o G. D. P. Singh
R/o 2342 Mohalla Amarpura, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Maya Devi
W/o Shri Ram Lal
R/o 352 Kamran Road,
Kucha Harnam Dass, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14th share of Building No. B-II-1555, situated in Kucha Pt. Des Raj Near Ghanta Ghar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4021 of November, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref No. CHD/231/79-80.—Whereas, I,
SUKHDEV CHAND,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Residential Plot No. 2518 situated at Sector 35C, Chandigarh,
(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Chandigarh in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(1) Air Cdr. Mulk Raj
S/o Shri Lakhmi Dass,
R/o 9-Subroto Park, New Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Ajit Singh Punnu
S/o Shri Saudagar Singh,
R/o House No. 202, Sector 35A, Chandigarh,
as Karta of H.U.F.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 2518, Sector 35C, Chandigarh.

(The Property as mentioned in the sale deed No. 1354 of
September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref No LDH/385/79-80—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Portion of House No. 212-B-19 measuring 290 Sq yds. situated at Near Khalsa College, Civil Lines, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harcharan Singh
S/o Shri Dal Singh,
R/o 801/3, Gaushala Road, Ludhiana
(Transferor)

(2) Smt Mohinder Kaur
D/o Shri Bakhtawar Singh
C/o Shri Bakhtawar Singh
R/o Vill. Dolon Khurd Teh. Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Portion of House No 212-B 19 measuring 290 Sq yds. situated at Khalsa College, Civil Lines, Ludhiana

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3064 of September, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE
BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th May 1980

Ref. No. CHD/230/79-80.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2161, Sector 35C, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Maj. Nand Lal Bawa (Retd)
S/o Retd. Chand Bawa
R/o Patel Pump, New Market, Bhopal,
through Smt. Attorney
Dr. M. P. Gupta
S/o Shri Y. R. Gupta
R/o 3086/20-D, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Sudesh Gupta
W/o Dr. M. P. Gupta,
Booth No. 69/Sector 35-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2161, (measuring 482.62 Sq. yds.) situated in Sector 35-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1346 of September, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 15-5-1980
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Randeep O. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 22nd May 1980

Ref. No. AR.II/2836/Sept.79.—Whereas, I,
A. H. TEJALE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 70 CTS No. 798 situated at Vile Parle (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-9-1979 Doc. No. S/1605/79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(2) Sh. Harshad Bhagubhai Patel

(Transferee)

- (3) 1. Shri B. C. Bhandari
2. Mrs. Uma B. Bhandari
3. Mrs. Vijaya Hemantkumar
4. Dr. Hemant Kumar
5. Mr. Vijaykumar Chintaman Pandit
6. Mrs. Gunesundari Natubhai Trivedi
7. Mrs. Devangana Nishth Sheth
8. Mr. Sureshbhai Ratilal Parikh
9. Mr. Haribhai Ratilal Parikh
10. Mrs. Pushpa N. Vakharia
11. Mr. Chunilal V. Shah
12. Mr. Arvind Banerjee
13. Mrs. Jyotsna Shah
14. Mr. B. K. Patel

Tenants (Person in occupation of the property)

(4) Sh. Randeep O. Shah

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1605/79 and registered with the Sub-registrar, Bombay on 26-9-79.

A. H. TEJALE
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 22-5-1980
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION
NOVEMBER, 1980

New Delhi, the 14th June 1980

No. F8/2/80E.1 (B).—A combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 11th November, 1980 for admission to the undermentioned courses :—

<i>Name of the Course</i>	<i>Approximate No. of Vacancies</i>
Indian Military Academy, Dehra Dun (71st Course commencing in July, 1981) [Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].	120
Naval Academy, Cochin (Course commencing in July, 1981) (Incl. 20 for Naval Aviation)	55
Officers' Training School Madras (34th course commencing in October, 1981)	160
Air Force Academy AFAC, Coimbatore (Pre-Course Training for 130th F(P) Course commencing in July, 1981) [Includes 10 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Senior Division Air Wing) holders].	

NOTE I : NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holders may also compete for the vacancies in the Naval Academy and Short Service Commission (Non-Technical) Courses, but since there is no reservation of vacancies for them in these courses, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in these Courses. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) examination to reach the Commission's office by 30th June, 1981.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 12 months on the last date for receipt of application in the Commission's Office.

NOTE II : In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admissions to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy are given in Appendices I, II and III respectively.

NOTE : THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality

A candidate must either be—

- a citizen of India, or
- a subject of Bhutan, or
- a subject of Nepal, or
- a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries or Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not however, be necessary, in the case of candidates who are Gurkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally admitted to the Academy or School, as the case may be, subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

(b) Age limits, sex and marital status :—

- For I.M.A., Naval and Air Force Academy : Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1959 and not later than 1st July, 1962 are only eligible.
- For Officers' Training School—Male candidates (married or un-married) born not earlier than 2nd July 1958 and not later than 1st July, 1962 are only eligible.

NOTE: Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.

(c) Educational qualifications :—

- For I.M.A. Naval Academy and Officers' Training School;—Degree of a recognised University or equivalent.
- For Air Force Academy :—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Commission's office by the following date failing which their candidature will stand cancelled :—

- For admission to I.M.A., Naval and Air Force Academy—on or before the 30th June, 1981.
- For admission to Officers' Training School—on or before the 30th June, 1981.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to

professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

NOTE I : Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.

NOTE II : Candidates, who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

NOTE III : Naval Sailors (including boys and artificer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.

4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.

5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.

6. HOW TO APPLY.—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination November, 1980 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources :—

- (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
- (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.
- (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office Military Area/Sub-Area, Headquarters, N.C.C. Directorates Naval and Air Force Establishments.

All candidates whether already in Government service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in

writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE :—

- (i) From candidates in India 28th July, 1980.
- (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 11th August, 1980.

8. DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE APPLICATION.

(A) By all candidates :—

- (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador, or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—examination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photographs should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

- (iv) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms. × 27.5 cms.

(B) By Scheduled Caste/Scheduled Tribes candidates :—

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his parents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

(C) By candidates claiming remission of fee :—

- (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.
- (ii) An attested/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a *bona fide* displaced person/repatriate :—
 - (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan :
 - (i) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States.

OR

- (ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident.

OR

- (iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

- (iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(b) *Repatriates from Sri Lanka* :
High Commission for India in Sri Lanka.

(c) *Repatriate from Burma* :

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

(D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holders competing for the vacancies reserved for them in the I.M.A. and Air Force Academy Course.

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) holder or a certificate to the effect that he is appearing or appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing) examination.

9. REFUND OF FEE—No refund of fee paid to the Commission with the application will be made except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection :—

(i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

(ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination May, 1980 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination November, 1980 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st March, 1981.

10. ACKNOWLEDGMENT OF APPLICATIONS.—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the results of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies an explanation regarding the discrepancy should be submitted.

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or

(iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or

(v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or

(vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or

(vii) using unfair means during the examination; or

(viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or

(ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or

(x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or

(xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable :—

(a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or

(b) to be debarred either permanently or for a specified period—

(i) by the Commission, from any examination or selection held by them.

(ii) by the Central Government, from any employment under them; and

(c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.

14. Original Certificate—Submission of.—Candidates who qualify for interview on the results of the written examination will be required to submit original certificates in support of their age and educational qualification etc. to the Army Headquarters, AG's Branch, Directorate of Recruiting soon after the declaration of the results of the written examination.

15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

16. CHANGE OF ADDRESS—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES

SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS, A.G.'S BRANCH RTG. 6(SP)(e)(ii) WEST BLOCK 3, WING 1, RAMAKRISHNAPURAM NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE EVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMONS LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, AG's Branch RTG 6(SP)(e)(ii), West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram New Delhi 110022 and Air Headquarters (PO3), New Delhi in the case of Air Force candidates.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ/Air Headquarters will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles :

- (a) Passport size photographs in white shirt—6 Nos.
- (b) Bedding and blankets (according to season).
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks.
- (e) Two pairs of trousers and shirts.
- (f) Fountain Pen, ink and pencils.
- (g) Boot polish and white blanco.
- (h) One mosquito net.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES. ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.S.B. tests in March/April 1981 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in June/July 1981.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written

examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy, Cochin, Officers Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Graduates Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course, or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY OR IN THE AIR FORCE ACADEMY.—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy or the Air Force Academy.

22. INTELLIGENCE TEST—INFORMATION ABOUT.—The Ministry of Defence (Directorate of Psychology Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection

Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Service Selection Boards.

The book is priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bravan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

23. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS OF PREVIOUS EXAMINATIONS—INFORMATION ABOUT.

With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Combined Defence Services Examination, May 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceding examinations upto combined Defence Services Examination held in November, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

R. S. AHLUWALIA
Dy. Secy.

APPENDIX I

(The scheme, standard syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The Competitive examination comprises :—

- Written examination as shown in para 2 below :
- Interview for intelligence and personality test (*vide* Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :—

(a) For admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1	2	3
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	

(b) For Admission to Naval Academy

Subject	Time allowed	Maximum marks
1	2	3

Compulsory

1. English	2 Hrs.	100
2. General Knowledge	2 Hrs.	100

1	2	3
---	---	---

Optional

*3. Elementary Mathematics or Elementary Physics	2 Hrs.	100
4. Mathematics or Physics	2 Hrs.	150

* Candidates offering Elementary Mathematics will take Physics as their 4th Paper and Candidates offering Elementary physics will take Mathematics as their 4th Paper.

(c) For Admission to Officers Training School.

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100

(d) For admission to Air Force Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1	2	3
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100
4. Mathematics or Physics	2 Hours	150

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 300, 450, 200 and 450 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECT WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. In the question papers, wherever necessary questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS ENGLISH

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS

Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

Trigonometry

Sine X, Cosine X, Tangent X when $0^\circ < x \leq 90^\circ$.

Values of $\sin x$, $\cos x$ and $\tan x$, for $x=0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90° .

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures, Theorems on (i) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

ELEMENTARY PHYSICS

(a) *Mensuration*.—Units of measurement; CGS and MKS units. Scalars and vectors. Composition and resolution of forces and velocities. Uniform acceleration. Rectilinear motion under uniform acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.

(b) *Mechanics of Solids*.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane, Screw and Gears. Friction angle of friction, coefficient of friction. Work, Power and energy, Potential and kinetic energy.

(c) *Properties of fluids*.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of floatation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law, Air pumps.

(d) *Heat*.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles' Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.

(e) *Light*.—Rectilinear propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction, Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope Microscope, binocular & periscope. Refraction through a prism, dispersion.

(f) *Sound*.—Transmission of sound; Reflection of sound, resonance. Recording of sound-gramophone.

(g) *Magnetism & Electricity*.—Laws of Magnetism. Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law. P.D. Resistances E.M.F. (Resistances in series and parallel). Potentiometer, Comparison of E.M.F's Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating, Electromagnetic induction, Faraday's Laws; Basic AC & DC-generator.

PHYSICS

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; Rotational motion Gravitation. Simple harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity, Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion. Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats; Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; van der Waal's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces. Spherical

and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysteresis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom. Electrons. Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays. Radioactivity. Artificial radioactivity, Isotopes. Elementary ideas of fission and fusion.

MATHEMATICS

1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Moivre's theorem for rational index and its simple applications.

2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix; inversion of matrices, rank of a matrix. Application of matrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

3. Analytical Geometry

Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Cartesian co-ordinate only).

4. Calculus and Differential Equation

Differential calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonometrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent, normal subtangent, subnormal, asymptotic curvature (cartesian co-ordinates only). Envelope: Partial differentiation. Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus—Standard methods of integration. Riemann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification. Quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integration.

Differential equations—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant co-efficients. Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics—Conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Moments. Couples. Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction, equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion

under gravity (in vacuum). Impulse work and energy. Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics—Probability—Classical and statistical definition of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discrete and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distribution—Binomial distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting form simple application; Poisson distribution,—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Bivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics, Sampling distribution and standard error. Simple application of the normal, t , χ^2 and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note :—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any of the two topics.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition, to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

(Physical Standards or Admission to the Academy/School)

NOTE.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE, ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy or the School. The mere fact that medical examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to anyone. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates are advised in their own interest that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting glasses if and when called for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

1. To be passed fit for admission to the Academy/School a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.

2. It will, however, be ensured that—

- (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformations or obesity;
- (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;

NOTE 1.—A candidate with a rudimentary cervical rib in whom there are no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

NOTE 2.—X-ray spine will be taken to exclude maldevelopments.

- (c) there is no impediment of speech;
- (d) there is no malformation of the head or deformity from fracture or depression of the bones of the skull;
- (e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis media or evidence of radical or modified radical mastoid operation;

NOTE: A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.

- (f) there is no disease of bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;

NOTE: A small asymptomatic trumatic perforation of the nasal septum would not be a cause for outright rejection. But such cases will be referred to the Adviser in Otology for examination and opinion

- (g) there are no enlarged glands in the neck and other parts of the body and that thyroid gland is normal;

NOTE: Scars of operations for the removal of tuberculosis glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding 5 years and the chest is clinically and radiologically clear.

- (h) there is no disease of the throat palate, tonsils or gums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joint;

NOTE: Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsillitis is not a cause for rejection.

- (i) there is no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessels;
- (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronic disease of the lungs;
- (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen;
- (l) there is no inguinal hernia or tendency thereto;

NOTE: (1) Inguinal hernia (unoperated) will be a cause for rejection.

- (2) Those who have been operated for hernia may be declared medically fit provided—

- (i) One year has elapsed since operation. Documentary proof to this effect is to be produced by the candidate;
- (ii) General tone of the abdominal musculature is good.
- (iii) There has been no recurrence of the hernia or complication thereto concerned with the operation.

- (m) there is no hydrocele or definite Varicocele or any other disease or defect of the genital organs;

N.B.—(i) A candidate who has been operated for hydrocele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no evidence of filariasis.

- (ii) Undescended intra abdominal testicle on one side should not be a bar to acceptance provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the undescended testicle. Undescended testis retained in the inguinal canal or the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.

- (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;

- (o) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria or Albuminuria will be rejected;

- (p) there is no disease of the skin unless temporary or trivial scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection;

- (q) there is no active latent or congenital venereal disease;

- (r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinence of urine or enuresis will not be accepted;

- (s) there is no squint or morbid condition of the eyes or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence;

- (t) there is no active trachoma or its complication and sequelae.

NOTE—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.

3. Standards for Height, Weight and Chest Measurement—

(a) Height—

- (i) The height of a candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels, and not on the toes or outer sides of the feet.

He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.

- (ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cm. (157 cm. for the Navy) except in the case of Goikha, Nepalese, Assamese and Garhwal candidates in whose case the height in correlation table at (b)(i) below may be reduced by 5.0 cm. The minimum height of naval candidates from MANIPUR, NFFA, MEGHALAYA, TRIPURA, MIZORAM AND NAGALAND may also be reduced by 5 cm. and 2 cm. in the case of candidates from I ACCADIVES.

- (iii) For Air Force Academy candidates Height—Not less than 162.56 cm. (64") to 190.50 cm (75").
Leg Length—Not less than 99.06 cm (39").

(b) Weight—

- (i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with underpants only. In recording weight fraction of 1/2 kg. will not be noted. A correlation

table between age, height and average weight is given below for guidance :—

Age last birth day	Height without shoes	Weight	
		Average Minimum	Average Maximum
Years	Centimetres	Kgs.	Kg s.
17 to 18	157.5 & under 165.0	43.5	55.0
	165.0 & under 172.5	48.0	59.5
	172.5 & under 183.0	52.5	64.0
	183.0 & upwards	57.0	—
19	160.0 & under 165.0	44.5	56.0
	165.0 & under 172.5	49.0	60.5
	172.5 & under 178.0	53.5	65.0
	178.0 & under 183.0	58.0	69.5
	183.0 & upwards	62.5	—
20 & upwards	160.0 & under 165.0	45.5	56.5
	165.0 & under 172.5	50.0	61.0
	172.5 & under 178.0	54.5	66.0
	178.0 & under 183.0	59.0	70.5
	183.0 & upwards	63.0	—

HEIGHT AND WEIGHT STANDARDS

For Navy and Air Force only

Height in Centimetres	Age		
	18 years	20 years	22 years
Weight in Kilograms			
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

- (ii) It is not possible to lay down precise standards for weight in relation to height and age. The correlation table, is therefore, only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (± 6 kg. for the Navy and Air Force) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who according to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The overweight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are underweight, the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) *Chest*—The chest should be well developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the

inferior angles of the shoulder blades behind and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hang loosely by the sides. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansion of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cm. thus 84/89 and 86/91 etc.

In recording the measurements, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored : 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one. For Air Force Academy candidates Chest Measurements—Fully expanded chest should not be less than 81.28 cm (32") with 5.08 cm (2") expansion.

"X-Ray" of chest is compulsory.

For Air Force Academy : X-Ray spine of all candidates to be taken to detect the following abnormalities which are considered as causes for rejection :—

- Ecoliosis more than 7° by Cobb's method.
- Spina Bifida except at Sv 1.
- Unilateral Sacralization of LV 5.
- Scheuerman's Disease, Scheuerman's Nodes, Spondylosis or Spondylolysis-thesis.
- Any other significant spinal disease.

4. Dental Condition—

It should be ensured that sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

- (a) A candidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw—

- Central incisor, lateral incisor, canine 1st and 2nd pre-molar and under developed 3rd molar—1 point each.
- 1st and 2nd molar and fully developed 3rd molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

- (b) The following teeth in good functional apposition must be presented in each jaw—

- any 4 of the 6 anteriors.
- any 6 of the 10 posteriors.

NOTE—Candidate for direct commission and technical graduates, with well fitting dentures will, however, be accepted for commission.

- (c) Candidate suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea is such that in the opinion of the dental officer it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standard (Army)

	Better eye	Worse eye
Distant vision (corrected)	6/6	6/18

Myopia of not more than -3.5 D including astigmatism
Manifest Hypermetropia of not more than +3.5 D including astigmatism.

NOTE 1. Fundus and Media to be healthy and within normal limits.

2. No undue degenerative signs of vitreous or choroid retina to be present suggesting progressive myopia.

3. Should have good binocular vision, fusion faculty and full field of vision in both eyes.

4. There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian.

Binocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

Colour Vision

Candidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3 (Defective State), defined below will be declared Unfit :—

CP-3 (Defective Safe)—Candidates should be able to recognise white signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's Lantern at a distance of 1.5 metres or read the requisite plates of Ishihara Book/Tokyo Medical College Book.

Visual Standard (Navy)**Standard I****(a) Visual Acuity**

Better eye	Worse eye
V-6/6	V-6/9
Correctable to 6/6	

Distant Vision**Special requirements :**

Normally Cadets/Direct entry officers for all Branches of the Navy will not be tested for Della Casa for Night Vision acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the medical board proceedings :—

I, hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family and I do not suffer from it.

Signature of the candidate

Countersignature of the Medical Officer

colour perception . Standard I M I T (Mortin) LANTERN TEST.

Heterophoria

Limits of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed :—

(a) At 6 metres

Exophoria 8 prism dioptres
Esophoria 8 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptre

(b) At 30 cms—

Esophoria 6 prism dioptres
Exophoria 16 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism dioptre

Limits of hypermetropia (under homatropine)

	Better Eyes
Hypermetropia	1.5 dioptres
Simple Hypermetropic	0.75 dioptre
Astigmatism	

Compound Hypermetropic Astigmatism

The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptres of which not more than 0.75 dioptre may be due to astigmatism.

	Worse-Eyes
Hypermetropia	2.5 dioptres
Simple Hypermetropic	
Astigmatism	1.5 dioptres

Compound Hypermetropic	
Astigmatism	The error in the more hypermetropic meridian must not exceed . . .

dioptries of which not more than 1.0 dioptre may be due to astigmatism.

Myopia not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian

Binocular Vision

The Candidate must possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

Visual standard (Air Force)

Visual Acuity—6/6 in one eye and 6/9 in the other correctable to 6/6 with glasses. Fields of vision must be full in each eye.

Colour Vision—Normal.

Note :—Candidates who wear glasses habitually are not eligible. The fundi & media of the eye should be normal. There should not be any active disease of the eyelids.

6. Hearing Standard—

Hearing will be tested by speech test. Where required audiometric records will also be taken.

(a) *Speech test*.—The candidate should be able to hear a forced whisper with each ear separately standing with his back to the examiner at a distance of 609.5 cm. in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.

(b) *Audiometric record*.—The candidate will have no loss of hearing in either ear at frequencies 128 to 4096 cycles per second. Audiometry reading between plus 10 and minus 10. (Not applicable to Navy).

Hearing Standard (Air Force)

Should be able to hear forced whisper from a distance of 610 cm (20 feet) with each ear separately (other being closed).

Note : The candidates tympanic membrane of both ears should be normal and freely mobile denoting the patency of eustachian tubes. There should not be any sign of chronic or active S.O.M.

Urine : Should be free from sugar and Albumen. ECG (Electro Cardiogram) is compulsory and must be within normal limits.

Routine basal EEG. All candidates for Air Force Academy will be subjected to EEG examination. Those with specific abnormalities will be rejected.

Note : A candidate for Air Force Academy must be free from any active or latent, acute or chronic medical or surgical disability or infections. Cardiovascular, respiratory, urogenital, nervous and other systems the body should be normal.

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

(A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.**1. Before the candidate joins the Indian Military Academy—**

(a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise;

(b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and, other assets and income from all source are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidates finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

- (a) Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00
(b) For items of clothing and equipment.—Rs. 800.00
Total : Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them :—

- Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per month—Rs. 275.00.

5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy :—

(1) PARSHURAM BHAI PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition, to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpanded portion of this allowance will be—

- (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission; or
(b) if he is not granted a commission; refunded to the State.

On being granted a commission, article of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered

from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government, be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training :

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

(i) PAY

Rank	Pay scale	Rank	Pay scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut	750—799	Lt. Colonel (Time Scale)	1900 fixed
Lieut	830—950	Colonel	1950—2175
Captain	1100—1500	Brigadier	2200—2400
Major	1450—1800	Mal General	2500—125/2-2750
Lt. Colonel (By selection)	1750—1950	Lt. General	3000 p.m.

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
(b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
(c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
(d) Separation allowance : Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
(e) Outfit Allowance—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks :—

by time scale

Lt.	2 years of Commissioned Service.
Capt.	6 years of Commissioned Service
Major	13 years of Commissioned Service
Lt. Col. from Major (If not promoted by Selection)	25 years of Commissioned Service

by selection

Lt. Col.	16 years of Commissioned Service
Col.	20 years of Commissioned Service
Brigadier	23 years of Commissioned Service
Major Gen.	25 years of Commissioned Service
Lt. Gn.	28 years of Commissioned Service
Gen.	No restriction.

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :

Captain	3 years
Major	5 years
Lt. Colonel	6-1/2 years
Colonel	8-1/2 years
Brigadier	12 years
Major General	20 years
Lt. General	25 years

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.

1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.

(1) Candidates not applying for government financial aid :

(i) Pocket allowance for five months @ Rs. 45.00 per month	Rs. 225.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460.00
Total	Rs. 685.00

(2) Candidates applying for Government financial aid :

(i) Pocket allowance for two months — Rs. 45.00 per month	Rs. 90.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 460.00
Total	Rs. 550.00

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and Establishments as under :—

(a) Cadets Training including afloat training for 6 months	1 year
(b) Midshipmen afloat Training	6 months
(c) Acting Sub-lieutenant Technical Courses	12 months
(d) Sub-lieutenants	

A minimum period of 6 months at sea is essential to obtain a watch-keeping certificate.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treat-

ment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expense while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 450 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will, with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi :

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance at aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 500 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipman they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance, they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—

(a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Rank	Pay Scale	
	General Service	
Midshipman	Rs. 560	
As. Sub. Lieut.	Rs. 750	
Sub. Lieut.	Rs. 830—870	
Lieut.	Rs. 1100—1450	
Lieut. Cdr.	Rs. 1450—1800	
Commander (By Selection)	Rs. 1750—1950	
Commander (By time Scale)	Rs. 1900 fixed	
Captain	Rs. 1950—2400 (Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain).	
Rear Admiral	Rs. 2500—125/2—2750	
Vice Admiral	Rs. 3000	

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer receives the following allowances :—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible to—
 - (i) married officers serving in non-family station; and
 - (ii) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.
- (v) Free ration for the periods they remain in the ships away from the base ports.

NOTE I :—In addition certain special concessions like hard-lying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, survey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.

NOTE II :—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scale

Midshipmen to Ag. Sub. Lieut.	1/2 year
Ag. Sub. Lieut. to Sub. Lieut.	1 year
Sub. Lieut. to Lieut.	3 years as Ag. and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeiture of seniority).
Lieut. to Lieut. Cdr.	8 years seniority as Lieut.
Lieut. Cdr. to Cdr (if not promoted by selection)	24 years (reckonable commissioned service)

(b) By selection

Lieut. Cdr. to Cdr.	2-8 years seniority as Lieut. Cdr.
Cdr. to Capt.	4 years seniority as Cdr.
Capt. to Rear Admiral and above	No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

NOTE.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.

(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS.

1. Before the candidate joins the Officers Training School, Madras—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.

3. While the cost of training, including accommodation books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pockets expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar-hiking, etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 450 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for ten months at Rs. 55.00 per month	Rs. 550.00
(b) For items of clothing and equipment.	Rs. 500.00
Total	Rs. 1050.00

Out of the amount mentioned above, the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ cost of training, missing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.

7. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below.

9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt from the date of successful completion of training.

10. Terms and conditions of Service

(a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commissions are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army.

Rates of pay for 2/Lt and Lieut. are :—

Second Lieut.	Rs. 750—790 p.m.
Lieut.	Rs. 830—950 p.m.
Plus other allowances as laid down for regular officers	

(e) *Leave*: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol I—Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 *ibid*.

(f) *Termination of Commission*: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) If his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or Course.

An officer may on giving three months notice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) Pensionary benefits

(i) These are under consideration.

(ii) SSC officers on expiry of their five years' term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

(h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or up to the age of 40 years whichever is earlier.

(i) *Miscellaneous*: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

(D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

1. *Selection*.—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e., Direct Entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).

(a) *Direct Entry*.—Selection is made through a written examination conducted by the commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interview.

(b) *NCC Entry*.—Application from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ. Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interview.

2. *Detailing for Training*.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.

3. *Training*.—The approximate duration of training for Flying branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 1575/- p.m. which includes flying pay of Rs. 375/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emoluments. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

5. Pay and Allowances

Substantive Rank	Flying Branch Rs.
Pt Offr	825-865
Fg Offr	910-1030
Flt Lt	1150-1550

Dearness and Compensatory Allowance.—Officers are entitled to these allowances at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 50/- p.m. Flying Pay: Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates :—

Wg Cdr and below	Rs. 375.00 p.m.
Gp Capt and Air Comde	Rs. 333.33 p.m.
Air Vice Marshal and above	Rs. 300.00 p.m.

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay/grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay are Rs. 70/- and 100/- and grants are Rs. 6,000/-, Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/-, and Rs. 1,600/-.

Expatriation Allowance.—Ranging from 25% to 40% (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troops.

Separation Allowance : Married Officers posted to Units Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 70/- p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 1400/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess : Rs. 1,200/- for renewal after every seven years.

Camp Kit.—Free issue at the time of commissioning.

6. Leave and Leave Travel Concessions

Annual Leave.—60 days a year.

Casual Leave.—20 days a year, not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of, free conveyance for a distance of 965 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave, once every year, on warrant, a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1600 kms, for the forward and return journeys both inclusive.

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60% of the fare for self wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. PENSIONARY BENEFITS

Retiring Rank (Substantive)	Minimum length of qualifying Service	Standard rate of Retiring Pen- sion	
		Rs.	pm
Plt Offr./Fg Offr.	20 years	525	"
Flt Lt.	20 "	750	"
Sqn Ldr	22 "	875	"
Wg Cdr (Time Scale)	26 "	900	"
Wg Cdr (Selective)	24 "	950	"
Gp Capt	26 "	1100	"
Air Cmde	28 "	1125	"
Air Vice Marshal	30 "	1275	"
Air Marshal	30 "	1375	"
Air Chief Marshal	30 "	1700	"

8. Retiring Gratuity

Retiring gratuity at the discretion of the President as under :—

- For 10 years service—Rs. 12,000/- less 1 $\frac{1}{2}$ month's pay of rank last held.
- For every additional year—Rs. 1200/- $\frac{1}{2}$ month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to 1 $\frac{1}{2}$ th of emoluments for each completed six monthly period of qualifying service subject to a maximum of 16 $\frac{1}{2}$ times of the emoluments not exceeding Rs. 30,000/- is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows :—

- Two months pay, if death occurs in the first year of service;
- Six months pay, if death occurs after the first year, but before completion of five years;
- Minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

APPENDIX IV

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri _____ son of Shri _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry), Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

2. Shri _____ and/or his family
ordinarily reside(s) in village/town* _____ of _____
District/Division* of the State/Union Territory of _____
Signature.....
**Designation.....
State/Union Territory*.....
(with seal of office)

Place.....
Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

* Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates :

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called on 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested responses, marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best response. (see "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet (specimen enclosed) number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.

1. ☐ a ☐ b ☒ c ☐ d ☐ e

2. ☐ a ☐ b ☐ c ☐ d ☒ e

3. ☒ a ☐ b ☐ c ☐ d ☐ e

It is important that—

1. You bring and use only good quality HB Pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. You ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
5. Write clearly in ink the name of the examination/test, you Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip board or a hard board or a card board on which nothing should be written. This may be useful for marking the answers in the Answer Sheet as it will provide an even surface, in case the surface of your desk is not smooth. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

F. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your sheet in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your times as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and

wait till the invigilator collects the Test Booklet, answer sheet and sheet for rough work from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?

- (a) the successors of Asoka were all weak.
- (b) there was partition of the Empire after Asoka.
- (c) the northern frontier was not guarded effectively.
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asoka era.

2. In a parliamentary form of Government,

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
- (b) the Legislature is responsible to the Executive.
- (c) the Executive is responsible to the Legislature.
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to :

- (a) facilitate development.
- (b) prevent disciplinary problems.
- (c) provide relief from the usual class room work.
- (d) allow choice in the educational programme.

4. The nearest planet to the Sun is :

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes flood.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.